वर्ष-07 - अंक 315
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
शनिवार ,22 अगस्त 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073
केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

यूपी-जापान साझेदारी में निवेश, रोबोटिक्स और कौशल विकास 3
जलभराव, अराजकता और भ्रष्टाचार की जकड़ में शहर: घूसखोरी पर 4
मां शांति आईटी संस्थान एवं एमएसडी लॉ कॉलेज में ध्वजारोहण 12

पीएम मोदी ने 20 अंतरिक्ष स्टार्टअप प्रमुखों से की मुलाकात

भारत को वैश्विक अंतरिक्ष केंद्र बनाने पर जोर

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राजधानी स्थित सेवा तीर्थ में देश के 20 प्रमुख अंतरिक्ष स्टार्टअप के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और संस्थापकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत के तेजी से विकसित हो रहे निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की क्षमता की सराहना करते हुए देश को वैश्विक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए नवाचार, सहयोग और नई तकनीकों के विकास पर जोर दिया। बैठक में रॉकेट निर्माण, पुन: उपयोग योग्य अर्ध-क्रायोजेनिक प्रक्षेपण यान, उपग्रह तकनीक, वैमानिकी इलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत प्रणोदन प्रणाली, अंतरिक्ष एवं रक्षा खुफिया समाधान, अंतरिक्ष मलबा प्रबंधन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मौसम और जलवायु पूर्वानुमान जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे स्टार्टअप के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान अंतरिक्ष स्टार्टअप के संस्थापकों ने प्रधानमंत्री को निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में हुई प्रगति और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वदेशी तकनीक और क्षमताओं के विकास के लिए कंपनियां लंबे समय से निवेश और अनुसंधान कर रही हैं। स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने तथा विभिन्न नीतिगत सुधारों के लिए केंद्र सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सरकार के सहयोग और कंपनियों के बीच बढ़ते तालमेल से देश में मजबूत अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हो रहा है। स्टार्टअप प्रमुखों ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोले जाने के बाद भारतीय उद्योग के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं। अब विभिन्न उद्योग और संस्थान निजी अंतरिक्ष कंपनियों द्वारा विकसित तकनीकों को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्टार्टअप संस्थापकों के साहस, नवाचार और पहल की सराहना करते हुए कहा कि निजी कंपनियों का बढ़ता आत्मविश्वास अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने के फैसले को मजबूत करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के कई देशों के पास अंतरिक्ष कार्यक्रमों में बड़े पैमाने पर निवेश करने के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। ऐसे में भारत के लिए वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग में अपनी भूमिका मजबूत करने का बड़ा अवसर है। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों से अपनी तकनीकों के नए उपयोग तलाशने और ऐसे समाधान विकसित करने का आह्वान किया, जिनका सीधा लाभ आम लोगों को मिल सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग केवल अंतरिक्ष अभियानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे कृषि, पर्यावरण, मौसम, आपदा प्रबंधन और अन्य जनोपयोगी क्षेत्रों से भी जोड़ा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरिक्ष स्टार्टअप और अन्य क्षेत्रों में काम कर रही कंपनियों के बीच सहयोग बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष मलबा प्रबंधन की तकनीक विकसित करने वाली कंपनियां पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं के साथ मिलकर काम कर सकती हैं। इसी तरह कृषि क्षेत्र में काम करने वाली अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनियां कृषि विश्वविद्यालयों और सरकारी विभागों के साथ साझेदारी कर किसानों को मौसम की सटीक जानकारी, बेहतर निर्णय लेने और उत्पादकता बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

सिलीगुड़ी में अमित शाह का ममता सरकार पर हमला, बोले- घुसपैठ रोकना जरूरी

सिलीगुड़ी(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में सीमा सुरक्षा और घुसपैठ के मुद्दे को लेकर पूर्ववर्ती ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। सिलीगुड़ी में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की ओर से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के लिए जमीन उपलब्ध कराने की लगातार मांग की गई, लेकिन लंबे समय तक इस पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। अमित शाह ने कहा कि सीमा की सुरक्षा और घुसपैठ पर प्रभावी रोक के लिए सुरक्षा बलों को आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक घुसपैठ पर पूरी तरह अंकुश नहीं लगता, तब तक पश्चिम बंगाल और देश की सुरक्षा को लेकर चुनौतियां बनी रहेंगी। गृह मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में नई सरकार बनने के बाद बीएसएफ और एसएसबी के लिए जमीन उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम हुआ। उन्होंने दावा किया कि सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर सुवेंदु अधिकारी ने बीएसएफ और एसएसबी को 1,129 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई। शाह ने कहा कि यह तेजी इसलिए नहीं है कि सरकार भाजपा की है, बल्कि इसलिए है क्योंकि सीमा सुरक्षा को लेकर गंभीरता से काम किया जा रहा है। उन्होंने सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की भूमिका को देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। अमित शाह ने कहा कि वह स्वयं एक बार तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कार्यालय गए थे और उनसे बीएसएफ के लिए जमीन उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्पष्ट किया था कि मांगी जा रही जमीन बीएसएफ के लिए है, भाजपा के लिए नहीं। शाह के मुताबिक, इसके बावजूद जमीन उपलब्ध नहीं कराई गई, जिसके कारण सीमा सुरक्षा से जुड़े कार्यों में दिक्कतें आईं। उन्होंने कहा कि सीमा प्रबंधन को मजबूत करना राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकता है। सिलीगुड़ी में बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय की प्रशासनिक इमारत की आधारशिला रखे जाने की तैयारी है। इसके अलावा जलपाईगुड़ी में बीएसएफ की 12वीं और 19वीं बटालियन से जुड़ी आवासीय एवं गैर-आवासीय परियोजनाओं और एक ट्रांजिट कैंप के लिए ई-आधारशिला कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं को सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने हाल में मनाए गए स्वतंत्रता दिवस और 'वंदे मातरम्' के पूरे गायन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 से वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाल किले से ध्वजारोहण कार्यक्रम में लगातार शामिल होते रहे हैं।

मुंबई में एफडीए की बड़ी कार्रवाई, मैकडोनाल्ड्स और रेडियो क्लब के लाइसेंस निलंबित

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के उल्लंघन के मामले में मुंबई के बॉम्बे प्रेसिडेंसी रेडियो क्लब और कोलाबा स्थित मैकडोनाल्ड्स आउटलेट समेत राज्य के 13 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। कार्रवाई के बाद होटल और रेस्टोरेंट संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे के नेतृत्व में राज्यभर में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान 89 होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों का निरीक्षण किया गया। जांच में खामियां मिलने पर 71 प्रतिष्ठानों को सुधार के नोटिस जारी किए गए, जबकि गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर 13 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए।19 अगस्त को बॉम्बे प्रेसिडेंसी रेडियो क्लब की रसोई का निरीक्षण किया गया। एफडीए के मुताबिक, जांच में 47 प्रतिशत गैर-अनुपालन पाया गया। रसोई में जिंदा मक्खियां और मरे हुए कॉकरोच मिले। छत से पेंट और प्लास्टर झड़कर भोजन तैयार करने वाली जगह पर गिर रहा था। इसके अलावा भोजन सामग्री के पास डिटर्जेंट और रसायन रखे मिले। भोजन सीधे फर्श पर रखा था, जबकि मांसाहारी खाद्य पदार्थों के लिए इस्तेमाल होने वाले रेफ्रिजरेटर भी बेहद गंदे पाए गए। एफडीए ने लाइसेंस निलंबन की अवधि में प्रतिष्ठान को भोजन की खरीद, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है। कोलाबा के मेट्रो हाउस स्थित मैकडोनाल्ड्स आउटलेट का खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) लाइसेंस भी निलंबित किया गया है। एफडीए के अनुसार, आउटलेट ने 12 अगस्त को 148 पन्नों की अनुपालन रिपोर्ट सौंपी थी, लेकिन 19 अगस्त को दोबारा निरीक्षण में पहले बताई गई 20 में से 18 खामियां दूर नहीं मिलीं। जांच के दौरान बिना कैलिब्रेशन वाले रेफ्रिजरेटर, जिंदा कॉकरोच, फर्श पर खराब होता भोजन और गंदे कपड़े मिले। कर्मचारियों द्वारा गंदे जूते और कपड़े छूने के बाद बिना हाथ धोए भोजन तैयार करने की बात भी सामने आई। इसके अलावा असली पनीर और चीज के दावे के बावजूद गैर-डेयरी उत्पाद के इस्तेमाल का भी उल्लेख जांच में किया गया है। एफडीए की कार्रवाई के बाद अब खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर निगरानी और सख्त होने की संभावना है।

हर जिले में होंगी प्रवासी पंचायतें, गांव लौटे युवाओं को मिलेंगे स्वरोजगार के अवसर

देहरादून(एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकने और रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने के लिए सभी जिलों में प्रवासी पंचायतें आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गांव लौटे प्रवासी उत्तराखंडियों के स्वरोजगार के अनुभव साझा किए जाएं और उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए पर्वतीय क्षेत्रों में पलायन की स्थिति, रिवर्स पलायन, स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने और स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को आयोग की ओर से दिए गए सुझावों पर गंभीरता से विचार कर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं। स्थानीय संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान और कौशल को रोजगार से जोड़कर युवाओं को अपने गांव में ही आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। ग्रामीणों को स्वरोजगार एवं आजीविका से जुड़ी योजनाओं की जानकारी सरल तरीके से गांव स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों और बैंकों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसके लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए और विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। धामी ने स्थानीय उत्पादों को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने के साथ उनकी गुणवत्ता, पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। आयोग के उपाध्यक्ष एसएस नेगी ने बताया कि टिहरी, अल्मोड़ा, चंपावत, पिथौरागढ़ और पौड़ी में प्रवासी पंचायतों का आयोजन किया जा चुका है। सितंबर में उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली में प्रवासी पंचायतें आयोजित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिवर्स पलायन केवल रोजगार उपलब्ध कराने से संभव नहीं होगा, बल्कि गांवों में बेहतर आजीविका, सुविधाएं और विकास की संभावनाएं तैयार करनी होंगी। बैठक में आयोग के सदस्य एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

महुआ मोइत्रा के समर्थन में सुप्रिया सुले, सर्किट हाउस विवाद की जांच की मांग

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़े कृष्णनगर सर्किट हाउस विवाद पर चिंता जताई। उन्होंने मामले की औपचारिक जांच कराने और इसे लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के पास भेजने की मांग की। मामला पश्चिम बंगाल के कृष्णनगर स्थित सरकारी सर्किट हाउस का है, जहां महुआ मोइत्रा को कथित तौर पर 14 अगस्त की देर रात परिसर खाली करने के लिए कहा गया था। सुले ने कहा कि किसी मौजूदा सांसद के साथ इस तरह की कथित कार्रवाई से उनकी सुरक्षा और संसदीय अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

हाफिज सईद-लखवी समेत छह के खिलाफ इंटरपोल से कार्रवाई की तैयारी

मुंबई(एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने 26/11 आतंकी हमले के मामले में पाकिस्तान में रह रहे छह फरार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी समेत सभी छह आरोपियों के खिलाफ इंटरपोल के माध्यम से अदालत के उद्घोषणा आदेश की तामील कराने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क किया है। इससे आरोपियों की गैरमौजूदगी में मुकदमा चलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो सकता है। 26/11 मामले की सुनवाई कर रही विशेष अदालत में शुक्रवार को विशेष लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम ने पुलिस की ओर से अंतरिम रिपोर्ट पेश की। उन्होंने बताया कि फरार आरोपियों के खिलाफ जारी उद्घोषणा आदेश की तामील के लिए गृह मंत्रालय को पत्र भेजा गया है। निकम के अनुसार, गृह मंत्रालय ने 3 अगस्त को पुलिस की अपील स्वीकार कर ली थी और मामले की वर्तमान स्थिति से अदालत को अवगत कराने के लिए समय मांगा था। अदालत ने हाफिज सईद, जकी-उर-रहमान लखवी के अलावा साजिद मीर, अबू अलकामा, आसिम उर्फ अबू कहफा और मेजर अब्दुर रहमान पाशा के खिलाफ उद्घोषणा आदेश जारी किए हैं। सभी आरोपी पाकिस्तानी नागरिक हैं और लंबे समय से भारत की न्यायिक प्रक्रिया से बाहर हैं। पुलिस अब इंटरपोल के माध्यम से इन आरोपियों तक अदालत के आदेश पहुंचाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाना चाहती है। इसके लिए गृह मंत्रालय की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 356 के तहत कुछ परिस्थितियों में ऐसे घोषित अपराधियों के खिलाफ उनकी गैरमौजूदगी में भी आपराधिक मुकदमा चलाया जा सकता है, जो गिरफ्तारी से बचने के लिए देश से बाहर फरार हैं और जिनकी तत्काल गिरफ्तारी की संभावना नहीं है। 26/11 मामले में अदालत की ओर से फरार आरोपियों को घोषित अपराधी बनाए जाने के बाद अब उनकी गैरमौजूदगी में सुनवाई आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमलों में कई स्थानों को निशाना बनाया गया था।

पैलेट गन मामले में दो डीसीपी जांच के घेरे में, आरएएफ को मिली क्लीन चिट

नई दिल्ली**(एजेंसी)**। जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर दिल्ली पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पैलेट गन से घायल युवक को लेकर संसद मार्ग थाने पहुंचे, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। मामले की जांच के दौरान दिल्ली पुलिस के दो डीसीपी की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है। जानकारी के मुताबिक, नई दिल्ली जिला डीसीपी सचिन शर्मा ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट के तौर पर सीआरपीएफ की रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के सहायक कमांडेंट दिलावर सिंह को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए गैस, लाठीचार्ज और आग्नेयास्त्रों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। वहीं, प्रदर्शन के दौरान तत्कालीन उत्तरी दिल्ली डीसीपी राजा बांठिया के आदेश पर पैलेट गन समेत अन्य दंगा नियंत्रण उपकरणों के इस्तेमाल की बात सामने आई है। पुलिस के दस्तावेज के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान आरएएफ ने पैलेट गन के कई गोले, पांच टियर स्मोक ग्रेनेड, दंगारोधी बंदूक और प्लास्टिक पैलेट का इस्तेमाल किया था। उस समय आरएएफ के डिप्टी कमांडेंट सतीश सांगवान बी-208 इकाई की कमान संभाल रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि वह जोन-1 में डीसीपी राजा बांठिया के साथ ड्यूटी पर थे और उनके आदेश पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दंगा-रोधी उपाय किए गए। मामले की जांच इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात केंद्रीय बलों की कार्रवाई के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस की भूमिका भी जांच का हिस्सा होगी।

जम्मू-श्रीनगर रूट पर जल्द दौड़ेगी तीसरी वंदे भारत

जम्मू(एजेंसी)। जम्मू-श्रीनगर रेल मार्ग पर यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए भारतीय रेलवे जल्द ही तीसरी वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू करने की तैयारी में है। प्रस्तावित ट्रेन जम्मू तवी से श्रीनगर के बीच चलेगी और उधमपुर होते हुए वैष्णो देवी कटड़ा पहुंचेगी। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि स्थानीय लोगों की मांग पर नई वंदे भारत का ठहराव उधमपुर में मंजूर किया गया है। सूत्रों के मुताबिक तीसरी वंदे भारत का संचालन अगले महीने नवरात्र के आसपास शुरू हो सकता है। नवरात्र के दौरान माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जम्मू-कश्मीर पहुंचते हैं। ऐसे में रेलवे इस अवधि को नई सेवा शुरू करने के लिए उपयुक्त मान रहा है। हालांकि, रेलवे की ओर से अभी ट्रेन का अंतिम समय-सारिणी और सभी ठहराव आधिकारिक रूप से घोषित नहीं किए गए हैं। प्रस्तावित मार्ग के अनुसार ट्रेन जम्मू तवी से चलकर उधमपुर, श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और फिर श्रीनगर पहुंचेगी। वापसी में भी यही मार्ग रहेगा। जम्मू-श्रीनगर मार्ग पर वर्तमान में दो वंदे भारत एक्सप्रेस चल रही हैं। दोनों सेवाएं 6 जून 2025 को शुरू हुई थीं। शुरुआत में इनका संचालन श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से श्रीनगर के बीच किया गया था। बाद में 30 अप्रैल 2026 से दोनों ट्रेनों का विस्तार जम्मू तवी तक कर दिया गया, जिससे जम्मू और श्रीनगर के बीच सीधी वंदे भारत सेवा उपलब्ध हुई। रेलवे के अनुसार दोनों ट्रेनों में यात्रियों की लगातार अच्छी मांग बनी हुई है। मांग को देखते हुए इनके डिब्बों की संख्या भी 16 से बढ़ाकर 20 कर दी गई है। मौजूदा जम्मू तवी-श्रीनगर वंदे भारत के मार्ग में उधमपुर, कटड़ा, रियासी और बनिहाल प्रमुख ठहराव हैं। ट्रेन जम्मू तवी से श्रीनगर की करीब 269 किलोमीटर दूरी लगभग 4 घंटे 45 मिनट में पूरी करती है। इससे जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच यात्रा का समय कम होने के साथ रेल संपर्क भी बेहतर हुआ है।

समुद्री लुटेरों के कब्जे वाले दो जहाजों में 22 भारतीय नाविक सवार, सभी सुरक्षित: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली(एजेंसी)। यमन और सोमालिया के तट के पास समुद्री लुटेरों द्वारा कब्जे में लिए गए दो वाणिज्यिक जहाजों में सवार 22 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि दोनों जहाज विदेशी झंडे वाले हैं और उनमें कुल 22 भारतीय नाविक सवार हैं। इनमें एक जहाज पर 16 और दूसरे पर छह भारतीय नाविक मौजूद हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों के लगातार संपर्क में है। दोनों घटनाएं अलग-अलग स्थानों पर हुई हैं और इनके संबंध में आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है। जानकारी के अनुसार, 20 अगस्त को इरिट्रिया के झंडे वाले तेल उत्पाद टैंकर 'एमटी सिबू-1' को यमन के तट के पास अदन की खाड़ी में निशाना बनाया गया। जहाज पर कथित तौर पर 16 भारतीय नाविक सवार थे। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) केंद्र के अनुसार, उसे यमन के अल मुकल्ला से करीब 136 समुद्री मील पूर्व में एक घटना की सूचना मिली थी। जहाज ने अदन की खाड़ी में पश्चिम दिशा में जाते समय एक अनधिकृत पोत के उसके पास आने की जानकारी देते हुए सहायता के लिए संदेश भेजा था। रिपोर्ट के मुताबिक, छह हथियारबंद लोगों ने यमन के तट के पास टैंकर पर कब्जा कर लिया और उसे सोमालिया की ओर मोड़ दिया। घटना के बाद समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने स्थिति पर नजर रखनी शुरू कर दी। दूसरी घटना 17 अगस्त को सोमालिया के पुंटलैंड तट के पास हुई। यहां कैमरून के झंडे वाले पोत 'एम/वी लुतुफ' को कथित तौर पर समुद्री लुटेरों ने अगवा कर लिया। जहाज पर सवार चालक दल के 10 सदस्यों में छह भारतीय नागरिक बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, यह जहाज मोगादिशू स्थित तुर्की के सैन्य प्रशिक्षण केंद्र के लिए हथियारों के साथ संचार और उपग्रह उपकरण लेकर जा रहा था। बताया गया कि आठ हथियारबंद समुद्री लुटेरों ने जहाज को पुंटलैंड के डंगोरोयो जिले में गारमाल के पास तट की ओर ले गए। आशंका जताई जा रही है कि ये समुद्री लुटेरे उस समूह से जुड़े हो सकते हैं, जिस पर अप्रैल में 'एम/वी स्वार्ड' के अपहरण में शामिल होने का आरोप है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि दोनों घटनाओं में भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर है। संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों के साथ समन्वय कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अदन की खाड़ी और सोमालिया के आसपास का समुद्री क्षेत्र लंबे समय से समुद्री डकैती और सुरक्षा चुनौतियों के लिए संवेदनशील रहा है। ऐसे में भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना भारत के लिए प्राथमिकता बनी हुई है। विदेश मंत्रालय ने फिलहाल सभी 22 भारतीय नाविकों के सुरक्षित होने की जानकारी दी है।

मोरेह में हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद, पांच आईईडी और ड्रोन बम मिले

इंफाल। भारत-म्यांमार सीमा से सटे मणिपुर के मोरेह इलाके में सुरक्षा बलों ने हथियारों और विस्फोटक सामग्री का बड़ा जखीरा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान पांच आईईडी, पांच ड्रोन बम, हथियार, रेडियो सेट और अन्य सैन्य सामग्री बरामद की गई। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मणिपुर पुलिस नियंत्रण कक्ष के मुताबिक, विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर गुरुवार को मोरेह थाना पुलिस और 36वीं असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने भारत-म्यांमार सीमा पर सीमा स्तंभ संख्या 73 के आसपास जंगल में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों को जंगल में छिपाकर रखी गई हथियार और गोला-बारूद की खेप मिली। पुलिस के अनुसार बरामद सामग्री में एम-15 राइफल की एक मैगजीन, एमएजी-3 राइफल की एक मैगजीन, एक देशी पिस्तौल, छह एकनाली बंदूकें, दो देशी राइफल और एक .22 राइफल शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

रोजगार/अप्रेन्टिस मेले में 31 अभ्यर्थियों का चयन

अमेठी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गौरीगंज में गुरुवार को रोजगार एवं अप्रेन्टिस मेला का सफल आयोजन किया गया। संस्थान के प्रधानाचार्य शिवाकांत द्विवेदी ने बताया कि आयोजित मेले में लगभग 35 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग कर रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसरों का लाभ उठाया। उन्होंने बताया कि मेले में ल्यूमैक्स ऑटोपार्ट्स, बावल (रेवाड़ी) तथा मिन्डा कम्पनी ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागी अभ्यर्थियों का साक्षात्कार कम्पनी के प्रतिनिधियों द्वारा लिया गया। साक्षात्कार प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत कम्पनी के एचआर निपु सिंह द्वारा अप्रेन्टिसशिप के लिए कुल 31 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि ऐसे रोजगार एवं अप्रेन्टिस मेले युवाओं को उद्योगों से जोड़ने तथा उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी गई। इस अवसर पर नोडल प्रधानाचार्य शिवाकांत द्विवेदी, जिला सेवायोजन अधिकारी अनुभव त्रिपाठी, कार्यदेशक अनिल कुमार मिश्रा, प्लेसमेंट प्रभारी भारत भूषण मिश्रा, सहायक प्लेसमेंट प्रभारी पंकज तिवारी, रविकांत मिश्र, दिवाकर मिश्र, अतुल कुमार पाण्डेय, एमआईएस मैनेजर मृत्युंजय तिवारी एवं संदीप सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बरहज में कल्याणकारी शिविर, 73 लाभार्थियों को मिले स्वीकृति प्रमाण पत्र

देवरिया। जनपद के बरहज तहसील सभागार में आयोजित कल्याणकारी शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति और प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विधायक दीपक मिश्रा (शाका) ने 10 दिव्यांग लाभार्थियों को दिव्यांगजन पेंशन के स्वीकृति प्रमाण पत्र व कान की मशीन वितरित की। इसके अलावा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की ओ लेवल कंप्यूटर कोर्स योजना के 15 लाभार्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, वृद्धावस्था पेंशन के 15, कन्या सुमंगला योजना के आठ और निराश्रित महिला पेंशन के 10 लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र दिए गए। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति योजना के 25 छात्र-छात्राओं को भी प्रमाण पत्र मिले। विधायक ने अधिकारियों से योजनाओं का लाभ गांव-गांव और पात्र परिवारों तक पहुंचाने की अपील की।

एसआरएम टीम ने तीन स्वास्थ्य केंद्रों की परखी व्यवस्था

देवरिया। बलिया से आई एसआरएम टीम ने सीएमओ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता के साथ शुक्रवार को एनयूपीएचसी मझौलीराज, पीएचसी खामपार और सब सेंटर अगस्तपार का निरीक्षण किया। टीम ने दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई, ओपीडी, लेबर रूम, प्रयोगशाला, बिजली-पानी, रोग जांच और अभिलेखों की स्थिति देखी। टीम ने इलाज कराने पहुंचे मरीजों से भी बातचीत कर स्वास्थ्य सुविधाओं और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। सीएमओ के अनुसार निरीक्षण में व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं। टीम अपनी विस्तृत रिपोर्ट शासन को सौंपेगी, जिसके आधार पर आवश्यक सुधार की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधान के गुर्गे ने गंगा राम पर किया हमला, मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के मुण्डेरवां थाना क्षेत्र के बेहिल गांव निवासी गंगाराम यादव की तहरीर पर पुलिस ने इसी गांव के दिलीप पुत्र चौथी एवं चौथी पुत्र भोदई के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 352, 351(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि 14 अगस्त को दिन मे बीडीओ गांव मे जांच करने पहुंचे थे, जो प्रधान राधेश्याम, चौथी व उनके बेटे दिलीप के खिलाफ थे जांच के दौरान खुद को फंसता देख दिलीप ने सभी के सामने गंगाराम को भद्दी गालियां और धमकी दी। घटना करीब 4.30 बजे की है।

उसी दिन महादेवा से शाम को 7.00 बजे गंगाराम चश्मा बनवाकर लौट रहा था, तो गांव के निकट डिहवा पर दिलीप ने साइकिल से मोबाइल पर बात करते आ रहे गंगाराम को रूकने को बोला, गंगाराम गांव का आदमी समझकर रूक गया। जैसे ही गंगाराम साइकिल पर बैठे बैठे मोबाइल अपनी जेब मे डालने के लिये झुका, दिलीप ने मुक्के से उनकी आंख पर हमला कर दिया और अपने घर की ओर भाग गया। इस दौरान प्रधान के इशारे पर कुछ लोग वीडियो बना रहे थे।

भौगोलिक संदर्भ मकसद था कि गंगाराम हमले के बाद दिलीप का पीछा करते हुये उसके घर की ओर बढ़ेंगा तो एससीएसटी एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे तबाह कर देंगे। गंगाराम इस चालाकी को समझ गया और बर्दाश्त करके घर चला गया। उसी दिन मुण्डेरवां थाने पर जाकर तहरीर दिया। दरोगा ने जांच पड़ताल के बाद 19 अगस्त को मुकदमा दर्ज किया। आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने की भी कोशिश की।

पता चला है कि उल्टे गंगाराम के ऊपर मुकदमा दर्ज करवाने के लिये आरोपियों ने पुलिस को झूठी तहरीर दिया था। बताया गया था कि दिलीप पर गंगाराम ने हमला किया है जिससे वह गंभीर हालत मे जिला अस्पताल मे अपना इलाज करवा रहा है। लेकिन ये बात झूठी निकली।

प्रधान से रंजिश गंगाराम यादव ने गांव के भ्रष्टाचार को लेकर कई बार शिकायत की है। जांच मे प्रधान राधेश्याम दोषी पाये गये हैं, यहां तक कि रिकवरी आदेश तक हुये हैं। गंगाराम नें चौथी के परिवार को 100 दिनों से ज्यादा रोंजगार देने का आरोप लगाते हुये शिकायत किया था। बीडीओ 14 अगस्त को इसी मामले की जांच करने पहुंचे थे। हालांकि निवेदन किया गया था कि पुलिस बल के साथ जांच करने आयें। लेकिन बीडीओ अकेले पहुंच गये और बवाल हो गया। यह बीडीओ की चूक थी। गांव का प्रधान इतना शातिर है कि उसने चौथी के इकलौते बेटे की शादी के दिन भी मनरेगा मे परिवार की हाजिरी लगवाई थी। हैरानी इस बात की है कि प्रधान के सामने पूरा सिस्टम नतमस्तक है, उसका आज तक बांल बांका नही हुआ।

ग्राम पंचायत बेहिल में विकास कार्यों की कल होगी जांच

बनकटी में 03 सदस्यीय जांच टीम करेंगी विकास कार्यों की अनिमियतता की जांच

» बेहिल निवासी गंगा राम यादव ने जिलाधिकारी से किया था शिकायत

» जिलाधिकारी के द्वारा गठित 03 सदस्यीय टीम करेंगी ग्राम पंचायत बेहिल में हुए विकास कार्यों के घोटाले की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केविकास खंड बनकटी के अंतर्गत ग्राम पंचायत बेहिल में विकास कार्यों में हुए अनियमितता की शिकायत के मामले में जांच की कार्रवाई शुरू हो गई है। जिला उद्यान अधिकारी समेत अन्य जांच अधिकारी द्वारा मामले की जांच 21 अगस्त 2026 को की जाएगी। ग्राम पंचायत बेहिल निवासी गंगाराम यादव पुत्र राम सहाय यादव ने 14 जुलाई 2026 को जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर ग्राम पंचायत में कराए गए विभिन्न विकास कार्यों में अनियमितता का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर जिलाधिकारी ने जांच टीम गठित कर दिया है। जांच टीम में 03 सदस्यीय टीम गठित की गई है।

उक्त मामले की जांच के लिए जिला उद्यान अधिकारी को नामित किया गया है। जिला उद्यान अधिकारी ने संबंधित कर्मचारी को 21 अगस्त को समस्त अभिलेखों के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

जांच के दौरान ग्राम पंचायत में कराए गए विकास कार्यों से संबंधित दस्तावेजों एवं अभिलेखों का परीक्षण किया जाएगा। अब जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि शिकायत में लगाए गए आरोपों में कितनी सत्यता है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे क्या कार्रवाई की जाती है?

पुलिस अधीक्षक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन अमेठी में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई

निरीक्षण कर दिए गए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस बल के शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त पुलिसकर्मियों से दौड़ लगवायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल करवाया गया। परेड में पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय व जनपद के विभिन्न थानों व शाखाओं के अधिकारी/कर्मचारीगण सम्मिलित हुये।

निरीक्षण के पश्चात पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा परेड में शामिल समस्त पुलिसकर्मियों को साफ-सुथरी एवं अच्छी वर्दी धारण करने हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा पुलिस लाइन का मुआयना करते हुए बैरक, शस्त्रागार, मेस, बैरिक, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा, आदि का निरीक्षण किया गया एवं भोजन की गुणवत्ता, स्वाद एवं स्वच्छता का परीक्षण करने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा मेस में तैयार भोजन को ग्रहण किया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा 112-पीआरवी व थानों के वाहनों में आवश्यक भीड़ व दंगा नियंत्रण उपकरणों को चेक किया गया तथा पुलिस लाइन में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यावधिक रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा, प्रतिसार निरीक्षक अमेठी व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

फर्जी फर्म के नाम पर सरकारी भुगतान का आरोप, सचिव पर उठे सवाल

पंखुड़ी के फर्जी फर्म पर सचिव अपने अधीन 10 ग्राम पंचायतों का धड़ल्ले से कर रहे सरकारी भुगतान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

» नौकरी चली जाए लेकिन कमीशन न छूटे की नीति पर सचिव विवेक कुमार कर रहे सरकारी भुगतान

» सचिव विवेक कुमार के अधीन 10 ग्राम पंचायतों में हुए भुगतान के फर्म की यदि हो जाएं निष्पक्ष जांच तो हो सकता है बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार का पर्दाफाश

बस्ती। बस्ती जिले केविकास खण्ड बहादुर में तैनात सचिव विवेक कुमार के लूट-खसोट का धीरे- धीरे पर्दाफाश हो रहा है। नौकरी चली जाए लेकिन कमीशन न छूटे की नीति पर सचिव विवेक कुमार कार्य कर रहे हैं। सूत्रों की माने तो सचिव विवेक कुमार अपने अधीन 10 ग्राम पंचायतों में पंखड़ी नामक फर्जी फर्म फीड करवाया है और उसी फर्जी फर्म पर 10 ग्राम पंचायतों में हुए विकास कार्यों के नाम पर ग्राम प्रधान की मिलीभगत करके फर्जी तरीके से सरकारी खाते से भुगतान कराते हैं एवं ग्राम प्रधान सचिव व पंखड़ी दुकानदार आपस में सरकारी धन को बांट लेते हैं। आपको बता दें कि पंखुड़ी टेलीकाम एण्ड कम्प्यूटर्स की दुकान फुटहिया- कलवारी मार्ग पर निकट- बेइली चौराहे पर स्थित है। पंखुड़ी टेलीकाम की दुकान आनलाइन की दुकान है और पंखुड़ी टेलीकाम ने पंखुड़ी के नाम से फर्जी फर्म बनवाया है जिस फर्म के नाम से पंखुड़ी के पास फर्म है उस फर्म से संबंधित सामाग्री की एजेन्सी पंखुड़ी के पास नही है।

जब सामाग्री की एजेन्सी ही नही है तो कैसे? बिना एजेन्सी के सामाग्री के नाम से 10 ग्राम पंचायतों में करोड़ों रुपए का भुगतान हो गया है जो एक जांच का विषय बना हुआ है। विवेक कुमार के द्वारा फर्जी फर्म के नाम पर फर्जी तरीके से भुगतान करने में ग्राम प्रधान, एडीओ पंचायत व खण्ड विकास अधिकारी बहादुरपुर की भूमिका अहम है। सचिव विवेक कुमार का मुख्य उद्देश्य किसी भी तरीके से सरकारी खजाने को लूटना है । सचिव विवेक कुमार पंचायत भवन पर लगे कम्प्यूटर सिस्टम से भुगतान करने के बजाए पंखुड़ी की दुकान से हमेशा भुगतान करते हैं जिसकी जांच कभी भी किसी भी अधिकारी द्वारा की जा सकती है अर्थात् 10 ग्राम पंचायतों के पंचायत भवन पर लगे सीसीटीवी फुटेज से पुष्टि की जा सकती है और वर्तमान समय में पंखुड़ी टेलीकाम की दुकान पर 10 ग्राम पंचायतों को मिलाकर सैकड़ों फाइल पड़ी हुई है। सूत्रों की माने तो सचिव विवेक कुमार के अधीन 10 ग्राम पंचायतों में हुए भुगतान फर्म की यदि निष्पक्ष जांच हो जाएं तो सचिव विवेक कुमार समेत अन्य कई जिम्मेदार सलाखों के पीछे होगें। यदि सचिव विवेक कुमार के घोटाले की जांच कर कार्यवाही नहीं हुई तो आगे भी ऐसे ही सरकारी खजाने को लूटने में सचिव विवेक कुमार कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे और भ्रष्टाचारियों का मनोबल बढ़ता जायेगा तब ग्राम पंचायतों का विकास होने के बजाए ग्राम प्रधानों का विकास होगा। उक्त प्रकरण में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने बताया कि मामला गंभीर है लेकिन जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

कमरौली पुलिस द्वारा लूट का खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना कमरौली पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 133/26 धारा 109(6) बीएनएस में घटना के अनावरण एवं अभियुक्त की सुरागरसी पतारसी के दौरान सीटीटीवी फुटेज व अन्य विभिन्न साक्ष्यों एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर मोटरसाइकिल सवार अभियुक्त सतेन्द्र कुमार निषाद उर्फ कालिया पुत्र मुनेश्वर कुमार निवासी डीआरएम पुलिया कनौसी मानक नगर थाना कृष्णानगर कमिश्नरेट लखनऊ व चेन खरीदने/बेचने वाले अभियुक्त गगनप्रीत सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी 288/152 आर्या नगर थाना नाका कमिश्नरेट लखनऊ को गिरफ्तार कर लूटी गयी चेन पीली धातु, 10 हजार रुपये नगद,व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल व चेहरा छिपाने में प्रयुक्त हेलमेट बरामद किया गया ।बरामद रुपयों के बारे में पूछताछ करने पर अभियुक्त सतेन्द्र ने बताया कि दिनांक 13.08.2026 को यूपीएसआईडीसी कॉलोनी से एक महिला से चेन छीनकर भाग गया था तथा उसी दिन अपने साथी गगनप्रीत सिंह को बेचन हेतु दिया था। चेन के बदले गगनप्रीत सिंह ने उसे 15,000/- एडवांस दिया था, शेष रुपये चेन बेंचने के बाद देने के लिए कहा था। बरामद चेन के बारे में अभियुक्त गगनप्रीत ने बताया कि यह चेन सतेन्द्र ने उसे बेंचने के लिए दिया था, लखनऊ में सीसीटीवी लगे होने के कारण चेन नहीं बिक पाया था। जिसे आज बनभरिया मोड़ पर सतेन्द्र के साथ मिलकर बेंचने की बात हुई थी। बरामदगी के आधार पर उपरोक्त अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी कर थाना कमरौली पुलिस द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त सतेन्द्र एक अन्तर्जनपदीय शातिर लुटेरा है जिसके विरुद्ध जनपद लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी में लूट, हत्या का प्रयास, चोरी, आर्म्स एक्ट व गुण्डा अधिनियम में कुल 39 अभियोग पंजीकृत है। उक्त सराहनीय कार्य करने वाली पुलिस टीम को पुलिस अधीक्षक अमेठी महोदय द्वारा 25,000/- रुपये नगद का पुरस्कार की घोषणा की गई है। **लूट की चेन पीली धातु, 10 हजार रुपये नगद व लूट की घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के साथ 01 अन्तर्जनपदीय शातिर अपराधी सहित कुल 02 अभियुक्त गिरफ्तार**

25 दिन चला युवा संवाद अभियान, 60 शिक्षण संस्थानों में 50 हजार युवाओं से संवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। हर्रैया विधानसभा क्षेत्र में भाजपा नेता एवं समाजसेवी चंद्रमणि पांडेय 'सुदामा' के नेतृत्व में 25 दिनों तक चले युवा संवाद अभियान का शुक्रवार को समापन हुआ। अभियान के दौरान क्षेत्र के करीब 60 शिक्षण संस्थानों में 50 हजार छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें शिक्षा, संस्कार, राष्ट्रप्रेम, सामाजिक एकता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया गया। समापन अवसर पर विक्रमजोत और छावनी क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों से संवाद किया गया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा कि देश की एकता और अखंडता को कमजोर करने का कोई भी प्रयास सफल नहीं होगा। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और सामाजिक समरसता बनाए रखने का आह्वान किया।

शिक्षा के साथ संस्कार पर जोर

चंद्रमणि पांडेय 'सुदामा' ने बताया कि अभियान के दौरान स्कूल, इंटर कॉलेज, कोचिंग संस्थान, कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र और डिजिटल लाइब्रेरी में युवाओं से संवाद किया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार है। युवाओं से अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को सकारात्मक दिशा में लगाने का आह्वान किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को वर्ष 2014 के बाद केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से किए गए विकास कार्यों की जानकारी भी दी। शिक्षा, तकनीक, डिजिटल व्यवस्था, आधारभूत ढांचे, रोजगार और आत्मनिर्भरता समेत विभिन्न क्षेत्रों में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए युवाओं से सरकारी योजनाओं और अवसरों का लाभ उठाने की अपील की।

सोशल मीडिया पर सूचनाओं की जांच की अपील

सुदामा ने युवाओं से सोशल मीडिया पर मिलने वाली सूचनाओं को बिना जांचे स्वीकार न करने और अफवाहों से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में जागरूक युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने अभियान के सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार जताया। उन्होंने 25 दिनों तक लगातार युवाओं के बीच संवाद करने के प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत सेमरी में ग्राम चौपाल आयोजित

ग्राम चौपाल में जिलाधिकारी ने परखी शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता, लंबित प्रकरणों के शीघ्र समाधान के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया सहित जनपद के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता में जनपद के समस्त विकास खंडों में विगत तीन माह में आईजीआरएस पोर्टल पर सर्वाधिक शिकायत प्राप्त होने ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल (गांव की समस्या गांव में समाधान) का आयोजन कर ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया गया। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार प्रत्येक शुक्रवार को जनपद के समस्त विकास खंडों में उक्त के क्रम में चिन्हित ग्राम पंचायतों में उच्चाधिकारियों की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम चौपालों में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे तथा ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के साथ-साथ ग्रामीणों द्वारा मौके पर प्रस्तुत प्रार्थना पत्रों पर भी कार्रवाई की गई। जहां संभव हुआ, शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया तथा निस्तारित प्रकरणों का भौतिक सत्यापन भी किया गया।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में विकास खंड कटेहरी की ग्राम पंचायत सेमरी में ग्राम चौपाल आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता का मौके पर भौतिक सत्यापन किया तथा लंबित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। इसी प्रकार मुख्य विकास अधिकारी श्री आनंद कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में विकास खंड टांडा की ग्राम पंचायत नाऊसांडा, उपजिलाधिकारी भीटी की अध्यक्षता में विकास खंड भीटी की ग्राम पंचायत काही, उपजिलाधिकारी जलालपुर की अध्यक्षता में विकास खंड जलालपुर की ग्राम पंचायत कुचपूरा, उपजिलाधिकारी न्यायिक जलालपुर की अध्यक्षता में विकास खंड भियांव की ग्राम पंचायत भियांव, उपजिलाधिकारी आलापुर की अध्यक्षता में विकास खंड रामनगर की ग्राम पंचायत महुवर तथा उपजिलाधिकारी आलापुर (न्यायिक) की अध्यक्षता में विकास खंड जहांगीरगंज की ग्राम पंचायत देवलर में ग्राम चौपाल आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त तहसीलदार टांडा की अध्यक्षता में विकास खंड टांडा की ग्राम पंचायत बिहरोजपुर, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ उपजिलाधिकारी अकबरपुर की अध्यक्षता में विकास खंड कटेहरी की ग्राम पंचायत प्रतापपुर चमुर्खा, उपजिलाधिकारी अकबरपुर की अध्यक्षता में विकास खंड अकबरपुर की ग्राम पंचायत बेवाना तथा विकास खंड बसखारी की ग्राम पंचायत मुजाहिदपुर एवं मीढ़ी सलेमपुर सहित जनपद के विभिन्न विकास खंडों की चिन्हित ग्राम पंचायतों में भी ग्राम चौपालों का आयोजन किया गया। ग्राम चौपालों में विकास, राजस्व, विद्युत, पुलिस सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त कर संबंधित प्रकरणों की मौके पर जांच कराई गई। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव था, उनका मौके पर ही निस्तारण कराया गया। शेष प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीमें गठित कर समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

30 बुनकरों को मिलेगा 'झलकारी बाई कोरी हथकरघा एवं पावरलूम विकास योजना' का लाभ

जिलाधिकारी की पहल लाई रंग, 30 हथकरघा बुनकरों के लिए 27.90 लाख की प्रथम किस्त स्वीकृत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बताया कि जनपद के हथकरघा बुनकरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा उनके पारंपरिक व्यवसाय को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से शासन द्वारा संचालित 'झलकारी बाई कोरी हथकरघा एवं पावरलूम विकास योजना' के अंतर्गत 30 व्यक्तिगत हथकरघा बुनकरों को प्रथम किस्त के रूप में 27.90 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के अंतर्गत शासन द्वारा 20 करोड़ की धनराशि का प्राविधान किया गया है। शासनादेश के क्रम में परिक्षेत्र-अयोध्या के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 30 व्यक्तिगत हथकरघा बुनकरों के पक्ष में प्रथम किस्त के रूप में कुल 27.90 लाख (सत्ताईस लाख नब्बे हजार रुपये) की धनराशि आहरण एवं वितरण हेतु प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य पात्र हथकरघा बुनकरों को आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके कार्य को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाना है, जिससे बुनकरों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ उनकी आय में भी बढ़ोतरी हो सके। शासन द्वारा स्वीकृत धनराशि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पात्र लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के निर्देशानुसार योजना का लाभ पात्र एवं जरूरतमंद बुनकरों तक पारदर्शी ढंग से पहुंचाया जाए तथा लाभार्थियों को शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद में हथकरघा एवं पारंपरिक कारीगरी से जुड़े बुनकरों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

45 निर्माण श्रमिकों का पंजीकरण, तीन श्रमिकों को बकाया भुगतान

देवरिया। निर्माण श्रमिकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए श्रम विभाग ने 21 अगस्त को 45 श्रमिकों का पंजीकरण कराया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने श्रमिकों से यूपीबीओसीडब्ल्यू बोर्ड में पंजीकरण और नवीनीकरण कराने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बोर्ड की ओर से मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन, कन्या विवाह, मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता, गंभीर बीमारी सहायता और अटल आवासीय विद्यालय समेत कई योजनाएं संचालित हैं। विभाग ने भीखमपुरा के विजय कुमार चौहान को बकाया मजदूरी के 15,000 रुपये, भाटपाररानी की नीतू सिंह को 75,000 रुपये ग्रेच्युटी और उसरा बाजार की संध्या गोड़ को 10,088 रुपये बकाया वेतन दिलाकर शिकायतों का निस्तारण कराया। श्रमिक पंजीकरण के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक, पिछले एक वर्ष में कम से कम 90 दिन निर्माण कार्य करने का प्रमाण/स्वघोषणा और आधार से लिंक मोबाइल नंबर जरूरी है। एक वर्ष का पंजीकरण व अंशदान शुल्क 40, दो वर्ष का 60 और तीन वर्ष का 80 रुपये निर्धारित है।

यूपी-जापान साझेदारी में निवेश, रोबोटिक्स और कौशल विकास पर जोर

जापान के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने में यूपी निभाएगा अहम भूमिका : ब्रजेश पाठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स हॉल में शुक्रवार को आयोजित 'यूपी-जापान हेल्थकेयर एंड केयर इकॉनमी पार्टनरशिप' के क्षेत्रीय सत्र में उत्तर प्रदेश और जापान के बीच स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा, रोबोटिक्स, फार्मा, तकनीकी निवेश और कुशल मानव संसाधन के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, जापानी प्रतिनिधिमंडल और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि जापान तकनीक, गुणवत्ता और कार्यकुशलता के लिए जाना जाता है, जबकि उत्तर प्रदेश के पास विशाल युवा शक्ति और प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध है। दोनों की क्षमताओं को जोड़कर स्वास्थ्य सेवा और देखभाल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में प्रभावी मॉडल तैयार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों, नर्सिंग और पैरामेडिकल संस्थानों का विस्तार किया जा रहा है, जिससे भविष्य की स्वास्थ्य जरूरतों के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार हो रहा है। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि प्रदेश सरकार निवेश के साथ रोजगार सृजन को भी प्राथमिकता दे रही है। देश-विदेश में कुशल, अर्द्धकुशल और अकुशल मानव संसाधन की मांग को पूरा करने में उत्तर प्रदेश सक्षम है। उन्होंने कहा कि युवाओं को वैश्विक रोजगार बाजार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि जापान की तकनीक और उत्तर प्रदेश की युवा शक्ति का संगम विकास और रोजगार की नई संभावनाएं पैदा करेगा। उन्होंने बताया कि युवाओं को आधुनिक तकनीक के साथ विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि उन्हें देश-विदेश में बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने जापानी कंपनियों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिलाया। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित घोष ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में जापान के साथ सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। फार्मा, मेडिकल उपकरण, रोबोटिक्स और चिकित्सा तकनीक के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है। यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में मेडिकल उपकरण पार्क तथा करीब 400 एकड़ क्षेत्र में चिकित्सा तकनीक से जुड़े केंद्र के विकास की संभावनाएं तलाश की जा रही हैं। उन्होंने चिकित्सा महाविद्यालयों के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से जापानी निवेश की संभावनाएं भी बताईं। कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक का व्यापक नेटवर्क है। जापान की मांग के अनुरूप विशेष प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जा सकते हैं।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (SMS), लखनऊ द्वारा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत एक जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ, शांतिपूर्ण एवं नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) भरत राज सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), ने अतिथियों एवं उपस्थित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। बी.के. राधा दीदी ने अपने संबोधन में विशेष रूप से युवा पीढ़ी पर नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों, इसके कारण होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक समस्याओं तथा इससे बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को ध्यान का एक संक्षिप्त अभ्यास भी कराया, जिससे मानसिक शांति, एकाग्रता एवं सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव कराया गया। बी.के. राहुल ने योग एवं साधना के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा को सही दिशा में चैनलाइज करने के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि नियमित योग, ध्यान और आत्म-अनुशासन युवाओं को नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रखते हुए उनकी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाने में सहायक हो सकते हैं। कार्यक्रम में बी.के. डॉ. ए.पी. पाण्डेय एवं बी.के. मीनाक्षी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ नशामुक्त भारत की शपथ ग्रहण कराई। कार्यक्रम में डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, प्रो. मो0 हुसैन, डॉ. आशा कुलश्रेष्ठा, सुनित मिश्रा, सुजाता सिन्हा, डॉ. शोभना सिंह, सहित अनेक शिक्षकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 250 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और नशामुक्त, स्वस्थ एवं सकारात्मक भारत के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संदेश स्पष्ट था कि युवाओं की जागरूकता, आत्म-अनुशासन, योग एवं ध्यान के माध्यम से ही नशामुक्त और स्वस्थ समाज की मजबूत नींव रखी जा सकती है।

जितेन्द्र सिंह यादव 'अतुल' बने सपा के जिला उपाध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की अनुमति तथा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के अनुमोदन पर समेसी निवासी जितेन्द्र सिंह यादव 'अतुल' को लखनऊ जिला समाजवादी पार्टी का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। पार्टी जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' की ओर से जारी मनोनयन पत्र में उम्मीद जताई गई है कि जितेन्द्र सिंह यादव के जिला उपाध्यक्ष बनने से संगठन को और मजबूती मिलेगी। वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सिद्धांतों, नीतियों, विचारों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। जितेन्द्र सिंह यादव 'अतुल' के मनोनयन पर सपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उन्हें बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व और सक्रियता से पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिलेगी।

दरगाह हजरत छोटे मखदूम साहब में 455 वा चार दिवसीय उर्स संपन्न

इंसानियत से बड़ा न कोई धर्म और न कोई मज़हबः- सैय्यद मदनी मियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। स्थानीय दरगाह हजरत छोटे मखदूम साहब में चल रहे चार दिवसीय उर्स के चौथे और अंतिम दिन मखदूम सैय्यद निजामुद्दीन अला दिया अलैहिर्रहमा का 455 वा कुल शरीफ संपन्न हुआ इससे पूर्व सुबह गुसल मजार शरीफ़ तथा मीलाद भी हुआ जिसमे मौलाना अनवार ने संबोधित किया। इसके बाद मखदूम सैय्यद निजामुद्दीन अला दिया उर्फ़ छोटे मखदूम साहब अलैहिररहमा का 455 वें वार्षिक उर्स का कार्यक्रम समाप्त हो गए। जिसमें गुफरान, फ़रीद ,शबीह, शाहिद,इमरान आदि कव्वालों ने सूफियाना कलाम पेश किया बजे सांय काल कुल शरीफ हुआ। इन तमाम अवसरो पर सज्जादा नशीन सैय्यद अजीजुल हसन रिजवी उर्फ मदनी मियां ने कहा कि हमें अपने किरदार को बुलन्द करना होगा आपस में प्यार मोहब्बत से रहकर इंसानियत के साथ एक दूसरे से पेश आना होगा क्योंकि इंसानियत से बढ़ कर कोई न धर्म है न कोई मज़हब। कुल के अवसर पर उपस्थित सज्जादगान में सैय्यद अजीजुल हसन रिजवी मदनी मियां , मझगवा शरीफ के सैय्यद आतिफ अली दानिशी, शेख राशिद अली मीनाई लखनऊ, नजमुल हसन शोएब मियां, नवाज़िश मोहम्मद फारूकी समदी मियां सफीपुर, हाजी सैय्यद फुरकान वहीद हाशमी , सैय्यद गयास मियां, हाजी सैय्यद सूफी इजहार अली,सैय्यद लायक़ मियां,सैय्यद लईक अहमद किरमानी, मुमताज़ मियां, सैय्यद इमरान अहमद रिज़वी, डॉक्टर सैय्यद रेहान रिज़वी, मुतवल्ली दरगाह रहीमाबाद डॉक्टर सैय्यद आसिफ अली, बिलग्राम शरीफ के सज्जादा नशीन अफसर मियां इसके अलावा, इमरान सिद्दीकी, सैय्यद फरजान मियां, कारी इस्लाम अहमद आरफी फ़ाज़िले खैराबाद, सादी फारूकी, सैय्यद फरहान मियां सैय्यद नवेद असलम हाशमी,सैय्यद फरमान मियां,हाजी सैय्यद इश्तियाक अली वारसी,हाफिज निजामुद्दीन खुसरो, हाफिज अरसलान हसनी,हमजा सिद्दीकी, सैय्यद गुफरान रिजवी, सैय्यद कामरान रिज़वी, शेरा भाई मुम्बई मोहम्मद जुनेद, अंसार मियां, हाफ़िज़ सैय्यद ताहिर किरमानी,आदि मौजूद थे। अन्त में मदनी मियां ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

नेपाल में साहित्यकार संदीप सरस को मिला 'अवधी रत्न शिरोमणि सम्मान 2026'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर। नेपाल की प्रतिष्ठित संस्था अवधी साँस्कृतिक प्रतिष्ठान द्वारा नेपालगंज के सोनाखरी रेस्टोरेंट प्रा. लि. के सभागार में तुलसी जयंती पर आयोजित अवधी दिवस महोत्सव में साहित्यकार संदीप मिश्र सरस को अवधी रत्न शिरोमणि सम्मान 2026 प्रदान किया गया। यह सम्मान उक्त समारोह में मुख्य अतिथि यातायात मंत्री भंडारी लाल यादव, अवधी साँस्कृतिक प्रतिष्ठान के अध्यक्ष विष्णु कुमार कुमाल द्वारा प्रदान किया गया। संदीप सरस ने उक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की। इसके साथ-साथ विमल विष्णु अवधी सेवा सम्मान 2026 भी आपको प्रदान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार सनत रेगमी, जीनुल हक, वीरेंद्र यादव, सुशीला वैश्य, कल्पना पौडेल, हरि तिमिलसिना, इंद्र बहादुर इंद्रेश, मिथिलेश जायसवाल आदि उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि 'साहित्य सृजन संस्थान' के संस्थापक/अध्यक्ष संदीप 'सरस', साहित्य की विभिन्न विधाओं में अपने लेखन से निरंतर सक्रिय अवदान देते रहे हैं और साहित्यिक पत्रकारिता के क्रम में डिजिटल पत्रिका 'सृजन के सारथी' का निरंतर प्रकाशन कर रहे हैं और अपने चर्चित कॉलम 'विमर्श', 'संवाद', 'बेबाक', 'कलमकार', 'रचनाकार', आदि के माध्यम से तमाम प्रतिष्ठित साहित्यकारों, नवोदित प्रतिभाओं से संवाद करते रहते हैं। उनकी पुस्तक 'कुछ ग़ज़लें कुछ गीत हमारे' बेहद सराही गयी और कई महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशन के क्रम में हैं। देश की तमाम प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में उनकी रचनाएं प्रकाशित होती रहती है। न्यूज18, आकाशवाणी व दूरदर्शन लखनऊ से उनके काव्य पाठ का प्रसारण होता रहता है। विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा सैकड़ो महत्वपूर्ण सम्मान उन्हें प्राप्त हो चुके हैं।

वे बिसवां क्षेत्र की बौद्धिक समृद्धता के लिए साहित्य सृजन संस्थान द्वारा बिसवां में सृजन पुस्तकालय की स्थापना करके साहित्यिक, शैक्षिक, सामाजिक सरोकारों के लिए समर्पित रहते हैं। उनके लेखन में एक और राष्ट्रवादी चेतना के समसामयिक स्वर हैं वहीं दूसरी ओर घर आंगन के रिश्तो की आत्मीयता और सभ्यता संस्कृति की संवेदना से जुड़ा प्रभावी सृजन है। वे अपनी रचनाधर्मिता में जन सरोकारों से सीधा संवाद करते हैं और रचनाओं में ग्राम्य संस्कृति, पर्यावरण, जन जागरूकता के संदर्भों की चेतना सदैव जीवंत रहती है। उनकी इस उपलब्धि पर बिसवां, सीतापुर के तमाम कवि/साहित्यकारों, शिक्षाविदों, पत्रकारों, बुद्धिजीवी वर्ग और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया।

कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि, लेबर कॉलोनी में पीसीटीएस का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल, पद्म विभूषण श्रद्धेय कल्याण सिंह 'बाबूजी' की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर निगम मुख्यालय लालबाग के सामने स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कल्याण सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन राष्ट्र, समाज और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार, आदर्श और जनसेवा की भावना सदैव समाज को प्रेरणा देती रहेगी। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने भी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। महापौर सुषमा खर्कवाल ने शुक्रवार को जोन-2 के लेबर कॉलोनी वार्ड स्थित अलीतरंग में नगर निगम की कार्यदायी संस्था लायन एनवायरो द्वारा स्थापित पोर्टेबल कंपैक्टर ट्रांसफर स्टेशन (पीसीटीएस) का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पीसीटीएस और एफसीटीएस के निर्माण से शहर में कचरा संग्रहण, संपीड़न और परिवहन व्यवस्था अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी होगी। नगर निगम की ओर से शहर में कुल 52 पीसीटीएस/एफसीटीएस बनाए जा रहे हैं, जिनमें 26 केंद्रों का निर्माण पूरा हो चुका है। महापौर ने कहा कि आधुनिक तकनीक और बेहतर संसाधनों के माध्यम से स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिससे शहरवासियों को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण मिल सके। इस अवसर पर नगर आयुक्त गौरव कुमार, पार्षद अजय दीक्षित व गौरी सांवरिया, अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, जोनल अधिकारी मनोज यादव, पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान, जोनल सेनेटरी अधिकारी राम सकल यादव तथा लायन एनवायरो के एमडी रणधीर सिंह सहित नगर निगम और संस्था के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पीडीए को एकजुट कर 2027 में अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाना है: राजपाल कश्यप

........सपा की पीडीए चौपाल में भाजपा सरकार पर निशाना, कार्यकर्ताओं से मतभेद भुलाकर संगठन मजबूत करने की अपील।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के शेखनापुर गांव में गुरुवार को समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की ओर से पीडीए चौपाल आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी डॉ. राजपाल कश्यप रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर मौजूद रहे। पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने भाजपा सरकार पर पिछड़ों, दलितों, किसानों, मजदूरों और बेरोजगारों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 2027 में अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनाना है। डॉ. राजपाल कश्यप ने कहा कि भाजपा सरकार ने हर वर्ग को ठगने का काम किया है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जनता परेशान है। उन्होंने पीडीए को एकजुट होकर वर्ष 2027 में सपा को भारी बहुमत दिलाने का आह्वान किया। साथ ही संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। चौपाल की अध्यक्षता सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने की। संचालन जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ मनोज कुमार पाल ने किया। आयोजक ब्लॉक अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ वीरेंद्र कुमार यादव समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

एटीएम लूट की कोशिश में पुलिस की सतर्कता से एक बदमाश दबोचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कस्बे में मौरांवा रोड स्थित इंडिया वन एटीएम को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे बदमाशों की साजिश पुलिस की सतर्कता से नाकाम हो गई। गश्त के दौरान एटीएम के पास संदिग्ध कार देखकर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस को देखते ही कार के पास मौजूद दो युवक भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर एक युवक को दबोच लिया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज राम बाबू सिंह पुलिस टीम के साथ शुक्रवार को क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान कस्बे में एटीएम के पास एक संदिग्ध कार खड़ी दिखाई दी। शक होने पर कस्बा चौकी प्रभारी अतुल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कार की जांच शुरू की। पुलिस की कार्रवाई देख वहां मौजूद दोनों युवक भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर एक युवक को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, बदमाशों ने एटीएम मशीन की स्क्रीन, कीपैड, कार्ड रीडर समेत अन्य पुर्जों को क्षतिग्रस्त कर दिया था। इसके अलावा एटीएम में लगा कैमरा भी चोरी कर लिया गया। पकड़े गए युवक से पुलिस उसके फरार साथी और घटना में शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है। घटना के संबंध में इंडिया वन एटीएम के फ्रेंचाइजी पार्टनर राहुल गुप्ता की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। वहीं फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

त्योहारों पर सौहार्द बनाए रखने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां(सीतापुर)। आगामी रक्षाबंधन एवं बारावफात पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को सदरपुर थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने की। इसमें क्षेत्र के धर्मगुरुओं के साथ बारावफात पर्व मनाने वाले लोग शामिल हुए। क्षेत्राधिकारी ने कहा कि सभी पर्व आपसी भाईचारे और प्रेम का संदेश देते हैं। लोगों से त्योहार खुशी और मिल-जुलकर मनाने तथा ऐसी किसी गतिविधि से बचने की अपील की, जिससे किसी समुदाय की भावनाएं आहत हों। थानाध्यक्ष आशुतोष मिश्र ने कहा कि जुलूस निर्धारित मार्ग से ही निकाले जाएं और कोई नई परंपरा शुरू न की जाए। उन्होंने डीजे ट्रालियों और झंडों में लगे स्टील व बांस की ऊंचाई का विशेष ध्यान रखने को कहा, ताकि बिजली के तारों से दुर्घटना न हो। बैठक में दर्जनों लोग मौजूद रहे।

सड़क निर्माण की मांग पर किसानों का धरना तीसरे दिन भी जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ । नगराम क्षेत्र की जर्जर सड़कों के निर्माण और डामरीकरण की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के बैनर तले किसानों का धरना शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। किसानों से वार्ता करने पीडब्ल्यूडी, वन विभाग और राजस्व विभाग की टीम धरना स्थल पर पहुंची। अधिकारियों ने पहले तीनों मार्गों की पैमाइश कराई, इसके बाद किसानों से वार्ता की, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। किसानों ने स्पष्ट कर दिया कि सड़कों पर काम शुरू होने तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता सूर्य मनी मिश्रा, अरविंद कुमार मांझी, अवर अभियंता संजय कुमार सर्वेयर के साथ तथा वन विभाग के सहायक अभियंता देवेश कुमार अपनी टीम के साथ नायब तहसीलदार, कानूनगो और लेखपाल के साथ धरना स्थल पर पहुंचे। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रताप बहादुर ने अधिकारियों से पहले सड़कों की पैमाइश कराने की मांग रखी। इसके बाद टीम ने कुबहरा से कमलापुर-विचिलखा मार्ग की नाप शुरू की। पैमाइश पूरी होने के बाद अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे तो संगठन के प्रदेश महासचिव दिनेश यादव ने दो अन्य मार्गों की भी नाप कराने की मांग रखी। इसके बाद टिकरा चौराहे से नेवाजखेड़ा खड़ंजा मार्ग और देवीखेड़ा पुलिस चौकी से रामबक्सखेड़ा मार्ग की भी पैमाइश कराई गई। तीनों मार्गों की नाप पूरी होने के बाद पीडब्ल्यूडी, वन विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने किसानों के साथ वार्ता की। किसानों ने सड़क निर्माण में आ रही विभागीय अड़चनों को लेकर अधिकारियों से जवाब मांगा। वन विभाग की ओर से अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) जारी करने को लेकर भी चर्चा हुई। संगठन के मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह ने कहा कि धरने के पहले दिन वन विभाग के अधिकारियों ने एक सप्ताह के भीतर एनओसी जारी कराने का आश्वासन दिया था। इस पर सहायक वन अधिकारी ने किसानों को भरोसा दिलाया कि हर हाल में एक सप्ताह के भीतर एनओसी जारी कराने की कार्रवाई की जाएगी। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने कहा कि वन विभाग की अनुमति मिलते ही तीनों सड़कों का स्टीमेट तैयार कराकर जल्द डामरीकरण कराया जाएगा। अधिकारियों ने किसानों से धरना समाप्त करने की अपील की, लेकिन किसानों ने इसे स्वीकार नहीं किया। किसानों ने कहा कि वर्षों से खराब पड़ी सड़कों के लिए केवल आश्वासन काफी नहीं है। जब तक मौके पर डामरीकरण का काम शुरू नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इसके बाद वार्ता बेनतीजा रही और किसानों ने धरना जारी रखने का निर्णय लिया। धरने में प्रदेश अध्यक्ष प्रताप बहादुर, प्रदेश महासचिव दिनेश यादव, मंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव, जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार, जिला उपाध्यक्ष रामकुमार, साहबदीन फौजी, रामप्रसाद फौजी, सुरेंद्र कुमार यादव, अरविंद कुमार, रामकुमार प्रधान पति, केशवराम लोधी, रामकिशोर, रामपाल राजपूत, पुनवासी, शिवराज सिंह और राजलाल समेत सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

डॉन बॉस्को बाल गृह से दो नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के अतरौली स्थित डॉन बॉस्को आशालयम बाल गृह से दो नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। दोनों बुधवार तड़के करीब तीन बजे बिना किसी को बताए आशालयम से निकल गए। काफी तलाश के बाद भी सुराग नहीं मिलने पर अहमदपुर खालसा निवासी दुर्गेश कुमार ने मोहनलालगंज थाने में तहरीर देकर दोनों की तलाश कराने की गुहार लगाई है। बताया गया कि लापता किशोरों में 14 वर्षीय रोमांश का स्थायी पता जलालपुर, रुदौली, अयोध्या और 13 वर्षीय मंथन उर्फ शिवा का पता सदर कॉलोनी, शिव मंदिर, टोता चौक, सहारनपुर है। दोनों वर्तमान में डॉन बॉस्को आशालयम में रह रहे थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू कर दी है। आशालयम परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दोनों किस दिशा में गए और क्या उनके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी था।

संपादकीय

हेल्थकेयर की चुनौतियां

यह विडंबना ही है कि देश में कभी भी सत्ताधीशों की प्राथमिकता सरकारी चिकित्सा-तंत्र को सक्षम बनाने की नहीं रही है। किसी भी चुनाव में स्वास्थ्य सुविधाओं को समृद्ध बनाना राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल नहीं रहा। जनता भी हर आम परिवार से जुड़े सेहत के मुद्दे को जोर-शोर से उठाने में चूकती रही है। यही वजह है कि आज भी कुल मिलाकर देश के करोड़ों लोगों के लिये सस्ती व पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच से बाहर हैं। अपने परिजनों के गंभीर रोगों के उपचार के लिये क्षमता से अधिक पैसा जुटाने के फेर में हजारों परिवार हर साल गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। यह गंभीर स्थिति सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में हेल्थकेयर पर बनी संसदीय समिति की हालिया रिपोर्ट साफ तौर पर दर्शाती है। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस के 2025 के सर्वे का हवाला देते हुए संसदीय समिति ने पाया है कि सरकारी सुविधाओं में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीज का औसत खर्च 6,631 रुपये है, जबकि प्राइवेट में यह खर्च 50,508 रुपये है। निजी अस्पताल में होने वाला यह औसत खर्च सरकारी अस्पताल में होने वाले खर्च के मुकाबले सात गुना से भी अधिक है। जो चिकित्सा सुविधाओं में व्याप्त व्यापक विसंगतियों को ही दर्शाता है। यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है कि निजी अस्पताल अब साठ फीसदी से ज्यादा मरीजों को अस्पताल में भर्ती करते हैं और 70 फीसदी आउट पेशेंट की देखभाल करते हैं। विडंबना यह है कि सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं का अभाव लगातार बना रहता है। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी मरीज महसूस करते हैं। सरकारी अस्पताल की सुविधाओं में बेड, उपकरण, दवाइयां और कुशल स्टाफ की कमी देखी जाती है। मरीज को भरोसा नहीं होता है कि उसे जरूरी इलाज सरकारी अस्पताल में मिल भी पायेगा। एक संकट यह भी है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों का दबाव बहुत ज्यादा होता है। उसके मुकाबले चिकित्सक उपलब्ध नहीं होते हैं। वहीं दूसरी ओर निजी अस्पतालों में चिकित्सकों की अच्छी आय और निजी प्रैक्टिस का सम्मोहन भी योग्य डाक्टरों को सरकारी अस्पतालों से विमुख बनाता है। यही वजह है कि पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में मरीजों को निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिये बाध्य होना पड़ता है। दरअसल, उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता, अब चाहे उनकी पैसा देने की क्षमता हो या न हो। लोगों की चिकित्सा इमरजेंसी की चिंता की वजह से स्वास्थ्य बीमा का बड़ा कारोबार देश में फल-फूल रहा है। जिसमें मरीजों को कम व बीमा कंपनियों और निजी अस्पतालों को ज्यादा मुनाफा हो रहा है। यही वजह है कि आज हेल्थकेयर सिस्टम में इलाज की सुविधा परिवार की आमदनी पर बहुत ज्यादा निर्भर हो जाती है। इसके चलते ही संसदीय पैनल की यह बात खास तौर पर चिंताजनक है कि अस्पताल में भर्ती होने का औसत बिल 37,858 है, जिसमें से मरीज अपनी जेब से लगभग 34,064 रुपये खर्च करते हैं। हालांकि, कुल बिल में अपनी जेब से होने वाला खर्च 2014 के 62.6 फीसदी से घटकर 2022-23 में 43.4 फीसदी हो गया है। इसके बावजूद 10-13 फीसदी की मेडिकल महंगाई का असर परिवारों के बजट पर अब भी पड़ रहा है। लेकिन सरकारी सुविधाओं में आ रही गिरावट को टाला न जा सकने वाला मान लेना भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। शासन-प्रशासन की प्राथमिकता सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की होनी चाहिए। निस्संदेह, संसदीय समिति की सिफारिशें सही दिशा की ओर संकेत देती हैं। इसमें छोटे और ग्रामीण अस्पतालों के लिये लक्षित सहायता, पारदर्शी इलाज पैकेज, बीमा दरों की समय-समय पर समीक्षा, मध्यम आय वाले वर्ग के लिये किफायती बीमा सुविधा, जेनेरिक दवाइयों तक मरीजों की व्यापक पहुंच बनाने तथा शहरों से परे मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया गया है। सही मायने में देश की स्वास्थ्य सेवा संबंधी महत्वाकांक्षाओं को केवल उसके चिकित्सा बाजार के आकार से नहीं मापा जाना चाहिए। साल 2030 तक 202.5 अरब डॉलर तक पहुंचने के अनुमानित क्षेत्र को यह भी साबित करना होगा कि देश में लाखों परिवारों को कर्ज की दलदल में धकेले बिना भी गुणवत्ता का इलाज उपलब्ध है।

बात-बात पर आता है गुस्सा तो करें भ्रामरी प्राणायाम, मन रहेगा शांत

काम का दबाव, भागदौड़, नींद की कमी और छोटी-छोटी बातों को लेकर चिंता का असर व्यक्ति के मूड पर पड़ सकता है। कई बार मामूली बात पर भी अचानक गुस्सा बढ़ जाता है और बाद में व्यक्ति को अपनी प्रतिक्रिया पर पछतावा होता है। ऐसे में भ्रामरी प्राणायाम मन को शांत और स्थिर करने में सहायक हो सकता है। भ्रामरी प्राणायाम में सांस छोड़ते समय भौंरे जैसी गुनगुनाहट की आवाज निकाली जाती है। अभ्यास के दौरान सांस और आवाज पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे मन को परेशान करने वाले विचारों से हटाकर कुछ समय के लिए भीतर की ओर केंद्रित करने में मदद मिल सकती है। गुस्सा आने पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय कुछ देर शांत बैठकर गहरी सांस लेने और भ्रामरी का अभ्यास करने से व्यक्ति को अपनी भावनाओं पर ठहरकर विचार करने का अवसर मिल सकता है। किसी शांत और आरामदायक स्थान पर सुखासन में बैठें। कमर और गर्दन सीधी रखें। दोनों अंगूठों से कान बंद करें और हाथों की अन्य उंगलियों को आंखों तथा माथे के पास आराम से रखें। नाक से लंबी और गहरी सांस लें। इसके बाद धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए भौंरे जैसी 'हम्म...' की गूंज पैदा करें। इस दौरान अपना ध्यान सांस और आवाज पर रखें। अपनी क्षमता के अनुसार इसे कुछ बार दोहराया जा सकता है। नियमित योग दिनचर्या में भ्रामरी को शामिल करने से तनाव और चिंता कम करने, मन को शांत रखने तथा एकाग्रता और विचारों में स्पष्टता लाने में मदद मिल सकती है।

मेष: आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ: कामकाज में सफलता के योग हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। संपत्ति से जुड़े मामलों में लाभ की संभावना है। रिश्तों में मधुरता रहेगी।

मिथुन: पुराने काम पूरे करने का अवसर मिलेगा। आपकी बुद्धि और संवाद क्षमता से लाभ होगा। व्यापार में नई संभावनाएं बन सकती हैं। खर्च पर नियंत्रण रखें।

कर्क: रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। किसी पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें।

सिंह: आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा। कार्यक्षेत्र में पहचान और सम्मान मिल सकता है। नई जिम्मेदारी या अवसर सामने आ सकता है। आत्मविश्वास बनाए रखें।

कन्या: कामकाज में व्यस्तता रहेगी। किसी पुराने विवाद को बातचीत से सुलझाने का प्रयास करें। धन के मामले में सावधानी बरतें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

तुला: सामाजिक संपर्क बढ़ेंगे और नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। कार्यक्षेत्र में लाभ के अवसर मिलेंगे। परिवार के साथ सुखद समय बीतेगा।

वृश्चिक: आज धैर्य से काम लेना जरूरी है। नौकरी और व्यापार में परिस्थितियां आपके पक्ष में आ सकती हैं। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें।

धनु: भाग्य का साथ मिल सकता है। कामकाज में सफलता और आय के नए अवसर मिलने के योग हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। यात्रा लाभदायक हो सकती है।

मकर: कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी। उधार देने या लेने में सावधानी बरतें।

कुंभ: नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। नौकरी और व्यापार में प्रगति के अवसर मिलेंगे। अनावश्यक खर्च से बचें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन: रुके हुए कार्यों में गति आएगी। धन और संपत्ति से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। अपनी योजनाएं सोच-समझकर आगे बढ़ाएं।

जलभराव, अराजकता और भ्रष्टाचार की जकड़ में शहर: घूसखोरी पर चल रहा तांडव

राजीव शुक्ला -(संपादक)

बारिश का मौसम आते ही शहरों की चमक-दमक पर एक ऐसा पर्दा पड़ जाता है, जिसके पीछे विकास के दावों की असली तस्वीर दिखाई देने लगती है। सड़कें पानी में डूब जाती हैं, गलियां नालों में बदल जाती हैं, यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है और आम आदमी अपने ही शहर में रास्ता तलाशता नजर आता है। लेकिन सवाल केवल जलभराव का नहीं है। सवाल उस पूरी व्यवस्था का है, जिसमें जलनिकासी से लेकर सड़क निर्माण, नालों की सफाई, अतिक्रमण हटाने और विकास कार्यों तक हर स्तर पर जवाबदेही का संकट दिखाई देता है। जब बारिश का पानी घंटों और कई बार दिनों तक सड़कों पर जमा रहता है तो इसे केवल प्राकृतिक आपदा कहकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। बारिश प्रकृति की देन है, लेकिन पानी कहां जमा होगा और कितनी देर में निकलेगा, यह काफी हद तक प्रशासनिक व्यवस्था और शहरी नियोजन पर निर्भर करता है। जिस शहर में हर वर्ष जलभराव होता है, वहां हर वर्ष केवल बारिश को दोष देना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि समस्या से आंखें मूंदना है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब पैदा होती है जब अव्यवस्था के साथ भ्रष्टाचार और घूसखोरी की शिकायतें भी जुड़ जाती हैं। नालों की सफाई कागजों पर पूरी हो जाती है, लेकिन जमीन पर गंदगी और सिल्ट जस की तस दिखाई देती है। सड़क बनती है, कुछ समय बाद टूट जाती है। नाली बनती है तो उसका पानी मुख्य निकासी व्यवस्था से जुड़ा नहीं होता। कहीं नाली पर अतिक्रमण है तो कहीं प्राकृतिक जलमार्ग ही निर्माण की भेंट चढ़ चुका है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर विकास के नाम पर खर्च होने वाला पैसा जमीन पर कितना दिखाई देता है? कागजों में सफाई, जमीन पर गंदगी शहरों में जलभराव रोकने के लिए वर्षा से पहले नालों की सफाई का अभियान चलाया जाता है। बैठकों में लक्ष्य तय होते हैं, अधिकारियों को निर्देश दिए जाते हैं और प्रगति रिपोर्ट तैयार होती है। लेकिन पहली तेज बारिश के बाद जब वही नाले उफनने लगते हैं तो सारी तैयारियों की पोल खुल जाती है। यदि नालों की सफाई वास्तव में हुई थी तो थोड़ी बारिश में ही पानी सड़कों पर क्यों भर जाता है? यदि सफाई के लिए बजट खर्च हुआ तो उसका परिणाम दिखाई क्यों नहीं देता? और यदि किसी कार्य में लापरवाही हुई तो जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? इन सवालों के जवाब केवल फाइलों में नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने चाहिए।

जलभराव केवल पानी नहीं, व्यवस्था का आईना है

जलभराव के कारण सबसे अधिक परेशानी आम नागरिक को उठानी पड़ती है। घरों में पानी घुसता है, दुकानों का कारोबार प्रभावित होता है, वाहन खराब होते हैं, स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। सड़क पर गड्ढा हो और उसमें पानी भर जाए तो दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। यह स्थिति शहर की आर्थिक

> **जब बारिश का पानी घंटों और कई बार दिनों तक सड़कों पर जमा रहता है तो इसे केवल प्राकृतिक आपदा कहकर जिमेदारी से बचा नहीं जा सकता। बारिश प्रकृति की देन है, लेकिन पानी कहां जमा होगा और कितनी देर में निकलेगा, यह काफी हद तक प्रशासनिक व्यवस्था और शहरी नियोजन पर निर्भर करता है। जिस शहर में हर वर्ष जलभराव होता है, वहां हर वर्ष केवल बारिश को दोष देना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि समस्या से आंखें मूंदना है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब पैदा होती है जब अव्यवस्था के साथ भ्रष्टाचार और घूसखोरी की शिकायतें भी जुड़ जाती हैं। नालों की सफाई कागजों पर पूरी हो जाती है, लेकिन जमीन पर गंदगी और सिल्ट जस की तस दिखाई देती है। सड़क बनती है, कुछ समय बाद टूट जाती है। नाली बनती है तो उसका पानी मुय निकासी व्यवस्था से जुड़ा नहीं होता।**

गतिविधियों को भी प्रभावित करती है। कुछ घंटों का जलभराव कई छोटे दुकानदारों के पूरे दिन का कारोबार चौपट कर देता है। दिहाड़ी मजदूर काम पर नहीं पहुंच पाता। मरीज अस्पताल तक पहुंचने में परेशान होते हैं। एंबुलेंस तक को रास्ता बदलना पड़ता है। भ्रष्टाचार की जड़ें कहां तक हैं? भ्रष्टाचार का आरोप लगाना आसान है, लेकिन किसी व्यक्ति या विभाग पर बिना प्रमाण आरोप लगाना उचित नहीं। फिर भी व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी और ठेकों तथा निर्माण कार्यों की निगरानी का कमजोर होना भ्रष्टाचार की संभावनाओं को बढ़ाता है। जहां काम की गुणवत्ता की स्वतंत्र जांच नहीं होती, वहां कागज और जमीन के बीच अंतर पैदा होने का खतरा रहता है। यदि नाले की सफाई का भुगतान हो गया, लेकिन मौके पर सफाई अधूरी थी, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि गंभीर वित्तीय अनियमितता का विषय बन सकता है। इसी तरह सड़क निर्माण में निर्धारित गुणवत्ता का पालन न होने, घटिया सामग्री इस्तेमाल होने या एक ही सड़क की बार-बार मरम्मत पर सरकारी धन खर्च होने के मामलों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

जनता को यह जानने का अधिकार है कि उसके शहर में किस काम के लिए कितना पैसा स्वीकृत हुआ, किस एजेंसी को काम मिला, काम कब पूरा होना था और उसकी गुणवत्ता की जांच किसने की।

आम आदमी की सबसे बड़ी शिकायत यह होती है कि उसे सरकारी काम के लिए भी व्यवस्था के सामने बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। यदि किसी प्रमाणपत्र, शिकायत, निर्माण अनुमति, सफाई, अतिक्रमण या अन्य नागरिक सुविधा के लिए रिश्वत की मांग की जाती है तो यह केवल एक व्यक्ति का शोषण नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र में विश्वास को कमजोर करने वाली घटना है। घूसखोरी का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि इससे ईमानदार नागरिक भी निराश होने लगता है। उसे लगने लगता है कि बिना पैसे दिए काम नहीं होगा। यही मानसिकता भ्रष्ट व्यवस्था को मजबूत करती है। इस चक्र को तोड़ने के लिए शिकायतों की स्वतंत्र जांच, डिजिटल ट्रैकिंग, समयबद्ध निस्तारण और दोषी पाए जाने पर वास्तविक कार्रवाई जरूरी है। अराजकता को सामान्य मान लेना सबसे बड़ा खतरा आज समस्या केवल यह नहीं कि सड़क पर पानी भरता है। समस्या यह है कि समाज धीरे-धीरे इस अव्यवस्था को सामान्य मानने लगा है।

भू-स्थानिक तकनीक से बुंदेलखंड और घाघरा क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई दिशा

बदलती जलवायु, प्राकृतिक आपदाओं और तेजी से बदलते भू-उपयोग के दौर में किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों और भौगोलिक परिस्थितियों की सटीक जानकारी अत्यंत आवश्यक हो गई है। नदियों के बदलते प्रवाह से लेकर भू-आकृतियों, जल निकासी, भूजल संभावनाओं और भूमि की संरचना तक, प्रत्येक घटक का वैज्ञानिक अध्ययन भविष्य की विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी और टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का वैज्ञानिक मानचित्रण और अध्ययन कर रहा है। प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (आरसैक-यूपी) द्वारा घाघरा नदी की भू-आकृतिक गतिशीलता का व्यापक अध्ययन किया जा रहा है। वहीं बुंदेलखंड के झांसी, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर, फतेहपुर और जालौन जनपदों में जियोमॉर्फोलॉजी एवं लिनियामेंट मैपिंग का कार्य प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन और भविष्य की विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रहा है। इन दोनों परियोजनाओं में उपग्रह आंकड़ों, भू-स्थानिक सूचना प्रणाली, क्षेत्रीय सर्वेक्षण तथा आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। घाघरा उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण नदियों में से एक है, जिसका प्रवाह और स्वरूप समय के साथ निरंतर बदलता रहा है। नदी के बहाव मार्ग में परिवर्तन, तटों का कटाव, जल निकासी तथा बाढ़ की स्थिति आसपास के क्षेत्रों के जनजीवन और कृषि भूमि को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में नदी के वर्तमान व्यवहार के साथ उसके संभावित भविष्य के स्वरूप को समझना प्रभावी नदी प्रबंधन और आपदा न्यूनीकरण के लिए आवश्यक है। इसी उद्देश्य से आरसैक-यूपी द्वारा बहराइच से बलिया तक फैले घाघरा नदी उप-बेसिन की विस्तृत वैज्ञानिक समीक्षा की जा रही है। परियोजना के अंतर्गत ड्रेनेज, जियोमॉर्फोलॉजी, ढाल, वर्षाजल अपवाह, पैलियो ड्रेनेज और भूमि उपयोग जैसे विभिन्न भू-स्थानिक आंकड़ों का एकीकृत अध्ययन किया गया है। इससे नदी और उसके आसपास के भू-भाग के बीच संबंधों को अधिक स्पष्टता से समझने में सहायता मिल रही है। अध्ययन में आंकड़ों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए वेक्टर डेटा को रास्टर प्रारूप में परिवर्तित कर उसका गुणवत्ता परीक्षण एवं पुन: एकीकरण किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2025 में प्री-मानसून और पोस्ट-मानसून अवधि के दौरान क्षेत्रीय सर्वेक्षण किए गए, ताकि उपग्रह से प्राप्त जानकारी का जमीनी स्तर पर सत्यापन किया जा सके। घाघरा नदी के बदलते स्वरूप को समझने के लिए केवल वर्तमान स्थिति का अध्ययन पर्याप्त नहीं था। इसलिए परियोजना में वर्ष 1975 के सर्वे ऑफ इंडिया टोपोग्राफिकल शीट के साथ विभिन्न वर्षों के प्री-मानसून एवं पोस्ट-मानसून उपग्रह चित्रों का उपयोग भी किया गया। इन आंकड़ों के तुलनात्मक अध्ययन से नदी के चौनल में समय के साथ हुए बदलावों की पहचान की गई। अध्ययन को अधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक बनाने के लिए नदी क्षेत्र को छह उप-सेक्टरों में विभाजित किया गया। प्रत्येक उप-सेक्टर में नदी के बहाव, भू-आकृतिक परिवर्तन और संबंधित परिस्थितियों का अलग-अलग विश्लेषण किया गया। इस प्रकार तैयार किया गया वैज्ञानिक डेटाबेस भविष्य में नदी के व्यवहार को समझने के साथ-साथ संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान में भी उपयोगी साबित हो सकता है। इससे तट संरक्षण, बाढ़ प्रबंधन, भूमि उपयोग नियोजन और विकास परियोजनाओं की बेहतर योजना तैयार करने में सहायता मिलेगी। घाघरा नदी अध्ययन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग है। परियोजना में रैंडम फॉरेस्ट (आरएफ) तथा लॉन्ग शॉर्ट टर्म मेमोरी (एलएसटीएम) जैसे मॉडल का इस्तेमाल कर नदी के संभावित भविष्य के बहाव मार्गों का पूर्वानुमान तैयार किया गया है। यह तकनीक नदी के अतीत और वर्तमान व्यवहार से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर भविष्य में संभावित परिवर्तन को समझने में मदद करती है। इससे उन क्षेत्रों की पहचान करना आसान होगा, जहाँ भविष्य में बाढ़ या नदी के बहाव में बदलाव का जोखिम अधिक हो सकता है। परियोजना का वित्तपोषण अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, अहमदाबाद द्वारा किया जा रहा है। परियोजना की प्रगति और प्राप्त निष्कर्षों का संबंधित विशेषज्ञों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया है तथा इसके आधार पर तकनीकी प्रतिवेदन भी तैयार किया गया है। घाघरा नदी अध्ययन के समान ही बुंदेलखंड क्षेत्र में भी आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों और भू-वैज्ञानिक संरचनाओं का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। बुंदेलखंड लंबे समय से जल संकट, भूजल की उपलब्धता और प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग जैसी चुनौतियों से जुड़ा क्षेत्र रहा है। ऐसे में यहां विकास योजनाओं को वैज्ञानिक आंकड़ों पर आधारित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा झांसी, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर, फतेहपुर एवं जालौन जनपदों में नक्शे पर 1:25000 के पैमाने पर जियोमॉर्फोलॉजी एवं लिनियामेंट मैपिंग का कार्य कराया जा रहा है। इस परियोजना में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), उत्तरी क्षेत्र, लखनऊ का तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है। उच्च गुणवत्ता वाले लिस्स-4 (स्ै-प्ट) उपग्रह डेटा के माध्यम से भूमि की संरचना, जल निकासी तंत्र, भू-आकृतियों तथा भूगर्भीय विशेषताओं का सूक्ष्म स्तर पर अध्ययन किया जा रहा है।

परियोजना के अंतर्गत ललितपुर, झांसी, हमीरपुर, फतेहपुर और जालौन जनपदों की विस्तृत जियोमॉर्फोलॉजिकल एवं लिनियामेंट मैपिंग पूरी की जा चुकी है, जबकि बांदा में कार्य प्रगति पर है। सभी छह जनपदों में फील्ड सर्वे का कार्य भी सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। वर्तमान में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विशेषज्ञ भू-वैज्ञानिकों द्वारा तैयार मानचित्रों की गुणवत्ता का परीक्षण एवं सत्यापन किया जा रहा है। यह प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अंतिम मानचित्रों का उपयोग भविष्य में विभिन्न विकास एवं संसाधन प्रबंधन संबंधी निर्णयों के लिए किया जाएगा। बुंदेलखंड में तैयार किए जा रहे वैज्ञानिक मानचित्र कई क्षेत्रों में उपयोगी साबित हो सकते हैं। इनसे भूजल की संभावनाओं के आकलन, जल संरक्षण की योजना, खनिज संसाधनों की पहचान तथा भूमि उपयोग नियोजन को वैज्ञानिक आधार मिलेगा। यदि किसी क्षेत्र की भू-आकृति, जल निकासी और भूगर्भीय संरचना की सटीक जानकारी उपलब्ध हो तो वहां जल संरक्षण संरचनाओं, विकास परियोजनाओं और अन्य आधारभूत सुविधाओं की योजना अधिक प्रभावी ढंग से बनाई जा सकती है। इससे सीमित प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र में, जहां जल संसाधनों का संरक्षण विकास की प्रमुख आवश्यकता है, वैज्ञानिक मानचित्रण भविष्य की योजनाओं के लिए मजबूत आधार प्रदान कर सकता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार केवल विकास की नहीं, बल्कि ऐसे विकास की नीति बना रही है जो प्राकृतिक संसाधनों की सीमाओं को समझते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करेगी। घाघरा नदी की गतिशीलता का वैज्ञानिक अध्ययन और बुंदेलखंड का विस्तृत भू-स्थानिक मानचित्रण इसी सोच को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। विज्ञान और तकनीक के इस समन्वय से उत्तर प्रदेश न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान खोज रहा है, बल्कि भविष्य की संभावित परिस्थितियों के लिए भी पहले से तैयारी कर रहा है। यही वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदेश को सतत विकास, आपदा न्यूनीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में और अधिक सक्षम बनाएगा।

अभिषेक सक्सेना
सहायक पर्यवेक्षक अधिकारी

प्रधानमंत्री आवास योजना से प्रतापगढ़ के राजपति का बदला जीवन, जर्जर थी झोपड़ी-बना पक्का आवास

केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के समन्वित प्रयासों से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों के जीवन में युगांतरकारी परिवर्तन का आधार बन रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से निर्धन, वंचित एवं आवासविहीन परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराकर न केवल उनके जीवन स्तर को सुदृढ़ किया जा रहा है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, नागरिक गरिमा और महिला सशक्तीकरण के नए मानक भी स्थापित हो रहे हैं। यह योजना मात्र ईंट-गारे के मकानों के निर्माण तक सीमित न रहकर ऐसे वंचित परिवारों के समग्र मानवीय विकास और ग्रामीण पुनरुद्धार का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। जनपद प्रतापगढ़ में इस योजना का प्रभाव अत्यंत व्यापक और प्रेरणादायक रूप में परिलक्षित हो रहा है। जिले के विकास खंड कुंडा अंतर्गत ग्राम पंचायत रामापुर की निवासी राजपति का जीवन इस सकारात्मक बदलाव का जीवंत उदाहरण है। वर्षों तक पांच सदस्यों के अपने परिवार के साथ एक जर्जर कच्ची झोपड़ी में जीवन यापन करने को विवश राजपति के लिए हर मौसम एक कष्ट का अनुभव ही देता था। कभी भयंकर सर्दी तो कभी भयंकर गर्मी उनके परिवार के लिए संकट का कारण बनती थीं। बरसात में टपकती छत ने उनके जीवन को संघर्षपूर्ण बना दिया था। अत्यंत सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण स्वयं के बूते पक्का मकान निर्मित करना उनके लिए सर्वथा असंभव था। वित्तीय वर्ष 2022-23 में जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से राजपति को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का पात्र लाभार्थी चयनित किया गया। निर्धारित मानकों के अनुरूप 1,20,000 रुपये की वित्तीय सहायता तीन किस्तों में सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। इस प्रत्यक्ष आर्थिक सहयोग और परिवार के समर्पित श्रम के समन्वय से उन्होंने एक सुदृढ़, सुरक्षित और आपदा-रोधी पक्के आवास का निर्माण पूर्ण किया। वर्षों के अभाव और असुरक्षा के उपरांत आज उनका परिवार अपने पक्के घर में पूर्ण आत्मसम्मान, स्थायित्व और मानसिक शांति के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है। प्रतापगढ़ के ग्रामीण अंचलों में निर्मित हो रहे ये आवास बुनियादी सुविधाओं के अभिसरण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। राजपति के आवास के साथ स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण कराया गया, जिसने खुले में शौच की विवशता को समाप्त कर परिवार के स्वास्थ्य मानकों में सुधार किया तथा विशेष रूप से महिलाओं की गरिमा एवं निजता सुनिश्चित की। इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की अन्य प्रमुख योजनाओं जैसे सौभाग्य योजना से विद्युत कनेक्शन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से नि:शुल्क गैस कनेक्शन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन कार्ड और आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा कवच का लाभ भी एक साथ उपलब्ध कराया गया। इन बहुआयामी जनकल्याणकारी सुविधाओं के संयोजन ने लाभार्थी परिवार की दैनिक कठिनाइयों को दूर करने के साथ-साथ उनके घरेलू व्यय के आर्थिक बोझ को भी अत्यधिक कम किया है। पक्के आवास ने परिवार को सुरक्षित सामाजिक परिवेश प्रदान किया है, जिससे बच्चों की शिक्षा, पोषण और समग्र विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है। कच्ची झोपड़ी की असुरक्षा के वातावरण से निकलकर सुरक्षित पक्के घर के आवास ने परिवार में भविष्य के प्रति एक नया आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण जागृत किया है। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के सफल क्रियान्वयन का सबसे महत्वपूर्ण आधार तकनीक-आधारित, बहुस्तरीय और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था रही है। लाभार्थियों का चयन सामाजिक-आर्थिक एवं जाति जनगणना तथा डिजिटल सर्वेक्षण के माध्यम से पूर्णत: निष्पक्ष आधार पर सुनिश्चित किया गया, जिससे किसी भी स्तर पर अपात्रों के समावेशन की गुंजाइश समाप्त हो गई। वित्तीय पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने के लिए बिचौलियों की भूमिका को पूर्णत: समाप्त करते हुए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली का कड़ाई से अनुपालन किया गया है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की निगरानी के लिए आधुनिक डिजिटल तकनीकों का व्यापक प्रयोग किया गया है। निर्माण के विभिन्न चरणों- नींव, लिंटल स्तर और अंतिम पूर्णता की वास्तविक समय पर भू-संदर्भित फोटोग्राफी (जियो-टैगिंग) को डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से अनिवार्य किया गया है। इस तकनीक-संवर्धित व्यवस्था ने निर्माण प्रक्रिया को गति प्रदान करने के साथ-साथ जवाबदेही को भी सुदृढ़ किया है। जिला प्रशासन स्तर पर नियमित अनुश्रवण और समयबद्ध स्वीकृतियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में योजना के क्रियान्वयन को अभूतपूर्व गति दी है। योजना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आजीविका और रोजगार के अवसरों का सृजन है। मनरेगा के तहत लाभार्थियों को आवास निर्माण हेतु निर्धारित अकुशल श्रम दिवसों का पारिश्रमिक लाभार्थियों को सीधे बैंक खाते में उपलब्ध कराया जाता है, जिससे निर्माण लागत में प्रत्यक्ष सहायता मिलती है। इसके साथ ही, स्थानीय स्तर पर राजमिस्त्रियों को तकनीकी प्रशिक्षण देकर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे स्थानीय कुशल व अकुशल श्रमिकों को नियमित रोजगार और निर्माण सामग्री के स्थानीय व्यापार को निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है। महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी इस योजना ने संरचनात्मक बदलाव प्रस्तुत किया है। आवासों का पंजीकरण परिवार की महिला मुखिया के नाम पर अथवा संयुक्त रूप से अनिवार्य किए जाने से ग्रामीण समाज में महिलाओं के संपत्ति अधिकारों को सुदृढ़ता मिली है। इससे न केवल परिवार के आर्थिक व सामाजिक निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, बल्कि उनका सामाजिक मान-सम्मान और आत्मनिर्भरता भी मजबूत हुई है। जनपद प्रतापगढ़ में राजपति जैसे हजारों निर्धन परिवारों को प्राप्त हुई यह पक्की छत आज के दौर में सामाजिक विषमता को पाटने और 'ईज ऑफ लिविंग' के लक्ष्य को प्राप्त करने का सशक्त प्रमाण है। प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी पहल से ग्रामीण अंचलों में अभावग्रस्त जीवन जी रहे तमाम परिवारों को सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन की गरिमा प्रदान की है और उन्हें राष्ट्र के सतत विकास की मुख्यधारा से जोड़ दिया है।

सूचनाधिकारी जनपद प्रतापगढ़ /
डॉ0 सीमा गुप्ता (से0नि0 सहा0निदे0)

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

दो महिलाओ मुकदमा दर्ज, सोशल मीडिया पर गाली गलौज का मामला

ठूठीबारी। फोन से गाली गलौज मारपीट की धमकी देना दो महिलाओ को महंगा पड गया पीडीता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कटखोर बडा टोला निवासी मंगीता साहनी पुलिस को दिए गये तहरीर मे बताया की मेरे फोन पर प्रमिला तथा गुन्जा निवासी-स्टेट चौराहा, सिसवा नगर पालिका, थाना-कोठीभार द्वारा 15 अगस्त को समय करीब 10 बजे रात में फोन कर गाली-गुप्ता दिया गया गाली-गुप्ता का विरोध किया तो नाराज होकर दोनों मारने-पिटने जानमाल की धमकी देने लगी 16 अगस्त समय करीब 12 बजे दिन में मेरे गैरमौजूदगी में उपरोक्त मेरे दरवाजे पर आकर भद्दी-भद्दी गाली-गुप्ता देते हुए मारने-पिटने जानमाल की धमकी देने लगी। उपरोक्त काफी मनबढ़ किस्म के लोग है जिससे मै मानसिक रुप से काफी डरी सहमी हूँ इस संबंध मे निचलौल क्षेत्राधिकारी रविंद्र कुमार सिंह ने बताया की उपरोक्त मामले मे केस दर्ज कर मामले की जांच पडताल किया जा रहा है।

फंदे से लटका मिला युवक, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

देवरिया। जिले के लार थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह बांसकोट में एक व्यक्ति का शव फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब सात बजे थाना लार को बांसकोट में एक व्यक्ति के फंदे से लटके होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव की पहचान कराई। मृतक की पहचान दुर्गेश पाल पुत्र रामदयाल पाल निवासी परासी चक लाल के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के संबंध में क्षेत्राधिकारी सलेमपुर गौरव सिंह ने पुलिस की कार्रवाई की जानकारी दी।

मिशन शक्ति अभियान में महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा और हेल्पलाइन की जानकारी

देवरिया। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सशक्तीकरण को लेकर शुक्रवार को जिले के सभी थानों की मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीमों ने अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया तथा पंपलेट वितरित किए। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-5.0 के द्वितीय चरण और शक्ति दीदी अभियान के तहत थाना एकौना, खामपार और लार की टीमों ने विशेष रूप से जागरूकता कार्यक्रम चलाए। एकौना टीम ने ग्रामीण बैंक पचलड़ी, खामपार टीम ने समाती माता मंदिर सरया और लार टीम ने ग्राम बभनौली पाण्डेय में महिलाओं, बच्चियों व छात्राओं को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। टीमों ने महिलाओं को आपात स्थिति में डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, सीएम हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एंबुलेंस-108 और साइबर हेल्पलाइन-1930 के बारे में बताया। पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं से किसी भी परेशानी की स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन अथवा पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

बाघागाड़ा में भीषण सड़क हादसा: ट्रेलर में पीछे से भिड़ी काशी डिपो की बस

बस चालक की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि 14 यात्री घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

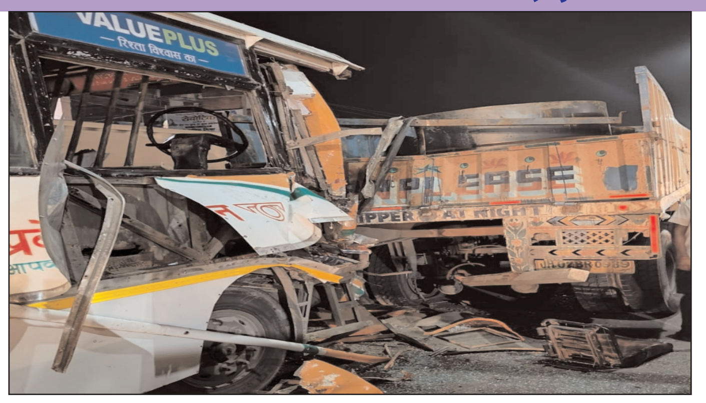

गोरखपुर। गोरखपुर-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाघागाड़ा के पास गुरुवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे से अफरा-तफरी मच गई। वाराणसी से गोरखपुर आ रही काशी डिपो की रोडवेज बस आगे चल रहे ट्रेलर में पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बस चालक दयाशंकर यादव की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि 14 यात्री घायल हो गए। हादसे के समय बस में कुल 37 यात्री सवार बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाघागाड़ा के समीप हाईवे पर बस तेज गति से गोरखपुर की ओर आ रही थी। इसी दौरान बस आगे चल रहे ट्रेलर से पीछे से टकरा गई। टक्कर की तेज आवाज से आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। बस के भीतर यात्रियों की चीख-पुकार गूंज उठी। कई यात्री सीटों से टकराकर घायल हो गए, जबकि कुछ यात्री क्षतिग्रस्त हिस्से में फंस गए।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। आसपास के लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल समेत विभिन्न अस्पतालों में उपचार के लिए भेजा गया। घायलों में कई यात्रियों के सिर, हाथ और पैर में चोटें आई हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में गंभीर रूप से घायल बस चालक दयाशंकर यादव निवासी वाराणसी को भी तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। चालक की मौत की खबर मिलते ही परिवहन विभाग और परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। दुर्घटना के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस और ट्रेलर को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु कराया। प्रारंभिक जांच में बस के ट्रेलर में पीछे से टकराने की बात सामने आई है। हालांकि, हादसा किस वजह से हुआ, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटा रही है।

राज्य स्तरीय टीम ने किया रतनपुर सीएचसी का औचक निरीक्षण

एएनएम सेंटरों की जांच कर कमियां सुधारने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। शासन के निर्देश पर शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की राज्य स्तरीय टीम ने रतनपुर सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने अस्पताल के समस्त अभिलेखों, ओपीडी, इमरजेंसी, साफ-सफाई और दवाओं की उपलब्धता का सघन जायजा लिया। इसके साथ ही क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में संचालित एएनएम सेंटरों की भी जांच की और वहां मिली कमियों को जल्द से जल्द दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए। जानकारी के मुताबिक राज्य स्तरीय टीम के सदस्य डॉ. अमित कुमार चौधरी और बीपीएम आलोक सिंह शुक्रवार को अचानक रतनपुर सीएचसी पहुंचे। टीम ने अस्पताल परिसर में बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को परखने के साथ-साथ जननी सुरक्षा योजना, पीआई सीयू और एनबीएसयू, स्टेबलाइजेशन यूनिट का भी बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुछ प्रशासनिक और व्यवस्थागत कमियां पाए जाने पर टीम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को फटकार लगाते हुए उन्हें तत्काल सुधारने की हिदायत दी। इसके बाद अधिकारियों ने क्षेत्र के निपनिया और तरैनी स्थित एएनएम सेंटरों का भी रुख किया और वहां की स्वास्थ्य सेवाओं का स्थलीय सत्यापन किया। इस उच्च स्तरीय निरीक्षण के दौरान रतनपुर सीएचसी के अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. श्रीराम वर्मा, डॉ. पारसनाथ, बीपीएम हरिनाथ यादव, फार्मासिस्ट निसार अहमद व अशोक कुमार, एलटी प्रमोद कुमार, सेराज अहमद सहित अन्य मौजूद रहे।

नौतनवा-सोनौली बना फर्जी वीजा गिरोह का अड्डा, नेपाल के युवाओं से करोड़ों की ठगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नौतनवा, महराजगंज। फर्जी वीजा पर विदेश भेजने वाला एक संगठित गिरोह नौतनवा-सोनौली बॉर्डर को अपना सुरक्षित ठिकाना बनाकर सक्रिय है। यह गिरोह नेपाल के लड़के-लड़कियों को विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर अपने जाल में फंसा रहा है। कैसे करता है काम गिरोह: **एजेंट का जाल:** गिरोह ने नेपाल में भी अपने एजेंट बना रखे हैं। ये एजेंट युवाओं को विदेश में अच्छी सैलरी वाली नौकरी का लालच देते हैं। **पैसे की वसूली:** पीड़ितों से कुछ रकम नेपाल स्थित खातों में जमा करवाई जाती है, जबकि बाकी पैसा नगद लिया जाता है।

फर्जी वीजा और फ्लाइट: फर्जी वीजा तैयार कर पीड़ितों को दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट से फ्लाइट कराई जाती है। एयरपोर्ट से वापसी: विदेश पहुंचते ही एयरपोर्ट पर दस्तावेज फर्जी पाए जाने पर पीड़ितों को तुरंत वापस भेज दिया जाता है। इसके बाद गिरोह के सदस्य पैसा लेकर फरार हो जाते हैं। **अब तक दो दर्जन से अधिक मामले** नेपाल में इस तरह के दो दर्जन से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। पीड़ित युवा नौतनवा से लेकर नेपाल तक ठगी का शिकार होकर चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई कहीं नहीं हो रही। **करोड़ों की ठगी, सुरक्षा एजेंसी पर भी सवाल** सूत्रों के अनुसार, यह गिरोह अब तक करोड़ों रुपये की ठगी कर चुका है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि गिरोह खुलेआम नौतनवा में सीना ताने घूम रहा है। चर्चा है कि गिरोह के तार कुछ स्थानीय सुरक्षा एजेंसी के जवानों से भी जुड़े हैं, जिसके चलते कार्रवाई नहीं हो पा रही।

प्रशासन मौन बॉर्डर क्षेत्र में सक्रिय इस गिरोह से नेपाल-भारत संबंधों पर भी असर पड़ रहा है। नेपाल के पीड़ित युवा लगातार भारत-नेपाल सीमा पर न्याय की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। यह मामला मानव तस्करी और अंतरराष्ट्रीय ठगी से जुड़ा है। पीड़ितों ने उच्चस्तरीय जांच और गिरोह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

तस्करी के लिए ले जाई जा रही नौ बोरी यूरिया खाद बरामद

रतनपुर/महराजगंज। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के बावजूद सीमावर्ती पगडंडियों के रास्ते उर्वरक की तस्करी का धंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी क्रम में परसामलिक थानांतर्गत सेवतरी पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम पंचायत झिंगटी के समीप पगडंडी रास्ते से लावारिस हालत में नौ बोरी यूरिया खाद बरामद की है। वहीं पुलिस टीम को अपने पास आता देख और पकड़े जाने के डर से शातिर तस्कर खाद की बोरियों को मौके पर ही फेंककर नेपाल सीमा में भागने में कामयाब हो गए। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके से सभी नौ बोरियों को अपने कब्जे में ले लिया और लावारिस यूरिया खाद को कस्टम एक्ट के तहत विधिक कार्यवाही करते हुए नौतनवा कस्टम कार्यालय को सुपुर्द कर दिया। इस संबंध में सेवतरी चौकी प्रभारी पवन कुमार राय ने बताया कि नौ बोरी लावारिस यूरिया खाद बरामद किया गया है। बरामद खाद को अग्रिम कार्रवाई के लिए नौतनवा कस्टम विभाग को सौंप दिया गया है।

बच्चे की हालत देख रुके डीएम, मेडिकल कॉलेज भेजकर कराया इलाज का इंतजाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनपद मुख्यालय के सोनूघाट चौराहे पर शुक्रवार को सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों का जायजा लेने निकले जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की नजर एक आठ-नौ वर्षीय बच्चे पर पड़ी। बच्चे को उसके अभिभावक चिकित्सकीय जांच के लिए ले जा रहे थे। डीएम ने तत्काल रुककर अभिभावकों से बच्चे के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

अभिभावकों ने बताया कि बच्चा अक्सर मूर्छित हो जाता है और उसे जांच के लिए ले जाया जा रहा है। इस पर डीएम ने तत्काल मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों से बात की और बच्चे के समुचित उपचार तथा आवश्यक जांच, जिसमें सीटी स्कैन भी शामिल है, कराने के निर्देश दिए। बच्चे को मेडिकल कॉलेज भेजा गया। मौके पर मौजूद लोगों ने डीएम की इस संवेदनशील पहल की सराहना की।

जनता दर्शन में शिकायत, डीएम के निर्देश पर इसी माह पेंशन की प्रक्रिया

देवरिया। जनपद के सलेमपुर क्षेत्र के ग्राम मलहनी निवासी कलमदानी देवी पत्नी सुदर्शन यादव पेंशन न मिलने की शिकायत लेकर जनता दर्शन में डीएम के पास पहुंचीं। डीएम ने तत्काल जिला समाज कल्याण अधिकारी को प्रकरण की जांच कर पात्रता के अनुसार पेंशन स्वीकृत कराने के निर्देश दिए। जांच में सामने आया कि लाभार्थी की आयु का सही प्रमाण-पत्र ऑनलाइन अपलोड न होने के कारण पेंशन स्वीकृत नहीं हो पा रही थी। आवश्यक अभिलेख प्राप्त कर ऑनलाइन अपलोड करा दिए गए हैं। अब बीडीओ सलेमपुर से आवेदन का सत्यापन व अग्रसारण कराकर प्रकरण जिला स्तरीय स्वीकृति समिति के समक्ष रखा जाएगा। इसी माह पेंशन स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य है।

मानसिक तनाव के बीच 34 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार-बेलघाट/गोरखपुर। बेलघाट थाना क्षेत्र के बेलांव उर्फ शाहपुर गांव में बृहस्पतिवार की रात मानसिक तनाव से परेशान 34 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह परिजनों को हुई तो घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में जांच-पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान सुरेश साहनी पुत्र स्वर्गीय सीताराम साहनी के रूप में हुई है। मृतक की पत्नी सुनीता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनके पति की मानसिक स्थिति पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रही थी। बृहस्पतिवार की रात सुरेश घर की छत पर चले गए थे। देर रात उन्होंने रस्सी के सहारे फांसी लगा ली। शुक्रवार सुबह जब परिजनों की नजर छत पर गई तो सुरेश को फंदे से लटका देखकर उनके होश उड़ गए। परिवार के लोगों ने तत्काल घटना की सूचना बेलघाट पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्यों की जांच की। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार सुरेश के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। चार भाइयों में वह सबसे बड़े थे और भाइयों में केवल सुरेश की ही शादी हुई थी। उनके परिवार में पत्नी सुनीता के अलावा दो बेटियां हैं, जिनकी उम्र करीब 10 और पांच वर्ष बताई गई है। सुरेश की मौत के बाद पत्नी और दोनों मासूम बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने यह भी बताया कि सुरेश की आर्थिक स्थिति पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रही थी। मानसिक तनाव और आर्थिक परेशानियों के बीच उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पुलिस स्तर से अभी स्पष्ट खुलासा नहीं किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

सड़क की परत खुलवाकर जांची गुणवत्ता, डीएम ने कहा- मानकों से समझौता नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को लेकर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शुक्रवार को सख्त रुख अपनाया। सड़क की गुणवत्ता परखने के लिए उन्होंने मौके पर ही खुदाई कराकर उसकी अलग-अलग परतों की जांच कराई। वहीं निर्माणाधीन आवासीय परियोजना में प्रयुक्त ईंट, सीमेंट समेत अन्य सामग्री के नमूने जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए। डीएम ने सबसे पहले पिपरा चंद्रभान-सहजौली मार्ग का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रही 6.92 किलोमीटर लंबी सड़क की लागत 6.20 करोड़ रुपये है। टीम ने सड़क की खुदाई कर विभिन्न परतों और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता परखी। जांच में निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप पाया गया।

इसके बाद डीएम ने भलुअनी विकासखंड परिसर में 2.58 करोड़ रुपये की लागत से बन रही आवासीय परियोजना का निरीक्षण किया। परियोजना का निर्माण दिसंबर 2025 में शुरू हुआ था और इसे मार्च 2027 तक पूरा किया जाना है। डीएम ने निर्माण सामग्री के नमूने जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। निर्धारित मानकों और समयसीमा का पालन हर हाल में सुनिश्चित करना होगा। लापरवाही मिलने पर संबंधित कार्यदायी संस्था और विभाग के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

यातायात नियम तोड़ने पर 138 वाहनों के चालान, दो सीज

देवरिया। यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने के लिए शुक्रवार को यातायात पुलिस ने जिले के प्रमुख मार्गों और स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। रोडवेज बस स्टैंड और सुभाष चौक पर नो हेलमेट, तीन सवारी और फाल्ट नंबर प्लेट वाले वाहनों के विरुद्ध एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। रोडवेज बस स्टैंड पर सड़क पर वाहन खड़ा कर सवारी उतारने-चढ़ाने वाली बसों के खिलाफ नो-पार्किंग में चालान और सीज की कार्रवाई की गई। वहीं देवरिया-गोरखपुर मार्ग पर खरोह बॉर्डर के पास इंटरसेप्टर वाहन से तेज गति से चलने वाले वाहनों की जांच की गई और निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने वालों के चालान किए गए। अभियान में कुल 138 वाहनों का चालान और दो वाहनों को सीज किया गया। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और सड़क पर अनावश्यक पार्किंग न करने की अपील की।

ट्रक से गिट्टी उतारते समय पैसे की चोरी लगाकर मजदूर की पिटाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला बाजार गोरखपुर: गोला थाना क्षेत्र के सहदोडांड में ट्रक से गिट्टी उतरते समय पैसा चोरी का आरोप लगा तीन अज्ञात को लेकर पांच लोगों ने उसे लाठी डंडा मुक्का से मार पीट कर घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर गोला पुलिस ने दो नामजद तीन अज्ञात कुल पांच के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर अगली करवाई शुरू कर दिया है। प्राप्त विवरण के अनुसार उरुवा थाना क्षेत्र के पिपरा निवासी बेचू पुत्र राम लखन ने अपने तहरीर में बताया है कि बीते 19 अगस्त को गोला थाना के सहदोडांड में ट्रक से गिट्टी उतारने गया था। ट्रक से हमारे अतिरक्त हमारे ही थाना के ग्राम खडसर देव निवासी रामबचन पुत्र अज्ञात व इसी थाना के ग्राम परसा निवासी नायक।पुत्र अज्ञात गिट्टी उतार रहे थे। मैंने नायक से खाने के लिए सुर्ती माँगा। तो नायक ने कहा मेरे पाकेट से निकाल कर खा लो।

हमने उनके पॉकेट से सुर्ती निकाल कर खा लिया। 10 मिनट बाद नायक मेरे पास आए कहे कि तुमने हमारे पॉकेट से 5000 रुपया निकाल लिया है। हमने कहा कि मैने पैसा नहीं निकाला,हमको चेक कर लो। उसने हमसे विवाद कर लिया। फिर डेढ़ बजे नायक दुकानदार सुनील पुत्र अज्ञात निवासी सहदो डाड के पास गया। नायक के साथ सुनील सिंह और तीन अज्ञात लोग आए सभी ने हमें मुक्का, लाठी,डंडा से मार पीट घायल कर दिया। जिससे मुझे काफी गम्भीर चोटें आई हैं। तथा गंदी गंदी गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। ड्राइवर बीच बचाव किया। तब जाकर मामला शांत हुआ।

घोड़ा चोरी के मामले में युवक गिरफ्तार, चोरी का घोड़ा बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। बेलीपार थाना पुलिस ने घोड़ा चोरी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का घोड़ा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी बांसगांव के पर्यवेक्षण और थानाध्यक्ष बेलीपार के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। उपनिरीक्षक राममुकुन्द कुमार ने पुलिस टीम के साथ मुकदमा संख्या 204/2026 से संबंधित आरोपी विकास कुमार पुत्र जितेन्द्र कुमार, निवासी बहीडाड़ी वार्ड नंबर एक, थाना बांसगांव, गोरखपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, 20 अगस्त 2026 को आरोपी ने वादी का घोड़ा चोरी कर लिया था। घटना की तहरीर मिलने के बाद बेलीपार थाने में धारा 303(2), 317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरी किया गया एक घोड़ा बरामद कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राममुकुन्द कुमार, हेड कांस्टेबल विवेक मिश्रा और आरक्षी अरूण कुमार शामिल रहे।

बाढ़ प्रभावित गांवों में डीएम का दौरा, राहत कार्यों में तेजी के निर्देश,ग्रामीणों से संवाद कर जानी समस्याएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला बाजार /गोरखपुर। जिले में लगातार बढ़ रहे बाढ़ के प्रभाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। शुक्रवार को जिलाधिकारी दीपक मीणा ने तहसील गोला क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव बगहा देवार और ज्ञानकोल का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने गांवों में पहुंचकर जलभराव, आवागमन और राहत व्यवस्था का जायजा लेने के साथ ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को किसी भी जरूरी सुविधा के लिए परेशान न होना पड़े। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से खाद्य सामग्री, पेयजल, चिकित्सा सुविधा और अन्य आवश्यक राहत सामग्री की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जरूरत के अनुसार प्रभावित परिवारों तक खाद्य सामग्री और अन्य राहत सामग्री तत्काल पहुंचाई जाए। राहत वितरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

डीएम ने स्वास्थ्य विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान जलजनित बीमारियों और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य टीमों की सक्रियता बढ़ाई जाए और आवश्यकता पड़ने पर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही साफ-सफाई, कीटनाशक छिड़काव और सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। पशुपालकों की समस्याओं को लेकर भी डीएम गंभीर नजर आए। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए पर्याप्त चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों में मानव जीवन के साथ पशुधन की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी जाए। जिलाधिकारी ने जलस्तर और बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव दल सक्रिय किया जाए और उच्चाधिकारियों को सूचना दी जाए। प्रशासनिक और विभागीय टीमें आपसी समन्वय से काम करें तथा प्रभावित लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, उप जिलाधिकारी गोला मनीष कुमार, थाना प्रभारी बड़हलगंज, तहसीलदार, आपूर्ति विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और प्रभावित परिवारों तक हर संभव सहायता पहुंचाई जाएगी।

विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता और स्वच्छता पर डीएम सख्त, औचक निरीक्षण में मिलीं खामियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी सन्तोष कुमार शर्मा ने शुक्रवार को शिकोहाबाद क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय दखिनारा एवं प्राथमिक विद्यालय बिदरखा का औचक निरीक्षण कर पठन-पाठन, विद्यार्थियों की शैक्षणिक स्थिति, मिड-डे मील, साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कमियां मिलने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उच्च प्राथमिक विद्यालय दखिनारा में जिलाधिकारी ने कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों से संवाद कर उनके बौद्धिक एवं शैक्षणिक स्तर को परखा। उन्होंने छोटी कक्षाओं के बच्चों से रंगों एवं जानवरों के नाम पूछे, जबकि कक्षा 7 एवं 8 के विद्यार्थियों से विद्यालय की दीवारों पर लगे महापुरुषों के चित्रों के संबंध में सवाल किए। बच्चों की सीखने की उत्सुकता और जागरूकता देखकर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। विद्यालय परिसर में प्लास्टिक एवं पॉलीथिन का प्रयोग पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने पॉलीथिन का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित करने तथा कपड़े के थैलों का उपयोग करने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की आदत विकसित करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के रसोईघर और मिड-डे मील के लिए रखे चावल एवं अन्य राशन सामग्री की गुणवत्ता सही पाई गई। जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को बच्चों की प्रतिभा निखारने और शिक्षण के नए तरीके अपनाने के निर्देश दिए। सफाई कर्मी को विद्यालय में नियमित सफाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। विद्यालय में 249 नामांकित विद्यार्थियों के सापेक्ष 224 विद्यार्थी उपस्थित मिले, जबकि कुल 16 शिक्षक कार्यरत हैं। इसके बाद जिलाधिकारी प्राथमिक विद्यालय बिदरखा पहुंचे। यहां व्यवस्थाओं में कई कमियां मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कक्षा 5 में शिक्षण कार्य कर रहीं प्रशिक्षु/शिक्षिका दीप्ति के शिक्षण का स्तर असंतोषजनक पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि खराब शिक्षण गुणवत्ता से बच्चों के भविष्य के साथ न्याय नहीं हो सकता। विद्यालय परिसर में साफ-सफाई की स्थिति ठीक न मिलने पर जिलाधिकारी ने संबंधित पंचायत सचिव को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। किचन में अग्निशमन यंत्र लगा मिला, लेकिन विद्यालय के किसी भी स्टाफ को उसके प्रयोग की जानकारी नहीं थी। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग की जानकारी न होने पर उनकी उपयोगिता ही समाप्त हो जाती है। जिलाधिकारी ने बच्चों से पुस्तकें पढ़वाई और गणित एवं सामान्य ज्ञान से जुड़े सवाल पूछकर उनके शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली। उन्होंने शौचालय सहित विद्यालय की अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। विद्यालय में 78 नामांकित बच्चों के सापेक्ष 62 बच्चे उपस्थित मिले। जिलाधिकारी सन्तोष कुमार शर्मा ने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आगामी चुनाव को लेकर टीम गोविंद नगर में हुई बसपा के ओबीसी भाईचारा संगठन की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आगामी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी भी बहुत मजबूती के साथ कमर कर चुकी है। इसके लिए बैठकों का दौर भी लगातार जारी है ,जिसके क्रम में बहुजन समाज पार्टी के ओबीसी भाईचारा संगठन की गोविंद नगर के गुजैनी में विधानसभा स्तरीय बैठक हुई, जिसमें अच्छी छवि और व्यवहार कुशलता को लेकर चर्चित पार्टी को मजबूत करने की दिशा में सर्वाधिक सक्रिय युवा नेता आशीष कश्यप की अगुवाई में युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हुआ। आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण इस बैठक को संबोधित करते हुए बसपा के प्रति समर्पित जमीन से जुड़े , हर किसी के सुख-दुख में सदैव खड़े होने वाले तेज तर्रार और व्यवहार कुशल वरिष्ठ बसपा नेता ओबीसी भाईचारा संगठन में कानपुर मंडल के मुख्य प्रभारी बीआर अहिरवार ने बसपा शासनकाल में पिछड़े वर्ग की शासन में भागीदारी तथा समाज के महापुरुषों के सम्मान में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग हमेशा बसपा के साथ रहा है और अब वह समय नजदीक आ गया है। जब भाईचारा मजबूत कर 2027 में बसपा की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता हर तरह से तत्काल जुट जायें। वहीं बसपा नेता नरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि पिछड़े वर्ग की बसपा सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कार्यकताओं से पूरी ताकत के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में जुटने और पांचवीं बार बसपा की सरकार बनाकर मायावती को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लेने की अपील की। इस बैठक में जिला संयोजक हरि नारायण कुशवाहा, पूर्व मुख्य मंडल प्रभारी बबलू चौधरी, पूर्व मंडल संयोजक असलम राज, अमर सिंह जाटव, विधानसभा संयोजक अनिल प्रजापति,, संदीप भगत, ओम प्रकाश कुरील, नीरज शर्मा, राहुल गोंड, प्रियांशु सविता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

विधुत चैकिंग अभियान में काटे गए बकायदारों के कनेक्शन

कोंच(जालौन)- बिजली विभाग द्वारा शुक्रवार को नगर में चैकिंग अभियान चलाकर बकाया राजस्व की वसूली की गई और बकाया राजस्व जमा न करने वाले संबंधित उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए गए। उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र कुमार के निर्देश पर अवर अभियंता दिलीप शर्मा ने लाइनमेन गब्बर, सरमन, साविर आदि के साथ मिलकर नगर के मुहल्ला आजाद नगर, आराजी लेन, भगत सिंह नगर, सुभाष नगर, गोखले नगर और मालवीय नगर इलाकों में चैकिंग अभियान चलाकर तकरीबन चार दर्जन से अधिक ऐसे उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए जिन्होंने लंबे समय से बकाया राजस्व जमा ही नहीं किया। अवर अभियंता ने सभी उपभोक्ताओं से दो टूक शब्दो में कहा कि विधुत उपभोक्ता समय से अपने-अपने बकाया बिलों का भुगतान कर दें अन्यथा उनके कनेक्शन काट दिए जाएंगे और अग्रिम विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

लगातार हो रही बारिश से मौसम में हुई ठंडक

कोंच(जालौन): बीते एक सप्ताह से करीब करीब हर रोज हो रही बारिश से कुछ हद तक मौसम में ठंडक हो गई जिसके चलते उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को थोड़ी बहुत राहत पहुंची है। बारिश से बाजार में भी सन्नाटा पसरा दिखाई दे रहा है और फुटवियर, गारमेंट्स, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि की अधिकांश दुकानें ग्राहकों के इंतजार में देखी जा सकती हैं। लगातार बारिश होने से खरीफ फसलों में तिली, मूंग, उड़द, सोयाबीन, मूंगफली जैसी फसलों को खेत में पानी अधिक भर जाने से नुकसान होता हुआ दिखाई दे रहा है और अगर अगले कुछ दिन इसी प्रकार से बारिश होती रही तो ये फसलें बर्बाद भी हो सकती हैं जिसको देखते हुए किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें साफ तौर पर देखी जा सकती हैं। वहीं दूसरी ओर उमस भरी गर्मी के बीच एकाएक ठंडक हो जाने से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार चल रहे लोगों में खांसी, जुखाम का भी खतरा बढ़ गया है। नीमा संघ के अध्यक्ष आयुष्मान अस्पताल के संचालक डॉ आलोक निरंजन ने कहा है कि उमस भरी गर्मी के बीच अचानक ठंडक होने से बच्चों की देखभाल करना बेहद जरूरी है। बच्चों को ठंडी हवा व ठंडे भोजन से दूर रखना आवश्यक है।

80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले लाभार्थियों की पेंशन जल्द होगी जारी

फिरोजाबाद। जनपद के 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले ऐसे दिव्यांगजन, जिन्हें वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से जून 2026 तक की तिमाही दिव्यांग पेंशन की धनराशि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है, उनके लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। उपनिदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग आगरा मंडल आगरा एवं प्रभारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, फिरोजाबाद ने बताया कि इंदिरा गांधी दिव्यांग पेंशन योजना के ऐसे लाभार्थी, जिनकी दिव्यांगता 80 प्रतिशत या उससे अधिक है, की पेंशन भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में नए मॉड्यूल एसएनए स्पर्श प्रणाली के माध्यम से प्रेषित की जानी है। इस संबंध में एनआईसी एवं साइबर ट्रेजरी के सहयोग से एसएनए स्पर्श प्रणाली पर आवश्यक कार्य किया जा रहा है। इस प्रक्रिया को पूर्ण होने में लगभग 15 दिन से एक माह तक का समय लग सकता है। विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि एसएनए स्पर्श प्रणाली को शीघ्र लागू करते हुए छूटे हुए पात्र दिव्यांगजन लाभार्थियों की पेंशन की धनराशि उनके द्वारा संचालित आधार मैप्ड बैंक खातों में प्रेषित करा दी जाएगी।

इफको बाजार केंद्र रिठौरा के प्रभारी बने नवनीत द्विवेदी, जीवन सिरोही का क्लस्टर मैनेजर पद पर प्रमोशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा। कृषि क्षेत्र में किसानों को बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध 'इफको बाजार केंद्र रिठौरा' में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव हुआ है। केंद्र में तैनात प्रभारी जीवन सिरोही की उत्कृष्ट कार्यशैली को देखते हुए उन्हें पदोन्नत कर 'क्लस्टर मैनेजर' की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, उनके स्थान पर नवनीत द्विवेदी को रिठौरा इफको बाजार केंद्र का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। पदभार ग्रहण करते ही नए केंद्र प्रभारी नवनीत द्विवेदी ने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि केंद्र पर आने वाले प्रत्येक किसान भाई की सुविधा और सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाएगा। कृषि खाद और अन्य सामाग्रियों का वितरण सुचारू रूप से कराया जाएगा। नवनियुक्त प्रभारी नवनीत द्विवेदी ने किसान भाइयों से विशेष अपील करते हुए कहा कि जब भी वे केंद्र पर खाद या अन्य कृषि उत्पाद लेने आएं, तो अपने साथ अपनी फार्मर आईडी एवं आधार कार्ड अवश्य लाएं, ताकि वितरण प्रक्रिया पारदर्शी और त्वरित बनी रहे। जीवन सिरोही की पदोन्नति और नवनीत द्विवेदी के नए केंद्र प्रभारी बनने पर स्थानीय किसानों व गणमान्य व्यक्तियों ने हर्ष व्यक्त किया है। इस अवसर पर डॉक्टर नीलांबर गंगवार, किसान रंजीत कुमार कनौजिया उर्फ बासू, चौधरी सत्यवीर सिंह, चौधरी पंकज सिंह, बाबू सिंह, विपेंद्र सिंह, अरविंद कुमार आदि ने दोनों अधिकारियों को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

विकासखंड भदपुरा में आवासीय कॉलोनी पड़ी खंडहर

बरेली/ ब्लॉक मुख्यालय पर कर्मचारियों के रहने हेतु बनाई गई आभासीय कॉलोनी जर्जर हो गई इतना ही नहीं कुछ तो भवन धराशाई भी हो गए हैं परंतु शासन को इसकी रिपोर्ट भेजने के बाद भी शासन ने विकास खंड मुख्यालय पर बनी आवासीय कॉलोनी का निर्माण करवाने के लिए नहीं सोची गई। जिसके कारण कॉलोनी में अब मात्र चुनिंदा लोग ही रह रहे हैं बाकी सभी खाली पड़ी हैं टूटे हुए वासन को देखकर ऐसा प्रतीत होता है के शासन द्वारा सीधे तौर पर अनदेखी की जा रही है जिसके कारण पहले मात्रा के लिए ही आवासीय कॉलोनी रह गई यहां पर एक दो सफाई कर्मचारी के अतिरिक्त कोई भी नहीं रहता है वह भी सूत्रों की मां ने तो उन्होंने जिस कमरे में रहते हैं उसमें अपना निजी पैसा लगाकर मरम्मत कराई है बाकी सभी जर्जर अवस्था में पड़े हैं।

ब्लॉक प्रमुख के साथ विधायक ने निकाली कलश यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ भदपुरा ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार के साथ नवाबगंज विधायक डॉक्टर एमपी आर्य ने यहां के गांव धनीपुर में संत शिरोमणि रविदास जयंती के 650 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा की तरफ से उनके गांव से उनकी जन्मस्थली रज को लाकर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार भाजपा के बड़े जनप्रतिनिधियों से लेकर छोटे जनप्रतिनिधियों तक इस कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है । जिसके ता है नवाबगंज विधानसभा के गांव धमीपुर में संत शिरोमणि रविदास की राज लेकर भाजपा कार्यकर्ता पहुंचे और वहां पर दलित बस्ती में जाकर कलश को रखकर पुष्प अर्पित किए गए साथ ही वहां पर उपस्थित जन समूह को संबोधित किया गया जिसके तहत भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने संत शिरोमणि रविदास के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा देश की आजादी से लेकर आज तक किसी ने भी संत रविदास को सम्मान देने का काम नहीं किया जो आज देश व प्रदेश की सरकार कर रही है उनके गांव से लाई गई। मिट्टी कलश में रखकर गांव-गांव पहुंचाई जा रही है जिससे लोग रविदास जी के जीवन परिचय से परिचित हो और उनके आचरण को अपने जीवन में उतर कर अपना जीवन उत्तम बनाने में सफल हो यहां पर उपस्थित नवाबगंज विधायक डॉक्टर एमपी आर्य भदपुरा ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार सुंदरी मंडल के पूर्व अध्यक्ष जमुना प्रसाद कश्यप पूर्व जिला पंचायत सदस्य नीलू सागर ग्राम प्रधान अर्जुन सिंह समेत तमाम लोग उपस्थित थे सभी ने कलश पर पुष्प अर्पित कर रविदास जी के जीवन को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

नवाबगंज नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष मुन्ना पांडे का निधन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ नवाबगंज नगर पालिका के प्रथम अध्यक्ष बने राजेंद्र कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना पांडे जिनका सरल स्वभाव गरीबों के हितैषी जयप्रकाश नारायण इंटर कॉलेज के अध्यक्ष श्री कृष्णा इंटर कॉलेज के पूर्व प्रबंधक जैसे अनेक ऑन शिक्षण संस्थान में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले मुन्ना पांडे जातिवाद से हटकर लोगों की निस्वार्थ सेवा करना। गरीबों के लिए प्रशासन से भिडना उनका मुख्य उद्देश्य था उन्होंने नवाबगंज में भाजपा का परचम लहराया था भाजपा से ही वह नवाबगंज नगर पालिका के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे आज नवाबगंज में ही नहीं ब्लैक पूरे क्षेत्र ने एक ऐसा नेता खो दिया जिसकी भरपाई नहीं हो पाएगी गरीबों की मदद के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले विला वाहन पैदल ही चलकर खाने पहुंच जाते थे और लोगों को न्याय मिलता था। उनके जाने के बाद अब लोगों को निराशा हाथ लगी है नवाबगंज के शमशान भूमि में उनका आज अंतिम संस्कार पूरे सम्मान के साथ कर दिया गया उनकी अंतिम विदाई में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की बेटी श्रुति गंगवार सदस्य विधान परिषद कुमार महाराज सिंह भूमि विकास बैंक के प्रदेश उपाध्यक्ष कुंवर रविंदर सिंह राठौड़ पालिका अध्यक्ष पति नीरेंद्र सिंह राठौर भुजेंद्र गंगवार स्वर्गीय विधायक पुत्र विशाल गंगवार विधायक डॉक्टर एमपी आर्य समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

राजकीय आईटीआई शिकोहाबाद में निष्प्रयोज्य सामान की सार्वजनिक नीलामी

शिकोहाबाद-फिरोजाबाद। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, शिकोहाबाद-फिरोजाबाद में निष्प्रयोज्य साज-सज्जा, हैंड टूल्स, फर्नीचर सहित अन्य सामग्री की सार्वजनिक नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संस्थान की ओर से बताया गया कि सार्वजनिक नीलामी के लिए जेम पोर्टल पर बिड संख्या-39058 प्रकाशित की गई है। यह बिड 21 अगस्त 2026 से 1 सितंबर 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इच्छुक फर्म अथवा उम्मीदवार किसी भी कार्यदिवस में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, शिकोहाबाद-फिरोजाबाद में उपस्थित होकर नीलामी में शामिल निष्प्रयोज्य साज-सज्जा एवं अन्य सामग्री का अवलोकन कर सकते हैं। इसके बाद इच्छुक प्रतिभागी जेम पोर्टल पर निर्धारित अंतिम तिथि तक निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार अपनी बोली में प्रतिभाग कर सकेंगे। संस्थान की ओर से इच्छुक फर्मों एवं उम्मीदवारों से निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रक्रिया में प्रतिभाग करने की अपील की गई है।

डीएम ने मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के निःशुल्क कोचिंग सेंटर का किया आकस्मिक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शिकोहाबाद। जिलाधिकारी सन्तोष कुमार शर्मा ने नारायण डिग्री कॉलेज, शिकोहाबाद में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत संचालित निःशुल्क कोचिंग सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने कोचिंग सेंटर में उपलब्ध शैक्षणिक व्यवस्थाओं, अध्ययन सामग्री, डिजिटल सुविधाओं एवं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे मार्गदर्शन का जायजा लिया। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थी भी बेहतर तैयारी कर अपने भविष्य के सपनों को साकार कर सकें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कोचिंग सेंटर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके भविष्य के लक्ष्यों एवं करियर विकल्पों के बारे में जानकारी ली और उन्हें अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप सही दिशा चुनने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने युवाओं को किसी भी प्रकार के भटकाव से बचते हुए पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई एवं करियर पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। जिलाधिकारी ने सेंटर में स्थापित डिजिटल बोर्ड, अध्ययन सामग्री तथा विषयवार पाठ्यक्रम की प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है, ताकि वे अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर सफलता हासिल कर सकें। उन्होंने कोचिंग सेंटर की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर भी जोर दिया तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद भी मौजूद रहे।

31 अगस्त से पहले खरीफ फसलों का बीमा कराएं किसानसीडीओ ने बैंक समन्वयकों को दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त बैंक समन्वयकों को निर्देशित किया कि किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) धारक किसानों की खरीफ फसलों का बीमा 31 अगस्त से पूर्व अनिवार्य रूप से कराया जाए। उन्होंने कहा कि धान, बाजरा, मक्का एवं मिर्च जैसी खरीफ फसलों का बीमा अधिक से अधिक किसानों का कराया जाए, ताकि प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसलों को होने वाले नुकसान की स्थिति में किसानों को क्षतिपूर्ति का लाभ मिल सके। बैठक में उप कृषि निदेशक ने बताया कि फसल बीमा योजना के अंतर्गत गत वर्ष खरीफ सीजन में 1,364 किसानों को 4 करोड़ 87 लाख रुपये तथा रबी सीजन में 563 किसानों को 62 लाख 37 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान की गई। वहीं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत 3,902 किसानों को 3 करोड़ 62 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति दी गई। उन्होंने बताया कि सभी बैंकों के लिए केसीसी धारक किसानों का फसल बीमा कराया जाना अनिवार्य है। जो किसान अपना फसल बीमा नहीं कराना चाहते हैं, उन्हें 24 अगस्त से पूर्व अपनी संबंधित बैंक शाखा में लिखित रूप से सूचना देनी होगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर बीमा प्रक्रिया पूर्ण कराई जाए। बैठक में रमाकांत त्यागी, एलडीएम, सुमित कुमार चौहान, जिला कृषि अधिकारी, प्रमोद कुमार, बीएसए, डीसीबी प्रतिनिधि सहित समस्त बैंकों के समन्वयक मौजूद रहे।

दधिलीला रथयात्रा को लेकर आज 22 अगस्त को होगी बैठक

फिरोजाबाद। तदर्थ प्रशासनिक सनातन धर्म रामलीला समिति, फिरोजाबाद की ओर से दधिलीला रथयात्रा को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। नगर मजिस्ट्रेट एवं अध्यक्ष, तदर्थ प्रशासनिक श्री सनातन धर्म रामलीला महोत्सव समिति, फिरोजाबाद ने बताया कि आगामी 5 सितंबर 2026 को प्रस्तावित दधिलीला रथयात्रा के संबंध में 21 अगस्त 2026 को शाम 4 बजे उनके कार्यकक्ष में बैठक आयोजित की जानी थी। अपरिहार्य कारणों के चलते 21 अगस्त को प्रस्तावित बैठक स्थगित कर दी गई है। अब यह बैठक आज 22 अगस्त 2026 को शाम 4 बजे नगर मजिस्ट्रेट/अध्यक्ष, तदर्थ प्रशासनिक श्री सनातन धर्म रामलीला महोत्सव समिति, फिरोजाबाद के कार्यकक्ष में आयोजित की जाएगी। उन्होंने संबंधित लोगों से अपील की है कि दधिलीला रथयात्रा कार्यक्रम से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी एवं आवश्यक विवरण के साथ निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित हों, ताकि आगामी कार्यक्रम की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं दिशा-निर्देश दिए जा सकें।

कानपुर में स्टंटबाज बाइकर्स पर होगी सख्ती, हेलमेट पहनना अनिवार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। सड़कों पर स्टंट करने वाले बाइकर्स के खिलाफ विशेष अभियान चलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों पर भी सख्ती बढ़ाई जाएगी। शुक्रवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराने के निर्देश दिए गए। सड़कों से अतिक्रमण हटाने में ढिलाई पर पीडब्ल्यूडी के दो अधिशासी अभियंताओं से स्पष्टीकरण भी तलब किया गया। एनएच-34 पर उपखनिजों की ढुलाई करने वाले वाहनों की ओवरलोडिंग के खिलाफ भी जांच और प्रवर्तन तेज किया जाएगा। समीक्षा में सामने आया कि उपखनिज ढोने वाले कुछ वाहन अपनी नंबर प्लेट छिपा लेते हैं अथवा वह स्पष्ट दिखाई नहीं देती। जुलाई में ऐसे मामलों में यातायात विभाग द्वारा 435 चालान किए गए। जिलाधिकारी ने ओवरलोडिंग की सघन जांच करने के साथ वाहनों की नंबर प्लेट स्पष्ट रूप से दिखाई देना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्टंट करने वाले बाइकर्स के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों की जांच बढ़ाने को कहा। उन्होंने पुलिस और परिवहन विभाग को सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार प्रवर्तन कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जुलाई 2026 में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस एवं परिवहन विभाग ने बड़े पैमाने पर प्रवर्तन कार्रवाई की।

दोनों विभागों के आंकड़ों को मिलाकर बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने के 39,021, रॉन्ग साइड ड्राइविंग के 11,778 और ओवर स्पीडिंग के 9,151 प्रकरणों में कार्रवाई की गई।

राहुल पाटकार बने मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के कोंच नगर अध्यक्ष

कोंच(जालौन)- सूबे में विधानसभा आम चुनाव 2027 नजदीक आते ही सभी राजनैतिक पार्टियां संगठन स्तर पर पार्टी को मजबूत करने में जुट गई हैं। इसी क्रम में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के फ्रंटल संगठन मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के रिक्त चल रहे कोंच नगर अध्यक्ष पद पर युवा नेता राहुल पाटकार को नियुक्त किया गया है। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष मो. अरशद कादरी ने कोंच नगर के मोहल्ला प्रताप नगर निवासी युवा नेता राहुल पाटकार को ब्रिगेड का नगर अध्यक्ष मनोनीत कर सपा की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने और संगठन को गति देने के निर्देश दिए हैं। वहीं सपा नगर अध्यक्ष और सभासद अमित यादव, छात्रसभा जिलाध्यक्ष रामानंद कुशवाहा, सभासद रघुवीर कुशवाहा, मुलायम सिंह कुशवाहा आदि नेताओं कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राहुल पाटकार का फूलमालाओं से स्वागत कर मुंह मीठा कराया। नव नियुक्त नगर अध्यक्ष राहुल पाटकार ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वह पूर्ण निष्ठा के साथ पार्टी को आगे ले जाने में अपना योगदान देंगे।

संक्षिप्त खबरें

ग्राम पंचायत तेंन्दुई में सुविधाओं से सुसज्जित खूबसूरत पंचायत भवन बना आकर्षण का केंद्र

लालगंज मीरजापुर। विकास खंड हलिया की ग्राम पंचायत तेंन्दुई में ग्राम प्रधान के सहयोग एवं ग्राम विकास अधिकारी आशीष यादव की देखरेख में पंचायत भवन को बेहद खूबसूरत और व्यवस्थित रूप दिया गया है। पंचायत भवन को ग्रामीणों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जहां आम लोगों को पंचायत से संबंधित कार्यों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। भवन की साफ-सफाई, सुंदरता और व्यवस्थित स्वरूप ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। पंचायत भवन में आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था होने से ग्रामीणों को अब पंचायत स्तर के विभिन्न कार्यों के लिए बेहतर वातावरण मिल सकेगा। ग्राम विकास अधिकारी आशीष यादव द्वारा पंचायत भवन की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है, वहीं ग्राम प्रधान द्वारा भी विकास कार्यों में सहयोग करते हुए भवन को आकर्षक एवं सुविधाजनक बनाने का प्रयास किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत भवन का सुंदर और व्यवस्थित होना ग्राम पंचायत के विकास की तस्वीर को दर्शाता है। पंचायत भवन में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगा, जिससे उन्हें छोटे-बड़े पंचायत संबंधी कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। तेंन्दुई ग्राम पंचायत का यह पंचायत भवन ग्रामीणों के लिए सुविधा का नया केंद्र बनता दिखाई दे रहा है।

स्काईलाइन स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया सावन महोत्सव

सीखड़ संवाद, स्काईलाइन स्कूल में आज 21 अगस्त 2026 को सावन महोत्सव का आयोजन बड़े उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सावन मास की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विशेषताओं के बारे में जानकारी दी गई।कार्यक्रम में बच्चों ने कजली गायन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। विद्यालय परिसर में झूले लगाए गए, जिन पर बच्चों ने उत्साहपूर्वक झूला झूलते हुए सावन की खुशियों का आनंद लिया। इसके साथ ही बच्चों ने सावन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रिंसिपल सूर्यकांत सिंह ने बताया कि यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बच्चों को भारतीय लोक-संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के प्रति प्रेम से जोड़ने का भी सुंदर माध्यम बना। सावन की हरियाली, लोकगीतों और बच्चों की खिलखिलाहट से पूरा विद्यालय परिसर उत्सव के रंग में रंग गया।,स्काईलाइन स्कूल का यह सावन महोत्सव बच्चों के लिए सीख, संस्कृति और आनंद का एक यादगार अनुभव बन गया।

बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत करेगा एफएलएन प्रशिक्षण: वरुण मिश्रा

» बीआरसी उरुवा में एफएलएन प्रशिक्षण का तीसरा बैच शुरू.
» प्रशिक्षण के तीसरे बैच में 100 शिक्षक ले रहे प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मेजा, प्रयागराज: बीआरसी उरुवा के सभागार में एफएलएन तथा एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित भाषा एवं गणित विषय का पांच दिवसीय' फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी' प्रशिक्षण के तीसरे बैच का शुभारंभ कल शुक्रवार 21 अगस्त 2026 को हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से,शिक्षकों के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता प्रशिक्षण के कार्यक्रम का लक्ष्य बच्चों में मजबूत शैक्षिक नीवं रखना है। ताकि ' बुनियाद शक्तिशाली तो शिक्षा सार्थक' का संदेश साकार हो सके और देश के भविष्य को गढ़ने में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। वहीं पूर्व एआरपी एवं प्रशिक्षण सन्दर्भदाता राजेश मिश्रा ने कहा कि यह प्रशिक्षण शिक्षकों को बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने में मदद करेंगा और यह प्रशिक्षण एनसीआरटी की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित है। इसका उद्देश्य शिक्षकों को खेल-खेल में पढ़ने के तरीके से अवगत कराना है और समस्त शिक्षकों को पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर उसे बच्चों तक पहुंचाने की अपील की। प्रशिक्षण में बुनियादी शिक्षा की महत्ता पर विशेष ध्यानाकर्षित किया जा रहा है। कक्षा तीन में एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों के लागू होने के बाद ब्लॉक के बच्चों में भाषाई प्रवीणता, गणितीय दक्षता एवं अंग्रेजी भाषा में निपुणता प्राप्त करने में सहजता होगी। विशेषतः कक्षा 4 में किताबों में बदलाव, बच्चों के बदलते परिदृश्य के साथ-साथ सजक एवं प्रतियोगिता से जुड़ाव का महती उपयोग है। वहीं एआरपी एवं प्रशिक्षण सन्दर्भदाता अजीत मिश्रा ने कहा कि प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों को भाषा और गणित की मजबूत नींव प्रदान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्राथमिक स्तर पर बच्चों को खेल-खेल में, गतिविधि आधारित शिक्षण एवं रुचिकर शिक्षण पद्धतियों से जोड़कर ही शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार लाया जा सकता है।

गतिविधि आधारित शिक्षण: शिक्षकों को नई एनसीईआरटी/राज्य पाठ्यपुस्तकों और टीएलएम के उपयोग द्वारा शिक्षण को सहज बनाने की तकनीक बताई जाएगी। सन्दर्भदाता एआरपी रामानंद शुक्ला ने कहा कि निपुण लक्ष्य की प्राप्ति कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों को समझ के साथ पढ़ने और बुनियादी गणितीय गणनाओं में निपुण बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। शिक्षण-अधिगम सामग्री के प्रयोग और रचनात्मक मूल्यांकन के तरीकों पर संदर्भदाताओं द्वारा विस्तृत प्रकाश डाला जाएगा। तीसरे बैच के प्रशिक्षण सत्र में एआरपी संदर्भदाता के रूप में पूर्व एआरपी राजेश मिश्रा, एआरपी रामानन्द शुक्ला, अजीत मिश्रा, जगदीश मिश्रा व प्रमोद शुक्ला द्वारा उपस्थित शिक्षकों को निपुण भारत की रूपरेखा, बाल-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों एवं वर्कबुक के सही के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। बीआरसी उरुवा में एफएलएन प्रशिक्षण क्वालटी कोऑर्डिनेटर पूजा यादव व कृष्ण कुमार शुक्ला की देखरेख में चल रही है। उक्त अवसर पर अजय ओझा, साकेत तिवारी, कृष्ण प्रकाश सिंह, राजेश शुक्ला, सविता जैसल, रुक्मिणी पांडेय, राखी शुक्ला, राम इकबाल राम, ज्योति चौरसिया, पूनम पांडेय, सोनम वर्मा, निशा, राजेश गौतम, गीता त्रिपाठी, विजय कुमारी पटेल, नीता, पुष्पलता सिंह व राकेश मिश्रा आदि विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

प्लम्बरो को दिया गया तकनीकी प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्लास्टिक पाइपिंग सिस्टम डिविजन द्वारा अपने अधिकृत डीलर रामजी मुरारी लाल ट्यूब कंपनी चुनार के तत्वावधान में बुधवार को नगर के स्टेशन रोड स्थित नन्द विलास होटल में प्लंबिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य प्लम्बरो को आधुनिक प्लम्बिंग तकनिकों की जानकारी देकर उनके तकनीकी कौशल को और बेहतर बनाना रहा। इस कार्यक्रम में तहसील क्षेत्र के सैकड़ों प्लम्बरो ने उत्साह पूर्वक नवीनतम तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण लिया। कार्यक्रम में चुनार नगर के रामजी मुरारीलाल लाल ट्यूब कंपनी के डीलर अमित गुप्ता, अनुराग ब्रदर्स के डीलर अनुराग वर्मा,भारत प्लाइवुड के डीलर राजीव कुशवाहा एवं हिंदुस्तान हार्डवेयर के डीलर तारिक अहमद उपस्थित रहे।

कम्पनी के तकनीकी टीम में शरद यादव, लव कुमार ने कार्यक्रम में सहभागिता कर प्रतिभागियों को मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के अन्त में उत्कर्ष सिंह ने सभी प्रतिभागियों को टूल किट देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक अमित कुमार गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

धसड़ा राजा गांव में पहुंचे लेखपाल, आपदा प्रभावित क्षेत्रों का किया मौका-मुआयना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, मीरजापुर। विकास खंड लालगंज क्षेत्र के ग्राम धसड़ा राजा में लेखपाल रामप्रकाश द्विवेदी ने गांव पहुंचकर मौके का मुआयना किया। उन्होंने गांव के विभिन्न हिस्सों में भ्रमण कर ग्रामीणों से मुलाकात की और बारिश एवं संभावित आपदा से हुए नुकसान की जानकारी ली। लेखपाल ने ग्रामीणों से घरों, रास्तों तथा अन्य स्थानों की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए स्वयं भी मौके पर स्थिति का जायजा लिया। मुआयने के दौरान गांव के लोगों से बातचीत कर यह जानकारी जुटाई गई कि कहीं भारी बारिश के कारण किसी प्रकार की जनहानि, मकान क्षति अथवा अन्य गंभीर आपदा तो नहीं हुई है। ग्रामीणों से मिली जानकारी तथा मौके पर किए गए निरीक्षण के बाद गांव में ऐसी कोई बड़ी आपदा या गंभीर नुकसान की स्थिति सामने नहीं आई। लेखपाल रामप्रकाश द्विवेदी ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है और किसी भी प्रकार की आपदा या नुकसान की सूचना मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

लेखपाल के गांव पहुंचकर मुआयना किए जाने से ग्रामीणों को भी राहत मिली। ग्रामीणों ने प्रशासन की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी लेने की सराहना की। इस दौरान गांव की वास्तविक स्थिति का जायजा लेते हुए ग्रामीणों से लगातार संपर्क बनाए रखने पर भी जोर दिया गया।

महिला सशक्तिकरण के दावों के बीच वायरल वीडियो ने उठाए पुलिस कार्रवाई पर सवाल

लाठी-डंडे से दो महिलाओं की कथित पिटाई का वीडियो वायरल, पीड़िता ने 112 पर सूचना देने के बाद भी प्रभावी कार्रवाई न होने का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को्षऊ लेकर मिशन शक्ति समेत विभिन्न अभियान चलाकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। महिलाओं को किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या हिंसा की स्थिति में तत्काल पुलिस की मदद लेने और हेल्पलाइन नंबर पर सूचना देने की अपील की जाती है। इसी बीच हलिया थाना क्षेत्र के अहुंगी कला गांव से सामने आए कथित मारपीट के वायरल वीडियो ने पुलिस कार्रवाई को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो में दो महिलाओं के साथ लाठी-डंडे से मारपीट किए जाने का दावा किया जा रहा है। मामले में पीड़िता मुन्नी देवी ने थाना अध्यक्ष को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि एक व्यक्ति लाठी-डंडा लेकर उसके घर पहुंचा और उसके साथ मारपीट करने लगा। पीड़िता के अनुसार, जब उसकी बहू बीच-बचाव करने के लिए पहुंची तो उसके साथ भी कथित तौर पर मारपीट की गई। आरोप है कि घटना के दौरान गाली-गलौज करने के साथ जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़िता द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार, इससे पहले 19 अगस्त को भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। उस समय मामले की सूचना 112 नंबर पर दी गई थी। आरोप है कि पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने के बाद वापस लौट गई। पीड़िता का आरोप है कि पुलिस के लौटने के बाद दोबारा उसके घर पहुंचकर मारपीट की गई। इसी दौरान उसकी छोटी नातिन ने घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पीड़िता का कहना है कि दूसरी घटना की सूचना भी तत्काल 112 पुलिस को दी गई। उसके मुताबिक पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन इसके बावजूद अभी तक मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। पीड़िता ने थाना अध्यक्ष से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपों की पुष्टि होने पर संबंधित लोगों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने तथा भविष्य में दोबारा मारपीट या किसी अप्रिय घटना से सुरक्षा दिलाने की मांग की है। महिला सुरक्षा के दावों के बीच उठे सवालः सरकार और पुलिस विभाग की ओर से महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को घरेलू हिंसा, उत्पीड़न और अन्य घटनाओं की स्थिति में पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया जाता है। ऐसे में यदि वायरल वीडियो और पीड़िता द्वारा लगाए गए आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद भी कथित रूप से दोबारा मारपीट की स्थिति क्यों बनी। हालांकि वायरल वीडियो और शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। मामले में पुलिस जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। अब निगाहें हलिया पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं कि वायरल वीडियो और पीड़िता की शिकायत का संज्ञान लेकर पूरे मामले की जांच किस स्तर तक की जाती है और आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ क्या कानूनी कार्रवाई की जाती है।

कोटारनाथ धाम में नदी किनारे शौचालय निर्माण पर सवाल, ग्रामीणों ने मानकों की जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। हलिया क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कोटारनाथ धाम परिसर में नदी किनारे बनाए जा रहे सार्वजनिक शौचालय के निर्माण को लेकर ग्रामीणों और स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों ने निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों की अनदेखी और गुणवत्ता में कथित लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रशासन से पूरे मामले की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सार्वजनिक शौचालय का निर्माण जरूरी है, लेकिन नदी के किनारे निर्माण होने के कारण इसकी गुणवत्ता के साथ-साथ गंदे पानी की निकासी और अपशिष्ट प्रबंधन की उचित व्यवस्था भी बेहद महत्वपूर्ण है। आरोप है कि मौके पर शौचालय के लिए बनाए जा रहे आधार और गड्ढे में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता को लेकर भी संदेह है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में मानक के अनुरूप सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इससे भवन की मजबूती और लंबे समय तक उपयोगिता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का यह भी आरोप है कि निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराकर औपचारिकता पूरी करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि इन आरोपों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

तकनीकी जांच की मांग ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि किसी सक्षम तकनीकी अधिकारी की टीम भेजकर निर्माण स्थल का स्थलीय निरीक्षण कराया जाए। निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता, आधार की मजबूती, गड्ढे की गहराई और संरचना के साथ जल निकासी की व्यवस्था की जांच कराई जाए। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित संस्था और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि समय रहते जांच नहीं हुई तो निर्माण पूरा होने के बाद खामियों को दूर करना मुश्किल होगा और सरकारी धन का भी नुकसान हो सकता है। कोटारनाथ धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग पहुंचते हैं।

ऐसे में सार्वजनिक शौचालय की सुविधा को महत्वपूर्ण बताते हुए ग्रामीणों ने कहा कि निर्माण मजबूत और निर्धारित मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के किनारे होने के कारण यह भी सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि शौचालय से निकलने वाला गंदा पानी सीधे नदी में न पहुंचे। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मामले का संज्ञान लेकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने और जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल निर्माण कार्य को लेकर लगाए गए आरोपों पर संबंधित संस्था अथवा विभागीय अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि निर्माण में वास्तव में मानकों का पालन किया जा रहा है या नहीं।

दिव्यांग व्यक्ति के मकान पर भाई द्वारा ही जबरन कब्जा, एसडीएम से न्याय की गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। इटियाथोक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत तारी परसोहिया निवासी नियाज अहमद पुत्र इब्राहिम, जो दिव्यांग हैं, अपने ही मकान और जमीन पर अधिकार पाने के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। पीड़ित ने अपने छोटे भाई फरियाद अहमद और पिता इब्राहिम पर दबंगई के बल पर उसके नाम दर्ज भूमि एवं मकान पर कब्जा करने का प्रयास किए जाने का आरोप लगाया है। नियाज अहमद के अनुसार, गाटा संख्या 556 में दर्ज भूमि पर बने मकान में उसका भी बराबर का हिस्सा है और संबंधित अभिलेखों में दोनों भाइयों के नाम दर्ज हैं। आरोप है कि इसके बावजूद उसके छोटे भाई द्वारा उसके हिस्से के मकान पर कब्जा किया गया है और उसे उसका हिस्सा नहीं दिया जा रहा है। पीड़ित का यह भी आरोप है कि उसके पिता के पास जो अन्य जमीन थी, वह छोटे बेटे के नाम कर दी गई, जबकि अब उसके नाम दर्ज जमीन पर भी कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। दिव्यांग होने के कारण नियाज अहमद की स्थिति बेहद पीड़ादायक बताई जा रही है। अपने ही घर और जमीन पर अधिकार के लिए उन्हें अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पीड़ित ने उपजिलाधिकारी सदर से अपने मकान को कब्जा मुक्त कराकर उसके हिस्से पर कब्जा दिलाए जाने तथा उसके नाम दर्ज जमीन को सुरक्षित कराए जाने की गुहार लगाई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी सदर ने प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक तथा राजस्व निरीक्षक को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, पीड़ित का कहना है कि निर्देश के बावजूद अभी तक उसे न्याय नहीं मिल सका है। पीड़ित ने जिला प्रशासन और शासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच कराने, अवैध कब्जे की स्थिति में कब्जा हटवाने तथा उसे उसके हिस्से की संपत्ति पर वास्तविक कब्जा दिलाने की मांग की है, ताकि उसे अपने अधिकार के लिए दर-दर न भटकना पड़े।

विद्यालयी वाहनों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान

35 स्कूली वाहनों की हुई जांच, 02 वाहनों का चालान– बिना पूर्ण अभिलेखों के संचालन पर होगी कठोर कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं विद्यार्थियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उप संभागीय परिवहन कार्यालय, भदोही द्वारा 'Mission Safe Future 2' के अंतर्गत विद्यालयी वाहनों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 35 स्कूली वाहनों की जांच की गई। जांच में मानकों का अनुपालन न करने पर 02 वाहनों का चालान किया गया, जिसमें 01 वाहन फिटनेस फेल तथा 01 वाहन परमिट फेल पाया गया। इसके साथ ही वाहन चालकों एवं विद्यालय प्रबंधन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। परिवहन विभाग द्वारा स्कूल बस एवं निजी बस के वाहन स्वामियों को दूरभाष के माध्यम से निर्देशित किया गया कि वे अपने वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट, प्रदूषण प्रमाण-पत्र एवं बीमा प्रमाण-पत्र सहित सभी आवश्यक अभिलेखों को अद्यतन एवं पूर्ण रखें।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि भविष्य में बिना पूर्ण अभिलेखों के कोई विद्यालयी वाहन सड़क पर संचालित पाया गया तो संबंधित वाहन के विरुद्ध चालान, वाहन बंद करने तथा पंजीयन निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन), राम सिंह ने विद्यालय प्रबंधन एवं वाहन स्वामियों से अपील की कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी वाहनों का संचालन निर्धारित मानकों एवं सड़क सुरक्षा नियमों के अनुरूप ही सुनिश्चित करें।

बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों की व्यवस्थाओं का खंड विकास अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन में सभी विकासखंडों में दो-दो विद्यालयों का किया गया निरीक्षण, व्यवस्थाएं मिलीं व्यवस्थित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन में जनपद के समस्त विकासखंडों में खंड विकास अधिकारियों द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। प्रत्येक खंड विकास अधिकारी द्वारा दो-दो विद्यालयों का निरीक्षण कर विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षणिक एवं मूलभूत व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा विद्यालयों में मध्याह्न भोजन (एमडीएम), छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, ड्रेस वितरण एवं उपयोग, साफ-सफाई, पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। साथ ही कक्षाओं में पहुंचकर बच्चों से संवाद करते हुए उनके शैक्षणिक स्तर एवं पढ़ाई में हुई प्रगति की जानकारी ली गई। अधिकारियों ने शिक्षकों से भी पठन-पाठन की स्थिति, विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति तथा विद्यालय में संचालित गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों की व्यवस्थाएं सामान्यतः सुव्यवस्थित एवं संतोषजनक पाई गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विद्यालयों में स्वच्छता, गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन, बच्चों की नियमित उपस्थिति, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजन तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

सीएचसी डीघ की बदहाली पर उठे सवाल, अधीक्षक लगातार रहे नदारद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतामढ़ी। विकासखंड डीघ में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) इन दिनों अव्यवस्थाओं का शिकार नजर आ रहा है। अस्पताल में चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की स्थिति को लेकर मरीजों और तीमारदारों में नाराजगी है। सबसे गंभीर स्थिति अधीक्षक की उपस्थिति को लेकर सामने आई है। एक स्थानीय पत्रकार ने गुरुवार को दोपहर करीब 11:30 बजे सीएचसी का निरीक्षण किया तो अधीक्षक देवेश पांडे अपने कक्ष में मौजूद नहीं मिले। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की ओपीडी व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। सीएचसी में तीन ओपीडी संचालित होने के बावजूद मौके पर केवल एक ओपीडी में महिला चिकित्सक तैनात मिलीं। इससे इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं अस्पताल का एक्स-रे कक्ष भी खाली मिला। ऐसे में जांच और उपचार की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है।

गुरुवार के निरीक्षण के बाद शुक्रवार को एक बार फिर सीएचसी की स्थिति जानने के लिए निरीक्षण किया गया। इस दौरान भी अधीक्षक देवेश पांडे अस्पताल में मौजूद नहीं मिले। हालांकि उनके कक्ष का पंखा चलता हुआ मिला। अस्पताल कर्मियों से अधीक्षक के बारे में जानकारी ली गई तो बताया गया कि अधीक्षक साहब ज्ञानपुर में बैठक में गए हैं। इस संबंध में जब ज्ञानपुर स्थित सीएमओ कार्यालय से संपर्क कर बैठक के बारे में जानकारी ली गई तो वहां से बताया गया कि अधीक्षक की कोई बैठक नहीं थी। इससे अधीक्षक की अनुपस्थिति को लेकर स्थिति और अधिक सवालों के घेरे में आ गई है। लगातार दो दिनों तक अधीक्षक के अस्पताल में मौजूद नहीं मिलने और ओपीडी व एक्स-रे जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं की स्थिति सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों ने उच्चाधिकारियों से सीएचसी की व्यवस्थाओं की जांच कराने, चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी संतोष चक से बात की गई तो उन्होंने टीकाकरण का हवाला देते हुए कहा कि हो सकता है डॉक्टर टीकाकरण में हूं उनसे बात कर लीजिए वहीं पर इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक डीघ से संपर्क करने की कोशिश की गई परंतु उनका फोन रिसीव नहीं हुआ फोन रिसीव न होने का बात भी सीएमओ से की गई तो उन्होंने कहा कि मैं बात करता हूं।

संक्षिप्त खबरें

भगवत प्रसाद शुक्ल की पुण्यतिथि पर अर्पित हुई पुष्पांजलि

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के धधुआ गाजन स्थित आइस्टीन पब्लिक स्कूल के सभागार में गुरुवार की शाम समाजसेवी एवं शिक्षामनीषी पं0 भगवत प्रसाद शुक्ल की आठवीं पुण्यतिथि समारोहपूर्वक मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की निदेशिका श्रुति शुक्ला एवं संरक्षक विभवभूषण शुक्ल ने स्व0 शुक्ल के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया। शिक्षक एवं शिक्षार्थियों तथा अभिवावकों ने भी विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय भगवत प्रसाद शुक्ल के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। कार्यक्रम में बोलते हुए निदेशिका श्रुति ने कहा कि स्व. भगवत प्रसाद शुक्ल ने सादगीपूर्ण जीवन के साथ शैक्षिक एवं सामाजिक सरोकार को नई दिशा दी। विशिष्ट अतिथि डॉ0 सौरभ मिश्र रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षक विभवभूषण शुक्ल व संयोजन प्रधानाचार्य शुभ्रांशु सिंहा ने किया। संचालन उप प्रधानाचार्य आन्द्रे डिसिल्वा ने किया। इस मौके पर योगेन्द्र शुक्ला, महेन्द्र पाठक, गरिमा मिश्रा, देवेन्द्र मिश्र आदि रहे।

भाजपा कार्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह बाबू जी को दी गई श्रद्धांजलि

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय कल्याण सिंह 'बाबू जी' की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने बाबू जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि स्वर्गीय कल्याण सिंह का जीवन राष्ट्र, समाज और भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में संगठन को मजबूत करने तथा जनसेवा के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका सरल व्यक्तित्व, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सदैव कार्यकर्ताओं को प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि बाबू जी ने भारतीय जनता पार्टी को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनके विचार एवं आदर्श आज भी पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए मार्गदर्शक हैं। उनके बताए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय कल्याण सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर ग्राम ऐमापुर में अपर जिलाधिकारी ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

रायबरेली, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र द्वारा ग्राम ऐमापुर, मजरे ऐमापुर, परगना कुमरावां, तहसील महाराजगंज में पहुंचकर जलभराव एवं अन्य स्थानीय समस्याओं के संबंध में स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी द्वारा ग्रामवासियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना गया तथा मौके की स्थिति का जायजा लिया गया। ग्रामीणों द्वारा जलभराव, पेयजल एवं अन्य समस्याओं से अवगत कराया गया। अपर जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि शासन एवं जिला प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ उनके साथ खड़ा है। जनहित से जुड़ी समस्याओं के निराकरण में किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मौके की निरंतर निगरानी रखी जाए। यदि किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो तत्काल आवश्यक सहयोग एवं कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही ग्राम प्रधान एवं कोटेदार के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्य किया जाए, ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने जल निकासी सहित अन्य समस्याओं के प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखने को कहा। ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा मौके पर पहुंचकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुने जाने एवं समाधान का आश्वासन दिए जाने पर संतोष व्यक्त किया। इस मौके पर जिला आपदा विशेषज्ञ अंकित पाण्डेय भी साथ उपस्थित रहे।

जोर जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने के लिए राहुल गांधी सबसे आगे हैं- प्रमोद तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। राज्यसभा में उप नेता प्रतिपक्ष सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि आज देश की जनता के प्रति कोई नाइंसाफी,अन्याय एवं अत्याचार होता है तो उसके खिलाफ सबसे मजबूत आवाज उठाने वाला पूरे हिन्दुस्तान में कोई है तो वो है राहुल गांधी..। श्री तिवारी ने कहा कि जंतर मंतर पर चले पैलेट गन से घायल साहिल को लेकर राहुल गांधी शुक्रवार को सांसद मार्च थाने पर पहुंच कर एफआईआर दर्ज कराने की मांग किए। पैलेट गन चलाने वाले दोषियों एवं आदेश देने वालो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाना देश के युवाओं के साथ न्यायोचित होगा। श्री तिवारी ने कहा कि हर भाजपाई चंदा चोर नहीं है। भाजपा में एक से एक अच्छे लोग है लेकिन यह कहना पड़ेगा कि हर चंदा चोर भाजपा में है।श्री तिवारी ने कहा की महंगाई आज चरम पर है। चीनी, दाल सहित खाद्य सामग्री का दाम आसमान छू रहा है। किसानों को पहले बिजली नहीं मिली अब उर्वरक की मारामारी है जो सीधे पैदावार पर असर डालेगी। इसकी सारी जिम्मेदारी केंद्र व प्रदेश सरकार की है। सांसद प्रमोद तिवारी के प्रतापगढ़ के दो दिवसीय आगमन पर जिला अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी एवं उपाध्यक्ष डॉ प्रशांत देव शुक्ल के नेतृत्व में सैकड़ों पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भुपियामऊ चौराहे पर जोरदार नारेबाजी करते हुए स्वागत सम्मान किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता पण्डित श्याम किशोर शुक्ल, कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी, इरफान अली, विजय शंकर त्रिपाठी, राम शिरोमणि वर्मा, रवि भूषण सिन्हा, मासूम हैदर, प्रमोद कुमार तिवारी, मौलाना वाहिद, सरोज कश्यप, इन्द्रानंद तिवारी, काशी नारायण मिश्र, विमल सिंह, अशोक सिंह, सुरेश कुमार सरोज,डॉ. दीपक शुक्ल, चन्दन पाण्डेय, राम रतन तिवारी, अभय किशोर त्रिपाठी, भवानी शंकर दूबे, दुर्गेश तिवारी, रविंद्र मिश्र, राधे श्याम दूबे, महेन्द्र मिश्र, प्रदीप द्विवेदी, सुरेश मिश्र, सूर्य प्रकाश शुक्ल, पृथ्वी राज गौतम, आनंद प्रकाश, बटुक शंकर, ओ पी पाण्डेय, कृष्ण मणि,सलमान खान, मो दिलशाद, सुनील शुक्ल, यश द्विवेदी, फतेह बहादुर सिंह, सौरभ कश्यप, प्रमोद मिश्र, रियाज सिटी, सहजाद सलमानी,ऋषिकेश मिश्र आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

महिला आयोग की सदस्य 25 अगस्त को करेंगी जनसुनवाई व निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा 24 और 25 अगस्त को प्रतापगढ़ के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण, जनसुनवाई और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगी। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद के साथ रक्षाबंधन उत्सव में भी शामिल होंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 अगस्त को अपरान्ह 4 बजे महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा कौशाम्बी के भरवारी स्थित कैंप कार्यालय से प्रतापगढ़ के लिए रवाना होंगी। अपरान्ह 5.30 बजे निरीक्षण भवन, प्रतापगढ़ पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगी। 25 अगस्त को सुबह 8 बजे आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करेंगी। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और नवजात बच्चों का अन्नप्राशन कराया जाएगा। इसके बाद पूर्वान्ह 9 बजे वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया जाएगा। पूर्वान्ह 11 बजे मेडिकल कॉलेज, प्रतापगढ़ पहुंचकर निरीक्षण करेंगी और प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं से संवाद करेंगी। इसके बाद अपरान्ह एक बजे विकास भवन में जनसुनवाई एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित होगा।

अपरान्ह 2 बजे विकास भवन में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक होगी। इसके बाद अपरान्ह 3.30 बजे अफीम कोठी में सदर तहसील क्षेत्र के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद करेंगी। अपरान्ह 4 बजे रानीगंज कैंप कार्यालय, बभनमई-रामगढ़ में रक्षाबंधन उत्सव में शामिल होंगी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक धीरज ओझा की सहभागिता रहेगी।

महंगाई ने खराब किया रसोई का बजट

सिद्धार्थनगर। महंगाई ने रसोई का बजट बिगाड़ना शुरू कर दिया है। चीनी, गुड़ और ड्राई फ्रूट्स के दामों में अचानक तेजी आने से आम उपभोक्ता की जेब पर बोझ बढ़ गया है। सबसे ज्यादा तेजी चीनी के भाव में आई है। 15 दिन पहले 48 रुपये किलो बिकने वाली चीनी अब 62 रुपये किलो तक पहुंच गई है। पिछले तीन दिनों में ही इसके दाम करीब 10 रुपये किलो बढ़े हैं। 50 किलो के चीनी कट्टे पर भी तीन दिन में करीब 500 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। चीनी के दाम बढ़ने का असर घर की रसोई से लेकर मिठाई की दुकानों तक दिखाई देने लगा है। चाय, मिठाई और त्योहारों पर बनने वाले पकवानों में चीनी का इस्तेमाल होने के कारण आने वाले दिनों में इसकी मांग और बढ़ने वाली है। उसका ब्लाक क्षेत्र के संत गोपाल, राजन, दीप नारायण, गणेश शुक्ल, राज कुमार आदि ने सरकार से इस बढ़ते महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग की है।

स्कूल से घर के लिए निकला बालक का शव पोखरे से बरामद हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर। (सिद्धार्थनगर)। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत फूलपुर पांडेय गांव में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाला घटना सामने आया है। यहां स्कूल से घर लौट रहा एक सात वर्षीय मासूम संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया, जिसका शव गांव के गांव के पास स्थित एक तालाब से बरामद हुआ। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फूलपुर पांडे निवासी राजन प्रजापति का सात वर्षीय पुत्र शिवांश प्रजापति शुक्रवार को सुबह गांव के पास ही स्थित फूलपुर राजा कंपोजिट विद्यालय में पढ़ने गया था।दोपहर करीब डेढ़ बजे विद्यालय में छुट्टी होने के बाद वह अन्य बच्चों के साथ घर के लिए निकला था। जब दोपहर दो बजे तक मासूम शिवांश अपने घर नहीं पहुंचा, तो परिजनों को चिंता हुई। परिवार के लोगों ने तत्काल विद्यालय में फोन कर पूछताछ की, जहां से जानकारी मिली कि बच्चा काफी पहले ही घर के लिए रवाना हो चुका है। अनहोनी की आशंका से घबराए परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर बच्चे की खोजबीन शुरू की। काफी तलाश करने के बाद शाम करीब साढ़े चार बजे फूलपुर राजा गांव के दक्षिण दिशा में स्थित एक तालाब में बच्चे की चप्पल उतराती हुई दिखाई दी। इस पर ग्रामीणों ने तुरंत तालाब में उतरकर खोजबीन की, तो शिवांश का शव बरामद हुआ। पानी से बाहर निकाले जाने तक मासूम की मौत हो चुकी थी। कंपोजिट विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका ने बताया कि शिवांश का आधिकारिक रूप से विद्यालय में नामांकन नहीं हुआ था। वह पिछले दो चार दिनों से गांव के अन्य बच्चों के साथ केवल पढ़ने के लिए विद्यालय आ रहा था।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की। मामले में बिस्कोहर चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही ने बताया कि परिजनों ने इस घटना को एक हादसा मानते हुए किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई करने से साफ इनकार कर दिया है। परिजनों की लिखित सहमति और मांग के बाद पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को अंतिम संस्कार के लिए उनके सुपुर्द कर दिया है।

शोहरतगढ़ में चलाया गया मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो अभियान

महिलाओं को सुरक्षा और हेल्पलाइन की दी जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर शुक्रवार को थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र के छतहरी आदि स्थानों पर मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत बहू-बेटी सम्मेलन एवं जनचौपाल जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को महिला अपराधों से बचाव, साइबर अपराध तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के निर्देशन में अभियान संचालित हुआ। साइबर थाना प्रभारी के नेतृत्व में मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो अभियान भी चलाया गया।

पुलिस टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने साथ होने वाले अपराधों से बचाव के उपाय बताए। साथ ही थाना परिसर में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि महिलाएं यहां अपनी समस्याएं दर्ज करा सकती हैं। जागरूकता कार्यक्रम में 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस, 101 अग्निशमन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा नए कानून एवं नई धाराओं की जानकारी देते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई।मिशन शक्ति टीम में उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला आरक्षी शोभा भारती, महिला आरक्षी अंबिका एवं महिला आरक्षी उर्मिला शामिल रहीं।

बारावफात, रक्षाबंधन व जन्माष्टमी को लेकर पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। आगामी बारावफात, रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी बिस्कोहर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम प्रधानों, संभ्रांत नागरिकों, जुलूस आयोजकों तथा हिंदू-मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरुओं और मौलवियों ने भाग लिया। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। साथ ही उच्चाधिकारियों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया और आपसी सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया गया। बैठक प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय के नेतृत्व में आयोजित हुई। इस दौरान उपनिरीक्षक तालीमुद्दीन खान, इशांशु श्रीवास्तव, विजय कुमार, इंदरजीत सिंह, आशीष मौर्य, कांस्टेबल अजय यादव बलराम सिंह, अनुज राम त्रिपाठी, मोहम्मद आरिफ, शाहिद अजीज सिद्दीकी, जितेन्द्र मौर्या, तौहीर अहमद, वाजिद अली, मोईद खान, एजाज शाह, अखलाक अहमद, राम सुमिरन यादव, अकरम शाह, अब्दुल रब, अब्दुल हकीम आदि मौजूद रहे।

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दो गिरफ्तार

देवरिया। आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में खुखुंदू पुलिस ने शुक्रवार को दो आरोपितों बृजेश शिशा (25) और रिंकू देवी (38) को गांगी रोड तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ 20 अगस्त को जयराम यादव की तहरीर पर बीएनएस की धारा 108 में मुकदमा दर्ज किया गया था।

विद्यालय का ताला तोड़ चोरी की घटना को दिया अंजाम

महराजगंज (ठूठीबारी)। बीती रात को प्राथमिक विद्यालय छोटका टोला भरवलिया में चोरों ने आफिस व किचन रूम का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। शुक्रवार की सुबह जब प्रधानाध्यापक विनय राज वर्मा विद्यालय पहुँचे तो आफिस व किचन का ताला टूटा देख होश उड़ गए। तत्काल डायल 112 पर फोन कर चोरी की घटना की जानकारी दी। प्रधानाचार्य विनय राज वर्मा ने बताया कि किचन रूम से एक बंडल थाली (30 पीस) गिलास 30 पीस चम्मच 30 पीस व राशन उठा ले गये। वही 16 जुलाई 2026 को भी चोरों ने किचन का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस से शिकायत के बाद भी कोई ठोस कार्यवाही न होने से पुनः चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इस बाबत पुलिस क्षेत्राधिकारी रविन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है।

सवर्ण आयोग का गठन किया जाय तथा आर्थिक आधार पर आरक्षण हो-रामलखन सिंह

क्षत्रिय कल्याण परिषद ने डीएम को ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद की प्रतापगढ़ इकाई के जिला अध्यक्ष राम लखन सिंह ने राष्ट्रीय इकाई के निर्देश पर शुक्रवार को राष्ट्रपति को संबोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी द्वारा नामित अधिकारी को जिला इकाई के पदाधिकारियों के साथ सौंपा। ज्ञापन में केन्द्र सरकार से मांग की गई है कि सवर्ण आयोग का गठन किया जाय तथा एससी एसटी एक्ट को पूर्णतया समाप्त किया जाय एवं प्रमोशन में आरक्षण को समाप्त करते हुए आर्थिक आधार पर आरक्षण का लाभ सभी वर्गों एवं जातियों को समान रूप से दिया जाय। अध्यक्ष ने ज्ञापन सौंपने के उपरान्त उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए ज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर करणी सेना के जिला अध्यक्ष अनुज सिंह, श्याम नारायण सिंह, डा. विशाल सिंह, आरबी सिंह, दिनेश प्रताप सिंह, धनञ्जय सिंह, अमित सिंह रज्जू, शिव कुमार सिंह, शैलेश सिंह, शमशेर सिंह, सुरेश बहादुर सिंह, जयसिंह, डब्बू सिंह आदि की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही।अन्त डा. विशाल सिंह ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

सीडीओ द्वारा राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास नाउसाण्डा का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकर नगर। मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने आज राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास नाउसाण्डा विकास खण्ड टाण्डा का निरीक्षण किया। सीडीओ ने निरीक्षण के दौरान पाया कि छात्रावास में कुल 16 छात्र हैं। मौके पर अमरजीत मौर्य अधीक्षक उपस्थित मिले। इस अवसर पर उपस्थित छात्र गोयल, विशाल कुमार, विजय कुमार, विक्रम, आशुतोष आदि द्वारा बताया गया कि छात्रावास में साईकिल स्टैण्ड एवं लाइब्रेरी की व्यवस्था किए जाने के संबंध में अवगत कराया जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने मौके पर उपस्थित खण्ड विकास अधिकारी, टाण्डा को निर्देशित कि छात्रावास में डिजीटल लाइब्रेरी सिफ्ट किया जाय तथा साईकिल स्टैण्ड शेड हेतु डिमाण्ड प्रेषित किया जाय। छात्रावास में समूह की महिलाओं द्वारा भोजन की व्यवस्था की गई है, मुख्य विकास अधिकारी ने बच्चों को नियमित गुणवत्तापूर्ण भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने बच्चों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन करने एवं अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कड़ी मेहनत करने हेतु प्रेरित किया गया। चौपालों में प्राप्त अधिकांश शिकायतें जमीनी विवाद एवं राजस्व संबंधी मामलों से संबंधित रहीं। ऐसे मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों तथा लेखपालों द्वारा मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों की बात सुनी गई और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए विवादों के समाधान का प्रयास किया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम चौपाल का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि ग्रामीणों की समस्याओं का उनकी ग्राम पंचायत में ही त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक शिकायतकर्ता को संतुष्टिपरक समाधान उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता का नियमित रूप से भौतिक सत्यापन करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन की मंशा के अनुरूप ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही प्रभावी समाधान प्राप्त हो।

भाजपा कार्यालय पर पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या की अध्यक्षता में राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, पद्म विभूषण कल्याण सिंह 'बाबूजी' की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि परम रामभक्त 'बाबूजी' कल्याण सिंह का संपूर्ण जीवन रामकाज, राष्ट्रनिष्ठा, सांस्कृतिक चेतना और लोक-कल्याण के प्रति समर्पित रहा। उनके साहसिक एवं ऐतिहासिक योगदान तथा सुशासन के प्रति अखंड प्रतिबद्धता को राष्ट्र युगों-युगों तक स्मरण करता रहेगा। वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन कार्यकर्ताओं और समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष लालजी त्रिपाठी उर्फ लाल बाबा, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव, पवन मिश्रा,फूलचंद जायसवाल,फतेह बहादुर सिंह, जिला उपाध्यक्ष आशीष शुक्ल, मनोज मौर्या अजय उपाध्याय, तेजू विश्वकर्मा, अनुराग श्रीवास्तव, रमेश मणि त्रिपाठी, सतीश रस्तोगी, देवेंद्र मिश्र, राजेश दुबे, महेंद्र लोधी, अर्चिष्मान मिश्र, दिवाकर विक्रम सिंह, अरविंद उपाध्याय, नागेंद्र विश्वकर्मा, मनोज लोधी, कंचन सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध कच्ची शराब के अड्डों पर आबकारी विभाग की दबिश, 28 लीटर शराब बरामद व दो अभियोग पंजीकृत

रायबरेली, आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों के क्रम में विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के आदेशानुसार जिला आबकारी अधिकारी के कुशल नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-3 की टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्रवाई की गई। आबकारी टीम द्वारा तहसील लालगंज के थाना खीरो एवं गुरुबख्शगंज अंतर्गत ग्राम रघुनाथ खेड़ा तथा भीतरगांव बाजार में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों एवं संदिग्ध घरों पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान 28 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में 02 अभियोग पंजीकृत किए गए। जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए इस प्रकार की प्रवर्तन कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

मिशन शक्ति के तहत पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांसी (सिद्धार्थनगर)। मिशन शक्ति के तहत शुक्रवार को थाना शिवनगर डिड्डई पुलिस ने प्राथमिक विद्यालय कड़सरा में महिला सशक्तिकरण हेतु बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित कर छात्र-छात्राओं को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया। क्षेत्राधिकारी बांसी शुभेंदु सिंह के निर्देशन तथा थानाध्यक्ष बृजेश सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में उपनिरीक्षक रामधनी प्रसाद एवं महिला कांस्टेबल शालिनी वर्मा ने छात्र-छात्राओं को गुड टच-बैड टच के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

पुलिस टीम ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। एंटी रोमियो अभियान के तहत डिड्डई चौराहे पर चेकिंग के दौरान दो व्यक्तियों को माफीनामा एवं उचित हिदायत देकर छोड़ा गया। साइबर अपराध से बचाव के प्रति भी जागरूक किया। पुलिस ने 112, 1090, 1076, 108, 1930, 1098, 102, 181 एवं 101 हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी।

नौ लाख रूपये की लागत से गांधी आदर्श इंटर कॉलेज के खेल मैदान में बनेगा शौचालय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। गांधी आदर्श इंटर कॉलेज के खेल मैदान में विद्यार्थियों एवं कार्यक्रमों में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए शौचालय का निर्माण कराया जाएगा। 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत नौ लाख रुपये की लागत से होने वाले निर्माण कार्य का शुक्रवार को नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरी ने विधिवत भूमि पूजन कर शुभारंभ किया। विदित हो स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष ने खेल मैदान में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए शौचालय निर्माण कराने की घोषणा की थी। इसी क्रम में शुक्रवार को पूजा-अर्चना के साथ निर्माण कार्य शुरू कराया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरी ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पंचायत की प्राथमिकता है। खेल मैदान में शौचालय का निर्माण होने से विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ ही यहां आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोगों को भी सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर गांधी आदर्श इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य विजय कुमार वर्मा, सिद्धार्थ शंकर पाठक, रवि अग्रहरी, युवा नेता अनिल अग्रहरी, मनेनीत सभासद रामधनी मौर्य, ध्रुव चतुर्वेदी, राजेश्वर सिंह, रामराज कन्नौजिया, अभिषेक यादव, बृजेश अग्रहरी, बरकत अली समेत विद्यालय के शिक्षक, नगर पंचायत कर्मचारी एवं नगरवासी मौजूद रहे।

चोरी के आभूषण और नकदी समेत आरोपित गिरफ्तार

देवरिया। जनपद की बघौचघाट पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने चोरी के मामले का पर्दाफाश करते हुए रहमत शाह (30) को रामपुर महुआबारी चौराहे के पास ईंट-भट्ठे के समीप से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से सैमसंग का मोबाइल बरामद किया।

उसकी निशानदेही पर घर से चोरी के आभूषण और 1,100 रुपये नकद भी बरामद हुए। पुलिस के अनुसार 15 जुलाई को दर्ज मुकदमे में शिकायतकर्ता ने बताया था कि परिवार के साथ बाहर जाने के बाद लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और आलमारी व बक्से से आभूषण तथा नकदी चोरी थी। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) बढ़ाई गई है।

आरटीआई में रिकॉर्ड गायब होने का बहाना नहीं चलेगा, हाई कोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। पटना हाई कोर्ट ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सरकारी रिकॉर्ड फटे, अपठनीय या गायब होने का हवाला देकर नागरिक को सूचना देने से इनकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि सरकारी अभिलेखों को सुरक्षित रखना राज्य की जिम्मेदारी है। रिकॉर्ड संभालकर रखने में हुई अपनी विफलता का लाभ राज्य नागरिक को सूचना देने से इनकार करने के लिए नहीं उठा सकता। जरूरत पड़ने पर पुराने अभिलेखों का पुनर्निर्माण कर सूचना उपलब्ध करानी होगी।

रिकॉर्ड नहीं मिला तो दोबारा तैयार करना होगा

न्यायाधीश राज कुमार की एकलपीठ ने सीवान निवासी मो. रिजवान की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिकाकर्ता ने आरटीआई के तहत बरवर्दा और रजिस्टर-दो की प्रमाणित प्रति मांगी थी। अधिकारियों ने सूचना देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि मूल अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं और मौजूद प्रतिलिपि फटी एवं अपठनीय है। हाई कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया और संबंधित आदेशों को रद कर दिया।

एक तरफ रिकॉर्ड गायब, दूसरी तरफ फोटोकॉपी मौजूद

अदालत ने अधिकारियों के तर्क को विरोधाभासी माना। कोर्ट ने कहा कि एक तरफ मूल अभिलेख उपलब्ध नहीं होने की बात कही जा रही है, जबकि दूसरी तरफ उसकी फोटोकॉपी मौजूद होने की बात भी सामने आ रही है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति आरटीआई कानून की मूल भावना के अनुरूप नहीं है। नागरिक द्वारा मांगी गई सूचना को केवल रिकॉर्ड की खराब स्थिति का हवाला देकर रोका नहीं जा सकता।

बरवर्दा को कोर्ट ने माना सार्वजनिक दस्तावेज

हाई कोर्ट ने यह भी माना कि बरवर्दा एक सार्वजनिक दस्तावेज है। इसका इस्तेमाल दीवानी मुकदमों में साक्ष्य के तौर पर किया जा सकता है। इसलिए ऐसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों का सुरक्षित रखा जाना जरूरी है। अदालत ने कहा कि यदि मूल रिकॉर्ड क्षतिग्रस्त हो चुका है या उपलब्ध नहीं है तो राजस्व अभिलेखों के आधार पर उसका पुनर्निर्माण किया जा सकता है। जरूरत पड़ने पर रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में भी सुरक्षित किया जा सकता है।

चार सप्ताह में रिकॉर्ड खोजने का निर्देश

कोर्ट ने सीवान के जिला पदाधिकारी और अंचलाधिकारी को चार सप्ताह के भीतर संबंधित रिकॉर्ड की भौतिक खोज करने का निर्देश दिया।

यदि रिकॉर्ड नहीं मिलता है तो उसका पुनर्निर्माण कराने को कहा गया है। इसके बाद आवश्यकता के अनुसार दस्तावेजों को डिजिटाइज कर उनकी प्रमाणित प्रति याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।कोर्ट के इस फैसले से आरटीआई के जरिए सरकारी रिकॉर्ड मांगने वाले नागरिकों के अधिकारों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

ईस्टमैन चौक से सूआ रोड तक जर्जर हुई सड़क बनी हादसों का कारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- ढंडारी कला के ईस्टमैन चौक से सूआ रोड को जोड़ने वाली करीब चार किलोमीटर लंबी सड़क इन दिनों क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी मुसीबत ऊबनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे, टूटी हुई परत और लगातार ओवरफ्लो हो रही सीवरेज के कारण लोगों का आवागमन बेहद जोखिम भरा हो गया है। रोजाना हजारों वाहन चालक, स्कूली बच्चे और कामकाजी लोग इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन बदहाल सड़क के कारण हर दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है। सुबह हुई तेज बारिश ने समस्या को और गंभीर कर दिया। बारिश का पानी और सीवरेज सड़क पर भर जाने से गड्ढे पूरी तरह छिप गए। इसी दौरान बाइक पर जा रहा युवक गहरे गड्ढे में गिरकर घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसे बाहर निकाल कर प्राथमिक उपचार के लिए भेजा। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। ग्यासपुर निवासी रितेश कुमार सिंह, राजेश सिंह, अजीत सिंह, रामानंद साहनी, भोला मोर्य, मुंशीलाल मोर्य ने बताया कि सड़क की खराब हालत को लेकर कई बार नगर निगम में शिकायत दी जा चुकी है। लेकिन हर बार केवल पैचवर्क कर मामला टाल दिया जाता है। उनका कहना है कि इस मार्ग के आसपास कई सरकारी और निजी स्कूल स्थित हैं। सुबह स्कूल समय में गुजरने वाले वाहनों से कीचड़ उछलकर बच्चों की यूनिफॉर्म खराब हो जाती है, जिससे अभिभावकों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। स्थानीय निवासियों के अनुसार सड़क किनारे क्षतिग्रस्त सीवरेज लाइन से लगातार गंदा पानी बहता रहता है। गड्ढों में भरा दूषित पानी दोपहिया चालकों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। कई बार वाहन फिसलने से लोग चोटिल हो चुके हैं। वहीं जाम और टूटी सड़क के कारण एंबुलेंस तथा अन्य आपातकालीन वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित होती है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि बरसात के दौरान हालात बेहद भयावह हो जाते हैं, फिर भी अधिकारी स्थायी समाधान की बजाय अस्थायी मरम्मत कर खानापूर्ति कर देते हैं। लोगों ने मांग की है कि ईस्टमैन चौक से सूआ रोड तक पूरी सड़क का पुनर्निर्माण कराया जाए, सीवरेज लाइन की तत्काल मरम्मत हो तथा जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में हादसों और लोगों की रोजाना होने वाली परेशानी पर रोक लग सके।

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय कमेटी सदस्या उपासना मरांडी के प्रयास से फुलझिझरी पंचायत भवन के पास लगा नया ट्रांसफार्मर

पाकुड़िया, पाकुड, झारखण्डः- पाकुड़िया प्रखण्ड के अंतर्गत पंचायत मुख्यालय फूलझिझरी ग्राम स्थित, 20 अगस्त को पंचायत भवन टोला मे केंद्रीय कमेटी की सदस्या उपासना मरांडी के सराहनीय प्रयास व जनहित के प्रति, संवेदनशील सोच एवं निरंतर जन सम्पर्क से फुलझिंझरी गांव में 25 केवीए का नया, बिजली ट्रांसफार्मर लगाया गया। नये ट्रांसफार्मर के लगने से गांव में लंबे समय से बनी बिजली की समस्या से,अब ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी इससे,क्षेत्र में नियमित व व्यवस्थित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इससे आमजन के दैनिक जीवन के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई, एवं अन्य आवश्यक कार्यों में भी सुविधा होगी भी होगी। उपासना मरांडी क्षेत्र की जनता को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु, लगातार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं वे,जनसमस्याओं के त्वरित समाधान एवं क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को भी प्राथमिकता देते हुए, निरंतर प्रयासरत हैं। ग्रामीणों ने इस कार्य के लिए उपासना मरांडी के प्रति आभार व प्रसन्नता व्यक्त की है।

बरही में रविवार को नशीले पदार्थों के खिलाफ निकलेगी मोटरसाइकिल रैली

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- ब्राउन शुगर समेत नशीले पदार्थों के खिलाफ जागरूकता फैलाने और बरही को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से रविवार, 23 अगस्त 2026 को सुबह 8 बजे बरही चौक से एक वृहद मोटरसाइकिल रैली निकाली जाएगी। रैली का आयोजन पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सीडीपीओ के नेतृत्व में किया जाएगा। इस अभियान को लेकर बरही एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने बरही की जनता, समाजसेवियों, युवाओं, युवतियों एवं जनप्रतिनिधियों से रैली में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस-प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बरही को ब्राउन शुगर और अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव से मुक्त कराने के लिए सभी लोग एकजुट हों और मोटरसाइकिल रैली में शामिल होकर नशामुक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति हुए घायल, सीएचसी नारायणपुर में हुआ उपचार

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- गोविंदपुर साहिबगंज हाईवे पर नारायणपुर थाना क्षेत्र के कोरीडीह के पास सड़क घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायल का प्राथमिक उपचार सीएचसी नारायणपुर में करने के बाद बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया गया है। घटना शुक्रवार की सुबह 10:00 बजे की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार सीडीपीओ कार्यालय नारायणपुर में कार्यरत कर्मी ठाकुर सोरेन जामताड़ा रामपुर से ड्यूटी करने के लिए सीडीपीओ कार्यालय नारायणपुर आ रहे थे। संभावना व्यक्त की जा रही है कि कोरीडीह के पास किसी वाहन ने उन्हें धक्का मार दिया, जिससे वे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। तत्काल घायल को उपचार के लिए सीएचसी नारायणपुर में भर्ती कराया गया। संभावना व्यक्त की जा रही है कि धक्का मारने के बाद वाहन चालक वाहन को लेकर मौके से फरार भी हो गया है।स्थानीय लोगों ने उन्हें सड़क किनारे पड़ा हुआ देखा। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस क्षेत्र में आए दिन कहीं ना कहीं सड़क दुर्घटना हो जाती है तथा जानमाल को नुकसान हो जाता है।

सजेती पुलिस ने यज्ञशाला से सात जुआरी किए गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना सजेती पुलिस ने यज्ञशाला में जुआं खेल रहे सात जुआरियों को किया गिरफ्तार, पुलिस को उनके पास से 7690 रूपए बरामद किए गए,, मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने सभी को जेल भेज दिया है,कई दिनों से ग्रामीणों ने सजेती पुलिस से यज्ञशाला में जुआं होने की शिकायत कर रहे थे,, पुलिस ने शिकायत को संज्ञान में लेकर कारवाई की,,सजेती थाना प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार ने बताया कि मोहटा गांव के ग्रामीण लगातार फोन कर उन्हें गांव के किनारे जुआं होने की शिकायत कर रहे थे,जिस पर उन्होंने पुलिस टीम को अलर्ट किया, सूचना मिली कि जुआरी फड सजाकर यज्ञशाला में जुआं खेल रहे हैं, सूचना मिलने पर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और यज्ञशाला को चारों तरफ़ से घेर लिया,इस दौरान पुलिस के हत्थे जुआं खेल रहे थाना क्षेत्र के गणेश शर्मा, अमित कुमार, रामप्रकाश, लाखन, शिवबाबू, नफीस, और कृष्ण बाबू, को पकड़ लिया गया, जिनके पास से पुलिस को 7690 रूपए और एक ताश की गड्डी बरामद हुई,, पुलिस ने जुआं अधिनियम के तहत् मुकदमा दर्ज कर सातों जुआरियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है, थाना प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार ने बताया कि यज्ञशाला में जुआं खेल रहे सात जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है इस कार्रवाई से क्षेत्र में जुआरियों में हड़कंप मच गया हैं, पकड़ने वाली पुलिस टीम, थाना प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार, उपनिरीक्षक उदय प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक सतीश कुमार, कांस्टेबल वेदराम,सुरजीत कुमार, रोहित कुमार, राकेश कुमार, अश्वनी कुमार,शिव संगम आदि पुलिस टीम में शामिल रहे।

सावन की अंतिम सोमवारी पर पाकुड़िया से रघुनाथगंज रवाना हुई कांवरियों की टोली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- सनातनी मान्य परंपराओं में श्रावण महीने की विशिष्टता और महिमा चिरकाल से रही है। सनातन सांस्कृतिक मूल्यों में सृष्टि काल से ही आध्यात्मिक महत्ता रही है। कहा जाता है कि धर्म अर्थात कर्तव्य एवं आध्यात्म ही सनातन के मूल तत्व हैं। सनातन धर्म और संस्कृति में सभी महीनों की अपनी विशिष्टता रही है। श्रावण से लेकर देवउठावनी एकादशी तक के चार महीनों को श्रद्धालु आध्यात्मिक जागरण की वेला भी कहते हैं। बताया जाता है कि देवताओं और दानवों ने संयुक्त रूप से समुद्र मंथन किया था। इससे लक्ष्मी सहित कुल 14 रत्नों की प्राप्ति हुई थी, जिसमें कालकूट विष भी था। विष के कुप्रभाव को रोकने के लिए देवों के देव महादेव ने अपने कंठ में विष धारण कर संकट का निवारण किया और नीलकंठ कहलाए। विषपान कर भगवान शिव ने विश्व का कल्याण किया। इसी निमित्त महादेव के प्रति जलार्पण कर भक्त अपनी कृतज्ञता समर्पित करते रहे हैं। अंतिम सोमवारी 24 अगस्त को भगवान शिव को गंगाजल अर्पित करने के लिए 21 अगस्त की शाम चार बजे कांवरियों की टोली बस से बंगाल के रघुनाथगंज के लिए रवाना हुई। इसमें युवा, वयस्क, किशोर और महिलाएं भी शामिल हैं। प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण इलाकों से संथाल साफाहोड़ समाज की 21 श्रद्धालु महिलाएं भी कांवर यात्रा में शामिल होकर गंगाजल भरने के लिए रघुनाथगंज गई हैं। 22 अगस्त शनिवार को कांवरिये बंगाल के रघुनाथगंज में गंगा स्नान के बाद गंगाजल लेकर बोल बम के जयघोष के साथ नंगे पांव वहां से प्रस्थान करेंगे। शाम को गड़वाड़ी विद्यालय में शुद्ध भोजन करने के बाद रात्रि विश्राम विद्यालय परिसर में होगा। इसके बाद नदी में स्नान कर कांवर लेकर महेशपुर शिव मंदिर पहुंचेंगे और भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। इसके बाद पुनः नंगे पांव पाकुड़िया के लिए प्रस्थान करेंगे। इस दौरान रास्ते में शुद्ध भोजन की व्यवस्था रहेगी। भोजन के बाद पुनः स्नान कर कांवर लेकर 23 अगस्त को पाकुड़िया के राम-सीता मंदिर पहुंचेंगे। वहां भोजन के बाद रात्रि विश्राम होगा। अंतिम सोमवार 24 अगस्त को नदी में स्नान कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना और जलार्पण के उपरांत कांवर यात्रा का विधिवत समापन होगा। कांवर यात्रियों की सदियों से सुखद कांवर यात्रा होती रही है। इन दिनों कांवरियों की संख्या भी बढ़ती देखी जा रही है। कांवरियों को भक्तों का पूरा सहयोग मिलता रहा है। जगह-जगह जलपान, ठंडे पेय और शुद्ध भोजन की व्यवस्था की जाती है। आयोजित कांवर यात्रा में प्रखंड के कई ग्रामीण इलाकों से कांवरिये शामिल होकर श्रद्धा-भाव से भगवान शिव और माता पार्वती को गंगाजल अर्पित करते हैं। सदियों से आयोजित यह कांवर यात्रा भगवान शिव को गंगाजल अर्पण और पूजन के साथ सामाजिक समरसता का प्रतीक भी बनी हुई है। कांवरिया टोली के व्यवस्थापक पप्पू गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष कुल 250 कांवरिये कांवर यात्रा में शामिल हैं। इनमें महिलाएं तथा बालक-बालिकाएं भी शामिल हैं। पांच बड़ी बसों के अलावा छोटे वाहन भी चल रहे हैं। पाकुड़िया से वाहनों द्वारा कांवरिये रवाना हुए हैं। शनिवार को गंगाजल लेकर सभी कांवरिये नंगे पांव एक साथ जलार्पण के लिए रविवार की शाम पाकुड़िया पहुंचेंगे तथा 24 अगस्त को भगवान शिव और आदि माता पार्वती को जलार्पण एवं पूजन करेंगे।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों से रूबरू हुए एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर, सफलता और नशामुक्ति पर हुई चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के लिए एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बरही एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर एवं थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। अधिकारियों ने बच्चों से शिक्षा, सफलता, अनुशासन, संस्कार और नशे जैसी गंभीर सामाजिक समस्याओं पर खुलकर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने विद्यार्थियों से उनके भविष्य और जीवन के लक्ष्यों को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता केवल परीक्षा में प्राप्त अंकों से तय नहीं होती, बल्कि व्यवहार, अनुशासन, मेहनत, संस्कार और सही निर्णय लेने की क्षमता भी व्यक्ति की सफलता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए विशेष रूप से जागरूक किया। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि नशा किस प्रकार धीरे-धीरे व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और पूरे भविष्य को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से बचने के व्यावहारिक उपाय बताते हुए कहा कि किसी भी गलत आदत या गलत संगति की शुरुआत को समय रहते पहचानना जरूरी है। एसडीपीओ ने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता एवं बड़ों का सम्मान करने अनुशासन में रहने तथा अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहने की भी प्रेरणा दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि जीवन में आने वाली असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। वहीं थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने विद्यार्थियों को पुलिसिंग व्यवस्था एवं पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल अपराध को रोकना नहीं, बल्कि समाज में सुरक्षा, शांति और जागरूकता का वातावरण बनाना भी है। विद्यार्थियों ने पुलिस की कार्यशैली से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनका अधिकारियों ने सरल भाषा में जवाब दिया। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि आगामी रविवार को बरही में नशामुक्ति अभियान के तहत विशेष सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। युवाओं को नशे की गिरफ्त से दूर रखने और समाज में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान में एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि युवा केवल अपने भविष्य के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।यदि युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल, कौशल और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ें, तो समाज को नई दिशा मिल सकती है। इस दौरान प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा विद्यार्थियों के लिए ऐसे संवाद कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उन्हें समाज के जिम्मेदार अधिकारियों से सीधे सीखने और सवाल पूछने का अवसर मिलता है। आज युवाओं के सामने नशा और गलत संगति जैसी कई चुनौतियां हैं। यदि बच्चों को समय रहते सही मार्गदर्शन मिले और वे अपने माता-पिता, शिक्षकों एवं समाज के अनुभवी लोगों की बातों को समझें, तो वे इन चुनौतियों से आसानी से बच सकते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी अच्छे अंक हासिल करने के साथ-साथ अच्छे इंसान और जिम्मेदार नागरिक भी बनें। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ता रंजीत चंद्रवंशी , संध्या प्रहरी के संपादक रितेश कुमार, अनुज यादव एवं कई पत्रकार भी मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने अधिकारियों से संवाद को बेहद उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

मेगा लीगल एम्पावरमेंट कैंप में सरकारी विभागों के लगेंगे स्टॉल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में आगामी 23 अगस्त 2026 रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे बरही नगर भवन में मेगा लीगल एम्पावरमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर बरही के प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, उपमुखिया, वार्ड सदस्यों, समाजसेवियों को पत्र जारी कर कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। जारी पत्र में बताया गया है कि मेगा लीगल एम्पावरमेंट कैंप के दौरान विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित समाधान करने के साथ-साथ उन्हें आवश्यक कानूनी सहायता, परामर्श एवं योजनाओं से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने बताया कि शिविर का उद्देश्य आम लोगों को उनके अधिकारों एवं सरकारी सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान कराने में मदद करना है। उन्होंने क्षेत्र के सभी संबंधित जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर इसका लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों से भी अपने-अपने क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को शिविर की जानकारी देने और उन्हें कार्यक्रम में शामिल कराने का आग्रह किया है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को मेगा लीगल एम्पावरमेंट कैंप का लाभ मिल सके।

अमरनाथ सिंह बने प्रधान संघ के अध्यक्ष, दिया समाधान का भरोसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़। जिले के 22 ब्लॉकों के प्रशासनिक प्रधान संघ के अध्यक्ष पद पर अमरनाथ सिंह का चयन किया गया। अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्होंने कहा कि जिले के सभी ग्रामों और ग्राम प्रधानों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। समस्या ब्लॉक स्तर की हो या जिला स्तर की, उसके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से बात रखी जाएगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान एवं ग्रामीण मौजूद रहे। अमरनाथ सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतों के विकास और ग्राम प्रधानों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी तथा सभी प्रधानों के साथ मिलकर समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य किया जाएगा। बताते चलें कि उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव होने तक सरकार की मंशा के अनुरूप प्रशासकों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में विकास कार्य संचालित किए जाएंगे। ऐसे में प्रशासनिक व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायतों के कार्यों एवं ग्राम प्रधानों से जुड़े मुद्दों के समन्वय में प्रधान संघ की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है।अमरनाथ सिंह के अध्यक्ष चुने जाने पर उपस्थित ग्राम प्रधानों एवं ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में ग्राम पंचायतों से जुड़ी समस्याओं को मजबूती से उठाया जाएगा और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

निलंबित दुकान में खाद की बिक्री पर विभागीय अफसरों की चुप्पी से उठ रहे हैं सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल- खाद बिक्री में गंभीर अनियमितताओं के सामने आने के बाद भी कृषि विभाग की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ने से अब सवाल सीधे विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर उठने लगे हैं।मालूम हो कि नगर परिषद वार्ड-25 स्थित पूजा ट्रेडर्स में जांच के दौरान कई गड़बड़ियां मिलने के बाद जिला कृषि पदाधिकारी नेसंबंधित दुकान के खाद की बिक्री पर रोक लगाते हुए लाइसेंस निलंबित करते हुए तीन दिन में शोकॉज मांगा था। लेकिन रोक के आदेश के बावजूद दुकान से खाद की बिक्री जारी है। सबसे बड़ा सवाल यह है किजिला कृषि पदाधिकारी ने खुद दुकान को निलंबित किया है तो फिर उसी दुकान में खाद की बिक्री कैसे हो रही है?

जांच में खुली पोल, फिर कार्रवाई में उदारता क्यो

बिगत 4 अगस्त को प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी के निर्देश पर सम्बंधित दुकान की जांच की थी। जांच में लाइसेंस में दर्ज स्थान के बजाय दूसरे स्थान पर दुकान चलाने, डिस्प्ले बोर्ड पर जरूरी सूचना और स्टॉक विवरण नहीं रखने तथा पीओएस मशीन और वास्तविक स्टॉक में भारी अंतर जैसी गड़बड़ियां सामने आई थीं। इतना ही नहीं, दुकान से बिना बिल के नकली 'हरा सोना' नामक मिक्सर खाद के 10 बैग भी मिले थे।हलाकि लोगो का आरोप है कि खाद की मात्रा सेकड़ो बेग थी ,लेकिन मात्र 10 बेग दिखाया गया। इन अनियमितताओं को विभाग ने उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन माना। इसके बाद लाइसेंस निलंबित कर बिक्री पर रोक लगा दी गई और दुकानदार से स्पष्टीकरण मांगा गया। लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है—जब जांच रिपोर्ट में इतनी गंभीर गड़बड़ियां सामने आई तो 15 दिन बाद भी कार्रवाई आगे क्यों नहीं बढ़ रही हैं।

कागज पर निलंबन, जमीन पर बिक्री!

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभागीय आदेश के बावजूद दुकान से खाद की बिक्री की जा रही है। यदि यह सही है तो विभाग का बिक्री पर रोक का आदेश महज कागजी कार्रवाई बनकर रह गया है। ऐसे में कृषि विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से यह सवाल पूछा जाना स्वाभाविक है कि निलंबित दुकान की निगरानी कौन कर रहा है? बिक्री की शिकायतों पर जांच क्यों नहीं हुई? और यदि खाद बिक रही है तो कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?

जांच करने वाले अधिकारी की रिपोर्ट ही कमजोर करने की चर्चा

मामले में सबसे गंभीर चर्चा विभागीय स्तर पर ही हो रही है। सूत्रों का दावा है कि प्रखंड कृषि पदाधिकारी की जांच रिपोर्ट में सामने आई गड़बड़ियों पर आगे की कार्रवाई करने के बजाय उसे कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। आरोप है कि अनुमंडल कृषि पदाधिकारी मुकेश कुमार जांच रिपोर्ट में दर्ज तथ्यों को ही अलग नजरिए से देखने में जुटे हैं। यदि जांच रिपोर्ट सही है तो उसे दरकिनार करने की जरूरत क्यों पड़ी? और यदि रिपोर्ट गलत है तो विभाग ने उसी आधार पर दुकान का लाइसेंस निलंबित कर बिक्री पर रोक क्यों लगाई? इन सवालों का जवाब अब शायद कृषि विभाग के अधिकारियों के पास नही है।

क्या निलंबन सिर्फ दिखावे की कार्रवाई?

गंभीर अनियमितताओं के बाद दुकान का लाइसेंस निलंबित किया गया, लेकिन न तो अब तक लाइसेंस रद्द हुआ और न ही प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इससे यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या निलंबन सिर्फ दिखावे की कार्रवाई थी?

कालवर्ट के अभाव में सोनाइछड़ा स्कूल के विद्यार्थियों को आवागमन में भारी परेशानी

स्थायी कालवर्ट नहीं होने से जोखिम भरा आवागमन, लंबे समय से अधिकारियों का ध्यान नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर शिक्षा खंड के अंतर्गत दुल्लभछड़ा जीपी के दामछड़ा 9 नंबर लाइन क्षेत्र में स्थित सोनाइछड़ा एल.पी. स्कूल के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय लोगों को लंबे समय से सुरक्षित आवागमन की सुविधा नहीं मिलने के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 1982 में स्थापित इस विद्यालय को 44 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन स्कूल तक पहुंचने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर आज तक स्थायी कलवर्ट का निर्माण नहीं किया गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, विद्यालय तक जाने वाले रास्ते में मौजूद एक नाले को पार करने के लिए वर्षों से बांस के अस्थायी पुल का सहारा लेना पड़ रहा है। कई स्थानों पर सुपारी के पेड़ के तनों के सहारे भी छोटे-छोटे बच्चे जोखिम उठाकर नाला पार करते हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को हर दिन दुर्घटना की आशंका के बीच स्कूल आना-जाना पड़ता है। विशेषकर बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। बारिश के कारण नाले में पानी का स्तर बढ़ जाता है और बांस का पुल तथा सुपारी के तने फिसलन भरे हो जाते हैं। अभिभावकों को आशंका है कि किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है। छोटे बच्चों के गिरकर हाथ-पैर में चोट लगने से लेकर किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अभिभावकों और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि लंबे समय से इस समस्या को संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई प्रभावी पहल नहीं की गई। दुल्लभछड़ा ग्राम पंचायत प्राधिकरण और संबंधित शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी स्थानीय लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि सरकार विभिन्न शिक्षा एवं विकास योजनाओं पर बड़ी राशि खर्च कर रही है, फिर प्राथमिक विद्यालय के छोटे बच्चों की सुरक्षित आवाजाही के लिए एक छोटा-सा कलवर्ट बनाने में इतनी लंबी देरी क्यों हो रही है? नियमित विद्यालय निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों की नजर इस गंभीर समस्या पर क्यों नहीं पड़ी, इसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अभिभावकों की मांग है कि बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित शिक्षा विभाग के अधिकारी, ग्राम पंचायत प्राधिकरण और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण करें। साथ ही समस्या की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द स्थायी कलवर्ट के निर्माण की पहल की जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी बड़ी दुर्घटना के बाद प्रशासन के सक्रिय होने का इंतजार करने के बजाय पहले ही इस समस्या का समाधान किया जाना चाहिए। 44 वर्षों से जोखिम भरे रास्ते से आवागमन कर रहे सोनाइछड़ा एल.पी. स्कूल के विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित संपर्क व्यवस्था आखिर कब सुनिश्चित होगी–फिलहाल यही क्षेत्रवासियों का सबसे बड़ा सवाल है।

स्मार्ट मीटर के बाद भी बिजली सेवा में नहीं आया 'स्मार्ट' बदलाव

भीषण गर्मी में दुल्लभछड़ा के ग्रामीण लोग परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः श्रीभूमि जिले के रामकृष्ण नगर विधानसभा क्षेत्र के दुल्लभछड़ा से सटे आदर्श कृष्णनगर, ग्राम छनटिला और कालाछड़ा सहित विभिन्न ग्रामीण इलाकों में विभाग के द्वारा पुराने बिजली मीटरों को बदलकर नए स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बावजूद बिजली सेवा में अपेक्षित सुधार नहीं होने का आरोप स्थानीय लोगों ने लगाया है। मीटर बदलने के बाद भी पहले की तरह लगातार बिजली कटौती और लोडशेडिंग से आम जनता परेशान है। भीषण गर्मी के बीच घंटों बिजली गुल रहने से क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों की समस्याएं और बढ़ गई हैं। बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण घरेलू जीवन प्रभावित होने के साथ-साथ पेयजल आपूर्ति, व्यापार-व्यवसाय और रोजमर्रा के कामकाज पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बावजूद बिजली आपूर्ति में लगातार अनियमितता क्यों बनी हुई है, इसे लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं।

उनका आरोप है कि लंबे समय से लोडशेडिंग की समस्या बनी हुई है, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए संबंधित विभाग और अधिकारियों की ओर से कोई प्रभावी पहल नजर नहीं आ रही है। बार-बार समस्या से अवगत कराने के बावजूद स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है। इधर, भीषण गर्मी के दौरान लगातार बिजली कटौती से आम लोगों की परेशानी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि बिजली कटौती के वास्तविक कारणों की तत्काल पहचान कर नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। इस परिस्थिति में दुल्लभछड़ा तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र हस्तक्षेप और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए भुक्तभोगी आम लोगों ने जिला उपायुक्त (डीसी) का ध्यान आकर्षित किया है।

30 अगस्त के त्रिशूल मार्च को लेकर शिवसेना हिंदुस्तान की अहम बैठक

पदाधिकारियों को तैयारियों में जुटने के निर्देश, निष्क्रिय पदाधिकारियों पर भी हुई कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर- शिवसेना हिंदुस्तान की ओर से होशियारपुर में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अगुवाई पंजाब उपप्रधान राजिंदर राणा एवं प्रधान राहुल खन्ना ने की। इस महत्वपूर्ण बैठक में विशेष तौर पर शिवसेना हिंदुस्तान के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गुप्ता जी और राष्ट्रीय महामंत्री श्री कृष्ण शर्मा जी पहुंचे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 30 अगस्त को निकाले जाने वाले विशाल त्रिशूल मार्च की तैयारियों को लेकर रणनीति तैयार करना रहा। बैठक में राष्ट्रीय नेतृत्व ने पंजाब के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ त्रिशूल मार्च को सफल बनाने के लिए विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गुप्ता जी ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि 30 अगस्त के त्रिशूल मार्च को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत के साथ तैयारियों में जुटें। पवन गुप्ता ने कहा कि संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं के साथ संपर्क बढ़ाए और अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करे। राष्ट्रीय महामंत्री कृष्ण शर्मा जी ने भी बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी पदाधिकारियों को आपसी तालमेल और अनुशासन के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने 30 अगस्त के त्रिशूल मार्च को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह पैदा करने तथा कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से सफल बनाने पर जोर दिया। पंजाब उपप्रधान राजिंदर राणा एवं प्रधान राहुल खन्ना ने कहा कि शिवसेना हिंदुस्तान के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता 30 अगस्त के त्रिशूल मार्च को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। राणा ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में पंजाब में संगठन को और मजबूत किया जा रहा है तथा आने वाले दिनों में त्रिशूल मार्च की तैयारियों को लेकर विभिन्न स्तरों पर बैठकें और जनसंपर्क अभियान चलाए जाएंगे। आज की इस बैठक में महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए पार्टी के प्रति निष्क्रिय भूमिका निभाने वाले राजिंदर शिंदा जिला अध्यक्ष होशियारपुर अमन शर्मा जिला अध्यक्ष मजदूर सेना को पार्टी से निष्काषित कर दिया गया है और इनके द्वारा दी गई सभी नियुक्तियां भी अगली नियुक्ति तक भंग कर दी गई। बैठक के दौरान पार्टी के पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की तैयारियों को लेकर जानकारी दी और त्रिशूल मार्च में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। बैठक के अंत में राष्ट्रीय नेतृत्व और पंजाब इकाई ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से 30 अगस्त के त्रिशूल मार्च को जोरदार एवं अनुशासित तरीके से सफल बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मोके अमन राणा, अमित राणा, बिट्टू लंगेरी, महिला सेना जिला प्रधान सपना, राजू खोसला, हिंदू नेता भूपिंदर , विवेक विजन युवा जिला चेयरमैन, दोआबा युवा प्रधान परशांत पंडित, पुनीत ढींगरा, रीया रानी, बलविंदर कौर, पूजा अटवाल, हरजीत कौर आदि शामिल थे।

घाटमपुर में शटरिंग ठेकेदार ने महिला, पुरूष पर किया हमला

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना घाटमपुर क्षेत्र के भदरस गांव में सीमेंट उठाने को लेकर हुए विवाद में एक शटरिंग ठेकेदार और उसके साथियों ने एक युवक और एक महिला पर हमला कर दिया,इस हमलें में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए,, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, और मामले की जांच शुरू कर दी, घायलों की पहचान मढ़ा गांव निवासी लोकेंद्र 21 वर्ष पुत्र अरविंद कुमार और घाटमपुर के आशा नगर मुहल्ले में किराए पर रहने वाली सलमा 25 वर्षीय पत्नी चांद बाबू के रूप में हुई है,, बताया गया है कि शटरिंग ठेकेदार सीमेंट उठाने को लेकर उनका स्थानीय शटरिंग ठेकेदार से विवाद हो गया था, देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि ठेकेदार ने अपने अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया, आरोप है कि ठेकेदार और उनके साथियों ने हथौड़ी व डंडों से लोकेंद्र, और सलमा,पर हमला कर दिया, अचानक हुए इस हमलें में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, चीख-पुकार सुनकर जब तक आस पास के लोग मौके पर पहुंचे, आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए, घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई,, मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर भेजा, जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

गग्गरभाना सहकारी समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों को मंत्री ने किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। जंडियाला गुरु विधानसभा क्षेत्र के गांव गग्गरभाना की सहकारी समिति के चुनाव में नवनिर्वाचित सदस्यों को लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने सम्मानित कर बधाई दी। इस दौरान गांव गग्गरभाना और पल्ला से चुने गए सदस्यों को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी गईं। गग्गरभाना से निर्वाचित सदस्यों में सुखदेव सिंह पुत्र निरंजन सिंह, अजीत सिंह पुत्र लशमन सिंह, जगतार सिंह पुत्र शिव सिंह, हरजिंदर सिंह पुत्र जंग बहादर सिंह, जसबीर कौर पत्नी मंगल सिंह, नरिंदर सिंह पुत्र जगीर सिंह, शिंगारा सिंह पुत्र दलीप सिंह और गुरमेज सिंह पुत्र हरबंस सिंह शामिल हैं। वहीं गांव पल्ला से बख्शीश सिंह पुत्र वासन सिंह, राजविंदर सिंह पुत्र अजैब सिंह और अमरजीत कौर पत्नी जसबीर सिंह निर्वाचित हुए हैं। नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि सहकारी समितियां गांवों के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी सदस्य ईमानदारी, लगन और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे तथा ग्रामीणों की भलाई को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी समिति के कामकाज में पारदर्शिता और सुचारू व्यवस्था बनाए रखते हुए लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना नवनिर्वाचित सदस्यों की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों को उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

कैबिनेट मंत्री ने 28 नई नियुक्त आंगनवाड़ी हेल्पर्स को अपॉइंटमेंट लेटर दिए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना, लुधियाना। पंजाब सरकार की ओर से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की मुहिम के तहत कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने खन्ना स्थित किशोरी लाल जेठी (गर्ल्स) स्कूल ऑफ एमिनेंस में 28 नवनियुक्त आंगनवाड़ी हेल्परों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने सभी नवनियुक्त हेल्परों को बधाई देते हुए ईमानदारी, मेहनत और लगन के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की अपील की। इस अवसर पर मंत्री सौंद ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने मेरिट और पारदर्शी प्रक्रिया के आधार पर अब तक करीब 70 हजार युवाओं को नियमित सरकारी नौकरी दी है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में योग्यता और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि योग्य उम्मीदवारों को बिना भेदभाव रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को रोजगार देने के साथ-साथ आम लोगों को बेहतर और प्रभावी सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराना भी है। मंत्री ने कहा कि बच्चों के स्वस्थ विकास में आंगनवाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और प्रारंभिक विकास से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। ऐसे में नवनियुक्त आंगनवाड़ी हेल्परों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हेल्परों को अपनी नौकरी को केवल रोजगार का साधन न मानकर समाजसेवा का अवसर समझना चाहिए। उन्होंने महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और जमीनी स्तर पर लोगों की जरूरतों को समझकर सेवाओं को प्रभावी बनाने की अपील की। नवनियुक्त आंगनवाड़ी हेल्परों ने नियुक्ति पत्र मिलने पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति उनके लिए रोजगार के साथ बच्चों और महिलाओं की सेवा करने का अवसर भी है। इस मौके पर एसडीएम स्वाति टिवाना, सीडीपीओ सुखजीत कौर, जिला परिषद सदस्य मास्टर अवतार सिंह दैहिरू, नगर परिषद खन्ना के अध्यक्ष जतिंदर पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश गुप्ता और उपाध्यक्ष करमजीत सिंह सिफ्टी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सरकारी स्कूलों के 4 हजार विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी शिक्षा कार्यक्रम शुरू

लुधियाना। वर्धमान स्पेशल स्टील्स लिमिटेड (वीएसएसएल), लुधियाना ने अपनी सामाजिक दायित्व पहल के तहत जिला प्रशासन और इंग्लिश असिस्टेंट के सहयोग से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी भाषा शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया है। इस परियोजना का उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा की क्षमता विकसित करना तथा उनकी पढ़ाई और भविष्य में रोजगार के अवसरों को बेहतर बनाना है। इस परियोजना के तहत लुधियाना के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 4,000 विद्यार्थियों को विभिन्न ऑनलाइन अनुप्रयोगों और संवादात्मक शिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से अंग्रेजी सीखने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों की सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने की क्षमता विकसित करने के साथ उनका आत्मविश्वास बढ़ाने पर भी जोर दिया जाएगा। इस अवसर पर लुधियाना के उपायुक्त हिमांशु जैन ने परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की पहल बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

पार्क प्लाजा होटल में बैंक अधिकारियों और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

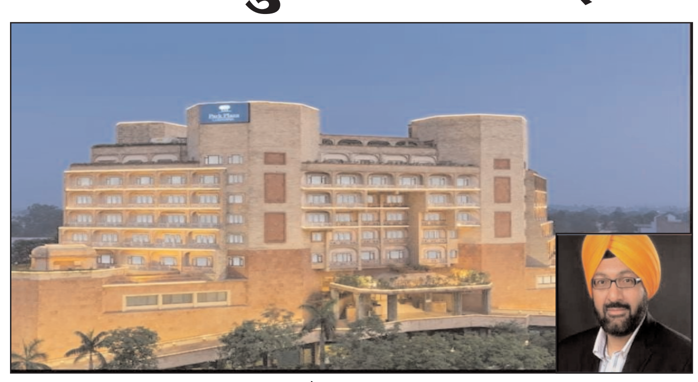

लुधियाना। महानगर के भाई वाला चौक स्थित प्रतिष्ठित होटल 'पार्क प्लाजा' में गुरुवार सुबह बैंक अधिकारियों और पुलिस की संयुक्त टीम ने अचानक कार्रवाई की। करोड़ों रुपये के बैंक ऋण विवाद से जुड़ी इस कार्रवाई के दौरान होटल परिसर में स्थित सैलून समेत 7वीं और 8वीं मंजिल पर बने कई कमरों को सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान होटल के मुख्य द्वार पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। वहीं बैंक और पुलिस के अधिकारी होटल के अंदर दस्तावेजों की जांच के साथ सीलिंग की प्रक्रिया में जुटे रहे।

नोटिस के बाद कार्रवाई

सूत्रों के अनुसार, होटल प्रबंधन पर विभिन्न बैंकों का करोड़ों रुपये का कर्ज बकाया है। इसे लेकर बैंक और होटल प्रबंधन के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि अदालत की ओर से बकाया राशि के निपटारे और पेशी को लेकर होटल प्रबंधन को चार बार नोटिस जारी किए गए थे। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद बैंक अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ होटल में रिकवरी और सीलिंग की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान होटल परिसर का सैलून तथा 7वीं और 8वीं मंजिल पर स्थित कमरों को सील किया गया। हालांकि, होटल की अन्य सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहीं। होटल में ठहरे मेहमानों की आवाजाही और रेस्तरां समेत अन्य आवश्यक सेवाएं प्रभावित नहीं हुईं। किस बैंक के ऋण अथवा गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) मामले में यह कार्रवाई की गई, इस संबंध में पुलिस और बैंक अधिकारियों ने फिलहाल विस्तृत आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। होटल प्रबंधन से भी संबंधित दस्तावेजों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

पूर्व विधायक जसबीर सिंह खंगूड़ा का है होटल

उल्लेखनीय है कि पार्क प्लाजा होटल पंजाब कांग्रेस के पूर्व विधायक जसबीर सिंह 'जस्सी' खंगूड़ा से जुड़ा है। खंगूड़ा पंजाब की राजनीति में चर्चित नाम रहे हैं और वर्तमान में मलेरकोटला जिले के अमरगढ़ विधानसभा क्षेत्र से राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय बताए जाते हैं।

श्रीभूमि जिले के शुगारमिल में पत्रकार के घर से बिजली की मोटर चोरी

श्रीभूमि : श्रीभूमि जिले के राताबाड़ी थाना क्षेत्र के शुगारमिल कॉलोनी में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर अब राताबाड़ी पुलिस सक्रिय हो गई है। सीआरपीएफ कैंप के सामने स्थित पत्रकार राशिद अहमद के घर से बिजली की मोटर चोरी होने की घटना की जांच करते हुए पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और कुछ संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की। जानकारी के अनुसार, गत 18 अगस्त की रात पत्रकार राशिद अहमद के घर से एक बिजली की मोटर चोरी हो गई। अगले दिन सुबह चोरी का पता चलने पर उन्होंने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन मोटर का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने राताबाड़ी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले की जांच की जिम्मेदारी एएसआई एस.एम. शर्मा को सौंपी गई। इस बीच, घटना की खबर राष्ट्रीय हिंदी दैनिक स्वतंत्र प्रभात राष्ट्रीय स्तर के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होने के बाद पुलिस ने जांच में और तेजी दिखाई। गुरुवार को एएसआई एस.एम. शर्मा के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और मौके का निरीक्षण कर विभिन्न पहलुओं की जांच की। इसके बाद शुक्रवार को भी पुलिसकर्मी नुरुल इस्लाम के साथ जांच अधिकारी एस.एम. शर्मा ने दोबारा घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने घटनास्थल का पुनः निरीक्षण कर मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं को खंगाला। साथ ही कुछ संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की गई। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से शुगारमिल कॉलोनी क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी से स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। महज एक सप्ताह के भीतर लगातार तीन घरों से बिजली की मोटर चोरी होने की शिकायत सामने आई है। इसके अलावा किसी के ट्यूबवेल तो किसी के घर से छोटी-मोटी वस्तुओं की चोरी की घटनाएं भी सामने आने की बात स्थानीय लोगों ने कही है। पुलिस की इस सक्रियता पर पत्रकार राशिद अहमद ने संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने राताबाड़ी थाने के ओसी चित्तरंजन बसुमातारी, जांच अधिकारी एस.एम. शर्मा सहित राताबाड़ी थाना पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

पंजाब बंद में दोहरी व्यवस्था पर उठे सवाल, पाठशाला बंद, शराब के ठेके और वाहन शोरूम खुल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। पंजाब बंद के दौरान लुधियाना में बंद के असर को लेकर दोहरी व्यवस्था पर सवाल उठे। एक ओर सुरक्षा के मद्देनजर निजी स्कूल बंद रहे, वहीं दूसरी ओर जीटी रोड पर कई शराब के ठेके और वाहन कंपनियों के शोरूम खुले नजर आए। इससे बंद की प्रभावशीलता और नियमों के समान अनुपालन को लेकर चर्चा शुरू हो गई। कौमी इंसाफ मोर्चा के आह्वान पर सुबह सात बजे से दोपहर दो बजे तक पंजाब बंद का आह्वान किया गया था। बंदी सिखों की रिहाई सहित विभिन्न मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने के उद्देश्य से आयोजित बंद के दौरान कई छोटे कारोबारी और दुकानदार अपने प्रतिष्ठान बंद रखे रहे।

स्कूल बंद, ठेके खुले

बंद के दौरान निजी स्कूलों को बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर बंद रखा गया। वहीं जीटी रोड पर स्थित कुछ शराब के ठेकों पर सामान्य रूप से बिक्री होती दिखाई दी। इसको लेकर लोगों ने सवाल उठाया कि यदि सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के कारण स्कूल बंद रखे गए, तो शराब के ठेकों को खुला रखने की अनुमति क्यों दी गई?

वाहन शोरूम भी खुले

जीटी रोड पर कई वाहन कंपनियों के शोरूम भी खुले रहे। कुछ स्थानों पर सामान्य गतिविधियां होती दिखाई दीं। लोगों का कहना है कि जब छोटे दुकानदारों ने बंद का पालन किया तो बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खुले रहने से बंद की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है।

प्रशासन से मांगा स्पष्टीकरण

स्थानीय लोगों ने कहा कि बंद का असर यदि आम दुकानदारों और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है तो नियम सभी प्रतिष्ठानों पर समान रूप से लागू होने चाहिए।

शराब के ठेकों और खुले शोरूम को लेकर प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लोगों ने प्रशासन से स्थिति स्पष्ट करने और समान नियम लागू करने की मांग की है।

दलितों और आदिवासियों के साथ सरकारें कर रहीं दोहरा व्यवहार : जरिता लैतफलांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

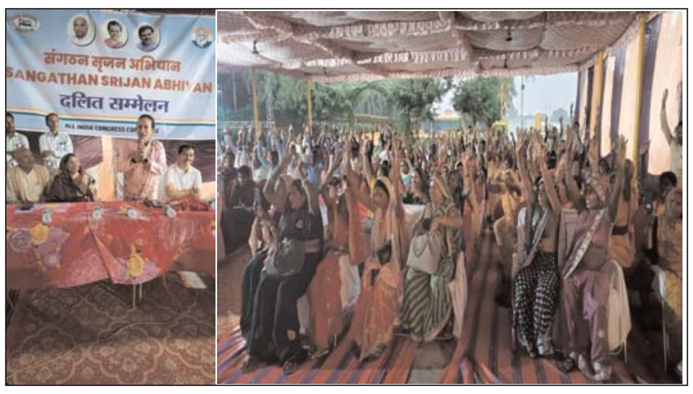

प्रयागराज। बारा तहसील के जसरा ब्लॉक के कूढ़ी/जारी स्थित दिव्यांशी गेस्ट हाउस में कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत दलित सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की मुख्य अतिथि एवं एआईसीसी पर्यवेक्षक सुश्री जरिता लैतफलांग ने कहा कि देश और प्रदेश की डबल इंजन सरकारों में दलितों एवं आदिवासियों के साथ दोहरा व्यवहार किया जा रहा है। उनके अधिकारों की अनदेखी के कारण इन वर्गों का उत्पीड़न बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में महिलाओं, दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार बढ़े हैं और उनकी समस्याओं की सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय इन वर्गों को गुमराह कर वोट हासिल किए जाते हैं, लेकिन चुनाव के बाद उन्हें उपेक्षित छोड़ दिया जाता है। उन्होंने दावा किया कि अब दलित समाज जागरूक हो चुका है और आने वाले चुनाव में इसका जवाब देगा। उन्होंने कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखने वाले कार्यकर्ताओं से संगठन में भागीदारी के लिए जिला अध्यक्ष पद हेतु अपना नाम देने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि पीसीसी पर्यवेक्षक उज्जवल शुक्ला ने दलित समाज से वर्तमान सरकार के खिलाफ संगठित होकर संघर्ष करने की अपील की। सम्मेलन की अध्यक्षता कौशाम्बी जनपद की पीसीसी पर्यवेक्षक एवं 264 बारा विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी मंजू सिंह ने की। उन्होंने हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ कथित घटना का उल्लेख करते हुए इसे दलितों के अपमान का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकारें भगवान श्रीराम की बात करती हैं, लेकिन शबरी के जूठे बेर प्रेमपूर्वक खाने के राम के आदर्श को भूल गई हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान मनोरमा देवी, नन्ही देवी, संगीता, अनिता, शिवकुमारी, कविता, आशा, रंजू देवी सहित श्यामाचरण, कमलेश कुमार उर्फ भोले, धर्मराज रत्नाकर, रामबहादुर, मनोज गौतम, श्यामबहादुर, श्रीराम, रोशन जी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

मां शांति आईटी संस्थान एवं एमएसडी लॉ कॉलेज में ध्वजारोहण व प्रभात फेरी का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मां शांति आईटी संस्थान एवं एमएसडी लॉ कॉलेज, बाबूगंज, प्रयागराज तथा उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में संस्थान परिसर में ध्वजारोहण एवं भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान में प्रशिक्षणरत छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रभात फेरी में सहभागिता की। प्रभात फेरी संस्थान परिसर से प्रारंभ होकर बाबूगंज बाजार के विभिन्न मार्गों से होते हुए निकली। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति के नारों के साथ लोगों में राष्ट्रप्रेम, एकता और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में संस्थान के प्रबंध निदेशक डॉ. राकेश केसरवानी ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की प्रगति में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास के लिए समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर निदेशक इंजीनियर योगेश केसरवानी, केंद्र प्रबंधक आलोक गुप्ता, रविंद्र मित्र शास्त्री, धीरेंद्र रंजन, एम.ए. सिद्दीकी, नीरज जायसवाल, अबुल कलाम, अजय द्विवेदी, रेयॉन मोमिन, काशिद जमीर, अतुल यादव, रामबहादुर, राजकुमार, नैतिक केसरवानी, धर्मजीत यादव, गौरी यादव, श्रद्धा तिवारी, लक्ष्मी पांडेय सहित संस्थान के समस्त स्टाफ एवं प्रशिक्षणरत छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। प्रभात फेरी के माध्यम से क्षेत्रवासियों को राष्ट्रप्रेम, भाईचारे, एकता और कौशल विकास के साथ आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं देश की समृद्धि और उन्नति की मंगलकामना के साथ हुआ।

चोरी के सात सोलर पैनल बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो, प्रयागराज। सोरांव पुलिस ने सोलर पैनल चोरी के मामले में दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के सात सोलर पैनल और वारदात में प्रयुक्त पिकअप वाहन बरामद किया है। बरामद पैनलों की अनुमानित कीमत करीब 2.50 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज पासी पुत्र हरिकरन पासी निवासी हंसराजपुर दहियांवा, थाना होलागढ़ और मिथलेश शर्मा पुत्र संगमलाल शर्मा निवासी जगापुर, पोस्ट आनापुर, थाना नवाबगंज, प्रयागराज के रूप में हुई है। दोनों को 20 अगस्त को सोरांव थाना क्षेत्र के अशोक नगर तिराहे से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि ग्राम बनकट में कृषि कार्य के लिए ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया एवं एचडीएफसी बैंक के सहयोग से संचालित परियोजना के तहत सोलर सिंचाई पंप लगाया गया था। इसी पंप के सोलर पैनल और अन्य उपकरण चोरी होने की तहरीर पर सोरांव थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी के बाद मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) की बढ़ोतरी कर आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई। बरामद पिकअप वाहन का नंबर यूपी 70 एमटी 7170 बताया गया है।

जिलाधिकारी ने बाढ़ के सम्बंध में बैठक करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को दिया दिशा-निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारि मनीष कुमार वर्मा शुक्रवार को संगम सभागार में बाढ़ के सम्बंध में बैठक करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमणशील रहकर सतत् निगरानी करते रहने के लिए कहा। जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों में जहां पर अभी हाल में अत्यधिक बरसात होने के कारण जिन क्षेत्रों में जल-जमाव की स्थिति बनी थी, वहां जल जमाव की स्थिति समाप्त होने के बाद अभियान चलाकर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था कराये जाने के निर्देशित किया है। उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी को बेलन नदी के कारण जो गांव बाढ़ से प्रभावित हो गये थे, वहां पर विशेष रूप से अभियान चलाकर साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने बाढ़ राहत शिविरों को क्रियाशील बनाये रखने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री चिकित्साधिकारी को बाढ़ राहत शिविरों में स्वास्थ्य विभाग की टीम की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। साथ ही साथ उन्होंने पुलिस की भी व्यवस्था जिसमें महिला पुलिस रहे, की तैनाती करने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि कहीं पर भी चारे की समस्या न होने पाये, पर्याप्त मात्रा में चारे की व्यवस्था सुनिश्चित रहे। गौआश्रय स्थलों में किसी भी दशा में जल-जमाव न होने पाये तथा साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था रहे। बरसात के कारण जहां पर भी सड़के क्षतिग्रस्त हो गयी है, उनको ठीक कराये जाने के लिए पीडब्लूडी विभाग को निर्देशित किया, ताकि आवागमन की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे। विद्युत विभाग के अभियंताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि जहां पर भी जर्जर एवं लटके हुए तार हो तथा पोल टेढ़े हुए हो, उनको तत्काल ठीक करायें। उन्होंने सिंचाई विभाग को नदियों में बढ़ने वाले जलस्तर के सम्बद्ध में पूर्व में ही अलर्ट जारी करने के लिए कहा है, जिससे कि सभी आवश्यक व्यवस्थायें पहले से ही सुनिश्चित करा ली जाये।

बस परिचालक को दी गई जान से मारने की धमकी, थाने में शिकायत दर्ज

नैनी,प्रयागराज । नैनी कोतवाली क्षेत्र में नैनी सेंट्रल जेल के पास एक बस परिचालक के साथ अभद्रता और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। यह घटना 16 अगस्त को हुई।शिकायतकर्ता राजेश कुमार सिंह, निवासी पाती, मेजा रोड, प्रयागराज ने बताया कि उनकी बस मेजा रोड की ओर जा रही थी। नैनी सेंट्रल जेल के पास पहुंचने पर एडीए कॉलोनी निवासी अवनीश पाण्डेय ने अपनी मोटरसाइकिल बस के सामने सड़क के बीच में खड़ी कर दी और बस को रुकवा लिया।राजेश कुमार के अनुसार, इसके बाद अवनीश पाण्डेय ने बस परिचालक के साथ बेवजह बहस शुरू कर दी। उन्होंने परिचालक को मां-बहन की भद्दी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी।आरोप है कि अवनीश पाण्डेय ने यह भी कहा कि वह भविष्य में इस सड़क पर बसों को नहीं चलने देंगे।इस घटना के संबंध में राजेश कुमार सिंह ने नैनी थाना प्रभारी को तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिना यूनिफॉर्म कॉलेज आये छात्र को गेट पर रोकने के चलते हुआ हंगामा

पूरनपुर (पीलीभीत)। बिना यूनिफार्म कॉलेज आए छात्र को गेट पर रोकने के मामले में तूल पकड़ लिया। छात्र द्वारा इसको लेकर हंगामा किया गया। छात्र का कहना है कि एक दिन पूर्व बारिश में उसकी यूनिफॉर्म भीग गई थी। जोकि सूख नहीं सकी। शिक्षा प्राप्त करने के प्रति वह काफी सजग है, इस कारण बिना यूनिफॉर्म के ही वह कॉलेज आ गया। तहसील कलीनगर अंतर्गत आने वाले नवदिया धनेश के संघटक राजकीय महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर उस समय हंगामा देखने को मिला, जब ड्रेस (यूनिफॉर्म) में न होने का हवाला देकर छात्रों को कॉलेज परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया। गेट पर रोके जाने से आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। छात्रों का तर्क है कि बीते दिन हुई भारी बारिश के कारण उनकी यूनिफॉर्म पूरी तरह भीग गई थी, जिसके चलते वे आज बिना ड्रेस के कॉलेज पहुंचे थे। छात्रों ने सवाल उठाया कि केवल एक दिन पहले सूचना जारी कर इस तरह की सख्त पाबंदी लगाना व्यावहारिक नहीं है।

मटैया लालपुर गांव में आयोजित हुई ग्राम चौपाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। ग्राम पंचायत में ग्राम चौपाल का आयोजन कर ग्राम विकास अधिकारी ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को रूबरू कराया। यहां सशस्त्र सीमा बल 49वीं वाहिनी ने चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों के स्थानीय मुद्दों, रास्तों और प्रशासनिक योजनाओं पर चर्चा की। विकास खंड पूरनपुर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मटैया लालपुर में ग्राम विकास अधिकारी राजेश गौतम एवं सशस्त्र सीमा बल 49वीं वाहिनी के द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। आयोजित ग्राम चौपाल में ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम सचिव राजेश गौतम ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। ग्राम सचिव श्री गौतम ने कहा कि ग्राम चौपाल का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को गांव में ही सुनकर उनका समाधान कराना है। उन्होंने ग्राम चौपाल में मौजूद ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन योजनाओं की पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में भी ग्रामीणों को बताया। श्री गौतम ने कहा कि पात्र लाभार्थी आवश्यक दस्तावेजों के साथ योजनाओं के लिए आवेदन करें और किसी भी बिचौलिए के झांसे में न आएं। ग्राम चौपाल में ग्रामीणों ने सड़क, नाली, बिजली, आवास, पेंशन और राशन से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। आयोजित ग्राम चौपाल में सशस्त्र सीमा बल 49वीं वाहिनी ने ग्रामीणों से संवाद सीमा सुरक्षा को मजबूत करने पर बल दिया। बताते चलें कि भारत-नेपाल या अन्य खुली सीमाओं के पास स्थित गांवों की चौपालों में एसएसबी अधिकारी ग्रामीणों से संवाद करते हैं। आयोजित ग्राम चौपाल में ग्राम प्रधान, ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, केयरटेकर सहित क्षेत्र के तमाम लोग मौजूद रहे।

कुपोषित बच्चों के अभिभावकों से सीडीओ ने किया संवाद

ब्यूरो प्रयागराज। शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह द्वारा बाल विकास परियोजना होलागढ़ में स्रूरूएवं स्रूरू बच्चे एवं उनके अभिभावकों से वार्तालाप

किया तथा पोषण के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके उपस्थित संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकत्री एवं समस्त मुख्यसेविकाओं को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित बच्चों पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अवसर पर खंड विकास अधिकारी होलागढ़,बाल विकास परियोजना अधिकारी बहरिया एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी होलागढ़ भी उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन की ट्रैप कार्रवाई का लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

लेखपाल संघ ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग को लेकर एसडीएम को दिया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन (ACO) द्वारा लेखपालों के खिलाफ की जा रही कथित गलत एवं अनुचित ट्रैप कार्रवाई के विरोध में आंदोलन का ऐलान किया है। इसको लेकर संघ ने उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन दिया है। लेखपाल संघ की तहसील उपशाखा पूरनपुर ने एसडीएम को शुक्रवार दोपहर तीन बजे एक ज्ञापन देकर संगठन की मांगों से अवगत कराया है। ज्ञापन में कहा गया है कि फील्ड में कार्यरत लेखपाल कठिन परिस्थितियों में राजस्व एवं शासन की योजनाओं से संबंधित दायित्व निभाते हैं। संघ का आरोप है कि गलत अथवा सुनियोजित ट्रैप कार्रवाई से कर्मचारियों की सेवा, सामाजिक प्रतिष्ठा और पारिवारिक जीवन प्रभावित होता है। संघ ने भ्रष्टाचार के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई का समर्थन करते हुए अनुचित कार्रवाई का विरोध किया है। पत्र में अयोध्या की सोहावल तहसील में लेखपाल उत्कर्ष दीप के मामले का उल्लेख करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है।संघ के अनुसार, प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देश पर 22 अगस्त को प्रदेश की सभी तहसीलों में लेखपाल थाना समाधान दिवस का बहिष्कार करेंगे। लेखपाल सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक तहसीलों में उपस्थित रहकर धरना देंगे। संघ ने प्रशासन से आवश्यक सहयोग और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

समग्र शिक्षा अभियान के तहत बीआरसी में लगाया गया मेडिकल एसेसमेंट कैंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। समग्र शिक्षा अभियान के तहत बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा नगर के बीआरसी में मेडिकल एसेसमेंट कैंप लगाया गया। जिसमें 40 दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण में से 17 दिव्यांग बच्चों के मौके पर प्रमाणपत्र जारी किए गए। खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय वीरेन्द्र सिंह के निर्देशन में समग्र शिक्षा अभियान के तहत दिव्यांग बच्चों के परीक्षण और पंजीकरण के लिए एक विशेष मेडिकल एसेसमेंट कैंप बीआरसी पूरनपुर में लगाया गया। कैंप में 40 दिव्यांग बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा गहन स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत बच्चों का सत्यापन कर 17 दिव्यांग बच्चों को मौके पर ही प्रमाणपत्र जारी कर दिए गए। शिविर में ब्लाक क्षेत्र के दूर-दराज से आए बच्चों और उनके अभिभावकों ने हिस्सा लिया। जिसमें 23 शेष बच्चों के प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को भी जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया गया। ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। शिविर में डीडीएम अंकुर भटनागर, विशेष शिक्षक राजेन्द्र कुमार, विजय कुमार गुप्ता, राम गोपाल पाण्डेय, राजेश कुमार, रामदास, अनिल कुमार सोनकर, डा. संजीव कुमार, डा. संजीव कुमार सक्सेना, डा. सुरभी सिंह, डा. प्रवीन शर्मा, डा. सचिन कुमार प्रजापति आदि मौजूद रहे। उन्होंने शिविर में आए अभिभावकों को दिव्यांग बच्चों के लिए चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं और सहायता उपकरणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कलीनगर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पूर्णेन्द्र शर्मा व अन्य पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। कलीनगर अधिवक्ता संघ के चुनाव में निर्वाचित पदाधिकारियों का शुक्रवार को तहसील परिसर में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। चुनाव अधिकारी अनुज पांडेय ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष पूर्णेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयदेव पासवान, कोषाध्यक्ष जयपाल सिंह यादव समेत अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। बताते चलें कि कलीनगर अधिवक्ता संघ के चुनाव में पांच मई को मतदान और मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए गए थे। अध्यक्ष पद पर पूर्णेन्द्र शर्मा और अनिल पांडेय के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था। पूर्णेन्द्र शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अनिल पांडेय को महज दो मतों से पराजित कर अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की थी। वहीं कोषाध्यक्ष पद पर जयपाल सिंह यादव ने सुनील कुमार राठौर को तीन मतों से हराया था। मतगणना के दौरान एक मत निरस्त किया गया था। इसके अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर जयदेव पासवान, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सत्यपाल राजपूत तथा महामंत्री पद पर महेंद्र पाल वर्मा निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए थे। परिणाम घोषित होने के बाद समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और विजयी प्रत्याशियों को फूल-मालाएं पहनाकर मिठाई बांटी थी। शुक्रवार को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अधिवक्ता हितों के साथ ही संघ की गरिमा और एकता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र पासवान, बबलू पांडेय, प्रशांत सिंह, मनोज मिश्रा, दोदराज कुशवाहा, हरीश बाबू, रामनरेश, प्रेमपाल वर्मा, अनुज पांडेय, देव स्वरूप आर्या, प्रिंस समेत कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

संस्था किरण और श्री महाकाल इवेंट्स के तत्वावधान में मेघ मल्हार सावन उत्सव का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। संस्था किरण और श्री महाकाल इवेंट्स के संयुक्त तत्वावधान में गुरूवार को 'मेघ मल्हार सावन उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम दोपहर 2 बजे होटल डिवाइन स्टे, नियर जीएचएस स्कूल, सिविल लाइंस प्रयागराज में संपन्न हुआ।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किरण जायसवाल और प्रधानाचार्या श्रीमती निशा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के ग्रुप डांस से हुई। इसके बाद संस्था किरण के संस्थापक एवं अध्यक्ष चौधरी रामकिशोर ने 'तू गंगा की मौज, मैं यमुना की धारा' गीत प्रस्तुत कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आगाज किया।इसके पश्चात सिंगिंग कंपटीशन का दौर शुरू हुआ, जिसमें कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। अंकिता कौशल और श्रेयली ने शानदार डांस परफॉर्मेंस दी। बाद में डांस कंपटीशन आयोजित हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अति प्रभावशाली डांस प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया।कार्यक्रम के अंत में श्री महाकाल इवेंट्स के सचिव अवनीश गुप्ता एवं श्वेता श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों और आए हुए मेहमानों का सम्मान करते हुए उन्हें रिटर्न गिफ्ट प्रदान किए। सिंग और डांस कंपटीशन में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।अंत में अवनीश गुप्ता और श्वेता श्रीवास्तव ने सभी मेहमानों और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

साहब... आखिर कब मिलेगा इन्साफ, नहीं तो करूंगा आत्महत्या

पिछले करीब आठ वर्षो से जमीनी विवाद को लेकर न्याय की आश में भटक रहे पिता पुत्र ने एक बार फिर मामले में कार्यवाही की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। सदर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मेलवारा कला निवासी पिता पुत्र पिछले करीब 8 वर्षो से गांव में विपक्षियों से चल रहे अबैध कब्जे के जमीनी विवाद को लेकर जनपद स्तरीय अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री स्तर तक भटकता घूम रहा है, लेकिन इन बीते 8 वर्षो में उसे अब तक इंसाफ नहीं मिल पाया है। जबकि जिला अधिकारी के निर्देश पर कई बार जिम्मद अधिकारियों ने जमीन की पैमाइश की जिस पर अवैध कब्जा होना भी पाया गया। लेकिन शुरुआती दौर में अवैध कब्जे को नकारने वाले संबंधित लेखपाल और अन्य कर्मचारियों को बचाने के लिए पेश की जा रही रिपोर्ट में हेर फेर किया जा रहा है, जिस कारण उसे अब तक न्याय नहीं मिल पाया है। अपनी जमीन पर हुए अवैध कब्जे से मुक्त करने के लिए वह लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहा है, लेकिन उसे इंसाफ नहीं मिल पाया है। इसी मामले को लेकर पीड़ित पिता पुत्र एक बार फिर जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित हुए, जहां उन्होंने देश के प्रधानमंत्री गृहमंत्री मुख्यमंत्री मुख्य सचिव सहित प्रदेश स्तरीय और जनपद स्तरीय अधिकारियों को संबोधित कर एक बार फिर प्रार्थना पत्र दिया और मामले में निष्पक्ष जांच कर कर उसकी जमीन पर हुए अवैध कब्जे को हटवाने की मांग उठाई है। पीड़ित ने यह भी हवाला दिया कि यदि इस मामले में जांच रिपोर्ट सही नहीं आई और जमीन से कब्जा नहीं हटाया जाता, तो वह सार्वजनिक रूप से धरना प्रदर्शन अनशन करेगा और उसके बाद आत्महत्या भी कर सकता है। ग्राम मैलवारा कला निवासी शिवलाल पुत्र ग्यासी अहिरवार अपने पुत्र के साथ शुक्रवार को एक बार फिर जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित हुआ, जहां उसने एक बार फिर प्रार्थना पत्र देकर गांव में स्थित अपनी जमीन पर हुए अवैध कब्जे से मुक्त करने की मांग उठाई। इस मामले को लेकर पीड़ित द्वारा देश के प्रधानमंत्री गृहमंत्री मुख्यमंत्री मुख्य सचिव सहित प्रदेश स्तरीय और जनपद स्तरीय अधिकारियों को दिए गए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया गया है कि गांव में उसकी आईजी क्रमांक 434 रखवा 3.90 एकड़ है जिस पर गांव में ही रहने वाले दबंग भू माफियाओं की मदद से दबंग महिला कालीबाई पत्नी सरमन उसके पति सरमन पुत्र खित्ते, दलपत रंजोरे अर्जुन पुत्रगण हल्का, प्यारेलाल पुत्र पर्वत, बारेलाल पुत्र हल्का आदि ने एक राय होकर तत्कालीन लेखपाल रश्मि एवं राजस्व निरीक्षक उदयवीर सिंह, चंद्रभान सिंह की मदद से अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। इस मामले को लेकर वह तत्कालीन जिलाधिकारी के समक्ष उपस्थित हुआ था, जहां जिला अधिकारी के निर्देश पर इस मामले की जांच कराई गई थी, जिसमें अवैध कब्जा होना इस लिए नहीं पाया गया था, की जिनकी मिली भगत से अवैध कब्जा कराया गया था, वहीं जांच करने के लिए गए थे। इसके बाद वह लगातार कई सालों से जिला स्तरीय अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री स्तर तक इस मामले को लेकर भटकता रहा और कई वायरस मामले की जांच कराई गई जिसमें अवैध कब्जा होना भी पाया गया था। चुकी शुरुआत ही दौर में लेखपाल और राजस्व निरीक्षक की सह पर हुए कब्जे के कारण उनके फसाने का डर था इसलिए बार-बार जांच रिपोर्ट में हेरा फेरी की गई और अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की गई जिस कारण उसे आज तक न्याय नहीं मिल पाया है। इस मामले को लेकर अवैध कब्जा हटवाने हेतु टीम भी घटित की गई थी जिसमें जिलाधिकारी अपर जिला अधिकारी उप जिला अधिकारी आदि ने मौके पर जांच की वह अवैध कब्जा हटवाने हेतु कई बार आदेश संबंधित तहसीलदार ललितपुर राजस्व निरीक्षक हल्का लेखपाल एवं चकबंदी लेखपाल राजस्व निरीक्षक आदि को किया गया लेकिन उन्होंने भी इसलिए इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं कि उनके ही कर्मचारी हंसते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान उसे दबंग पक्षियों द्वारा परिवार सहित जान से मारने की धमकी म रही है जिससे वह अब डरा हुआ है और इस मामले को लेकर उसने पुलिस अधीक्षक खूबी शिकायती पत्र दिया था। इतना ही नहीं इस दौरान राजस्व कर्मियों ने 60 गांठ कर पैसा लेकर विपक्षी कलीबाई और उसके परिजनों के नाम विधि विरुद्ध अवैध पट्टा भूमि संख्या 142 पर 122बी (4एफ) के अंतर्गत किया गया था, जिसे तत्काल निरस्त किया जाए। इस दौरान पीड़ित ने यह भी हवाला दिया कि यदि उसके मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया और इस इंसाफ नहीं मिला, तो पहले तो वह सार्वजनिक रूप से परिबार सहित धरना प्रदर्शन अनशन करेगी और उसके बाद परिबार सहित ही आत्महत्या भी कर सकता है, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

दूषित जल से गुजर कर बच्चे स्कूल जाने को मजबूर

ग्रामीण ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर समस्या के समाधान की मांग की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। बरसात के चलते हुए दूषित जल के भराव के कारण स्कूली बच्चों का सड़क से गुजरना मुहाल बना हुआ है। इसको लेकर ग्रामीण मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर समस्या के समाधान की मांग की है। तहसील क्षेत्र के ग्राम पडरिया में मुख्य मार्ग पर कई दिनों से नाली का गंदा पानी भरा होने से ग्रामीणों और स्कूली बच्चो को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर बने गड्ढे में पानी भर जाने के कारण बच्चों को गंदे पानी को पार कर स्कूल पहुंचना पड़ रहा है। तस्वीर में दिखाई दे रहा गेट सरकारी स्कूल का मुख्य द्वार बताया जा रहा है। गांव निवासी मोहन मिश्रा ने समस्या को लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। ग्रामीण के अनुसार यह मार्ग दो ग्राम पंचायतों और तीन छोटे गांवों को जोड़ता है, जिससे करीब 1200 लोगों की आबादी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या की शिकायत काफी समय पहले भी जनसुनवाई पोर्टल पर की गई थी, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मार्ग से जलभराव हटवाने और सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

रंगदारी मांगने और धमकी देने के आरोप में बर्खास्त सिपाही गिरफ्तार

.......पूर्व मुकदमे में खर्च हुए 50 हजार रुपये मांगने का आरोप, रुपये न देने पर जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की दी धमकी ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मोहनलालगंज पुलिस ने बर्खास्त सिपाही को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। आरोपी पर पूर्व में दर्ज मुकदमे में खर्च हुए करीब 50 हजार रुपये मांगने और रुपये नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक गोपालखेड़ा निवासी मनीष सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि बर्खास्त सिपाही रोशन रजा ने बीते 15 अगस्त को उसके साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में मोहनलालगंज थाने में बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि गुरुवार को रोशन रजा ने मनीष सिंह को रास्ते में रोक लिया और पूर्व में दर्ज मुकदमे में खर्च हुए करीब 50 हजार रुपये देने की मांग की। रुपये देने से इनकार करने पर आरोपी ने जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने इस मामले में भी बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। मोहनलालगंज पुलिस टीम ने शुक्रवार को आरोपी रोशन रजा पुत्र गुलाम रसूल निवासी शेखवानिया बुजुर्ग, थाना कुबेरस्थान, जनपद कुशीनगर, हाल पता पाण्डेय कॉम्प्लेक्स, कस्बा मोहनलालगंज को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। पुलिस के अनुसार रोशन रजा पूर्व में सिपाही के पद पर कार्यरत था, लेकिन वर्तमान में बर्खास्त है। उसके खिलाफ मोहनलालगंज थाने में पहले से भी एक मुकदमा दर्ज है।

अवैध क्लिनिक पर स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी, मरीजों का टिन के चदरे के नीचे चल रहा था इलाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

त्रिवेणीगंज। नगर परिषद क्षेत्र के बाजार स्थित एक हीरो शोरूम के सामने संचालित कथित अवैध क्लिनिक पर गुरुवार की शाम स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. उमेश कुमार के नेतृत्व में पहुंची टीम को देखते ही कथित झोलाछाप चिकित्सक और कंपाउंडर मौके से भाग निकले। अचानक हुई कार्रवाई से क्लिनिक में अफरा-तफरी मच गई। छापेमारी के दौरान टीम ने क्लिनिक की बारीकी से जांच की। इस दौरान वहां मरीजों का इलाज होता मिला। क्लिनिक की स्थिति देखकर टीम भी कुछ देर के लिए हैरान रह गई। टिन के चदरे से बने अस्थायी कमरे में मरीजों का इलाज किया जा रहा था। टीम ने इलाजरत मरीजों से पूछताछ करने के साथ-साथ क्लिनिक से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी जुटाए। जांच के दौरान टीम को जानकारी मिली कि क्लिनिक का संचालन कथित रूप से शंभू कुमार द्वारा किया जा रहा था। स्थानीय स्तर पर बताया गया कि उक्त क्लिनिक लंबे समय से संचालित हो रहा था, जहां लगातार मरीजों का इलाज किया जा रहा था। छापेमारी के दौरान क्लिनिक में मौजूद मरीजों में कुमारखंड थाना क्षेत्र के भोकराहा निवासी 25 वर्षीय मनीषा कुमारी, पति आशीष कुमार, गर्भावस्था के इलाज के लिए पहुंची थीं। वहीं पिपरा थाना क्षेत्र के छिट दुवयाही वार्ड संख्या-19 निवासी 30 वर्षीय गुलशन खातून, पति मोहम्मद जमाल, वायरल फीवर के इलाज के लिए वहां मौजूद थीं। इसके अलावा मेढ़िया, त्रिवेणीगंज निवासी रंजन देवी, पति विंदेश्वरी यादव भी वायरल फीवर के इलाज के लिए क्लिनिक में मिलीं। इस संबंध में अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि अवैध रूप से संचालित क्लिनिकों के खिलाफ अभियान के तहत जांच की जा रही है। गुरुवार को बाजार स्थित एक क्लिनिक की जांच की गई है। जांच के दौरान कई साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच में यदि आरोप सही पाए गए तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में लंबे समय से संचालित कथित अवैध क्लिनिकों और झोलाछाप चिकित्सकों को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। अब देखना होगा कि जांच में सामने आए साक्ष्यों के आधार पर विभाग आगे क्या कार्रवाई करता है।

मोहनलालगंज में आज लगेगा दिव्यांग बच्चों का मेडिकल असेसमेंट कैंप

मोहनलालगंज, लखनऊ। शिक्षा क्षेत्र मोहनलालगंज के बीआरसी कार्यालय के सामने स्थित प्राथमिक विद्यालय मोहनलालगंज-1 रिसोर्स सेंटर पर शुक्रवार को दिव्यांग (CWSN) बच्चों के लिए विशेष मेडिकल असेसमेंट कैंप आयोजित किया जाएगा। कैंप सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इसमें नए नामांकित, बिना दिव्यांगता प्रमाण पत्र वाले तथा प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के पात्र बच्चों का मेडिकल परीक्षण किया जाएगा। खंड शिक्षा अधिकारी की ओर से जारी निर्देश के मुताबिक कैंप में अल्प दृष्टि, वाणी दोष और अधिगम अक्षमता वाले बच्चों को शामिल नहीं किया गया है। दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने या नवीनीकरण कराने के लिए बच्चों का यूडीआईडी पोर्टल पर पूर्व पंजीकरण होना अनिवार्य है। कैंप में आने वाले बच्चों के साथ आधार कार्ड की छायाप्रति, विद्यालय में अध्ययनरत होने का प्रमाण पत्र और अभिभावक का होना जरूरी है। अभिभावकों से निर्धारित दस्तावेजों के साथ समय से कैंप में पहुंचने की अपील की गई है। अधिक जानकारी के लिए विशेष शिक्षक मनोज कुमार सिंह के मोबाइल नंबर 9838856164, सुनीता मिश्रा 9450846806 और अनुपम तिवारी 8887566084 पर संपर्क किया जा सकता है।

मोहनलालगंज बाइपास पर बस की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

.... लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप, पुलिस ने बस चालक व कंडक्टर के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के मोहनलालगंज बाइपास पर बुधवार दोपहर बस की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बस चालक व कंडक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निगोहां थाना क्षेत्र के बाबूखेड़ा मजरा रघुनाथखेड़ा निवासी इन्द्रजीत पुत्र राम आसरे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका भतीजा नितेश यादव (23) बुधवार दोपहर करीब तीन बजे बाइक से जा रहा था। मोहनलालगंज बाइपास पर पहुंचने पर यूपी 78 केटी 0238 नंबर की बस के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से नितेश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है और दुर्घटना में बस चालक व कंडक्टर की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रेंम प्रसंग में नहर मे कूदकर आत्महत्या का प्रयास कर रहे युवक को पुलिस ने बचाया

.......प्रेम प्रसंग से परेशान होकर इंदिरा नहर में कूदा था युवक, पुलिस टीम ने सकुशल बाहर निकाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नगराम। इंदिरा नहर में कूदकर आत्महत्या का प्रयास कर रहे युवक को नगराम पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए डूबने से बचा लिया। पुलिस ने युवक को समझा-बुझाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को ग्रामीणों से सूचना मिली कि एक युवक इंदिरा नहर में कूद गया है और डूब रहा है। सूचना मिलते ही नगराम थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नहर में डूब रहे युवक को सकुशल बाहर निकाल लिया। युवक की उम्र करीब 25 वर्ष है और वह कंचनखेड़ा मजरा समेसी का रहने वाला है। पूछताछ में युवक ने बताया कि प्रेम प्रसंग के चलते वह परेशान था और इसी कारण उसने आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने युवक को समझाया और बाद में उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। युवक को सुरक्षित देखकर परिजनों ने राहत की सांस ली और नगराम पुलिस की तत्परता की सराहना की। युवक को बचाने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक हिमांशु पाण्डेय, उपनिरीक्षक राकेश कुमार मिश्रा और आरक्षी

रक्षाबंधन से पहले पुलिस ने लौटाई 111 लोगों के चेहरे की मुस्कान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व से ठीक पहले ललितपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों से गुम या खोए हुए 111 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस की इस पहल से अपना खोया मोबाइल वापस पाने वाले लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने ललितपुर पुलिस का आभार जताया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देश पर जनसुनवाई के दौरान प्राप्त खोए व गिरे मोबाइल फोन से संबंधित प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए सर्विलांस टीम और थानों पर गठित पुलिस टीमों को मोबाइल बरामदगी के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। अभियान के तहत पुलिस टीम ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से देश के कई राज्यों तथा उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों से विभिन्न कंपनियों के कुल 111 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन बरामद किए। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने पुलिस लाइन के सभागार कक्ष में बरामद किए गए मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किए। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। मोबाइल स्वामियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए ललितपुर पुलिस का हृदय से धन्यवाद किया। पुलिस के अनुसार बरामद किए गए 111 मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रुपये है। पुलिस की इस कार्रवाई से उन नागरिकों को राहत मिली, जिनके मोबाइल फोन गुम होने के बाद वापस मिलने की उम्मीद कम हो गई थी। मोबाइल फोन की बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम के प्रयासों की पुलिस अधीक्षक ने सराहना की और टीम को पुरस्कृत किया। इसमें सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक अरुण पंवार, स्वाट टीम प्रभारी उपनिरीक्षक अतुल तिवारी, हेड कांस्टेबल जिनेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल प्रशान्त कुमार, कांस्टेबल रोहित कुमार, कांस्टेबल मो. आमिर, कांस्टेबल मोहित सिंह आदि शामिल रहे।

बैठक में जा रहे किसान यूनियन कार्यकर्ताओं से मारपीट, महिलाओं से छेड़खानी

......महिलाओं के जेवर और नकदी छीनने का भी आरोप, नाराज कार्यकर्ताओं ने निगोहां थाने में दिया धरना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां। भारतीय किसान यूनियन भानु गुट की मासिक बैठक में शामिल होने जा रहे कार्यकर्ताओं के साथ शुक्रवार को मेहंदौली के पास मारपीट का मामला सामने आया। आरोप है कि रास्ता देने को लेकर हुए विवाद के बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने महिलाओं के साथ अभद्रता और छेड़खानी की। महिलाओं के जेवर और नकदी छीनने का भी आरोप लगाया गया है। घटना से नाराज किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने निगोहां थाने पहुंचकर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसान नेता पिंटू के मुताबिक, शुक्रवार सुबह वह करीब एक दर्जन महिलाओं और पांच पुरुष कार्यकर्ताओं के साथ डाला वाहन से मोहनलालगंज ब्लॉक में आयोजित यूनियन की मासिक बैठक में शामिल होने जा रहे थे। मेहंदौली के पास सड़क किनारे एक डीसीएम खड़ा था। आरोप है कि डाला वाहन पहुंचने पर चालक ने डीसीएम सड़क पर खड़ा कर रास्ता रोक दिया। रास्ता देने के लिए कहने पर डीसीएम चालक देशराज ने विवाद शुरू कर दिया और मारपीट करने लगा। आरोप है कि इसी दौरान शुभम और अंबर नाम के दो युवक भी मौके पर पहुंच गए और महिलाओं के साथ अभद्रता, छेड़खानी व मारपीट करने लगे। किसान नेता का आरोप है कि चालक ने फोन कर अपने गांव से 15 से 20 लोगों को बुला लिया। कुछ ही देर में लाठी-डंडे और सरिया लेकर पहुंचे लोगों ने किसान यूनियन कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में मंजू, रोशनी और सावित्री घायल हो गईं। तीनों को उपचार के लिए सीएचसी मोहनलालगंज भेजा गया। तहरीर में महिलाओं के गले से मंगलसूत्र, कान की एक झुमकी और दो महिलाओं से नकदी छीनने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के बाद बड़ी संख्या में किसान यूनियन कार्यकर्ता निगोहां थाने पहुंच गए और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। कार्यकर्ताओं ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस के मुताबिक, तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।